मूल्य-20

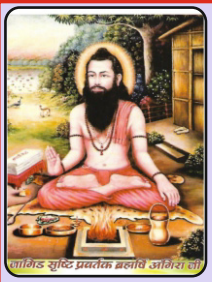

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्षः 118, अंकः 11, नवम्बर-2025 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

SBI

AKHIL BHARTIYA JANGID BRAHMIN

SCAN & PAY

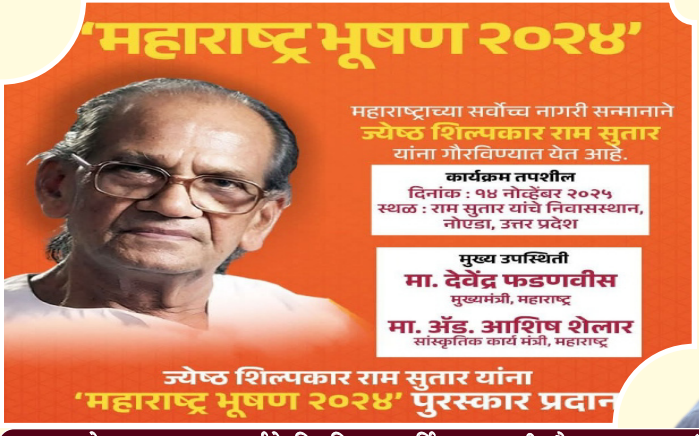

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, विश्वविख्यात मूर्तिकार, पदमश्री और पदम भूषण ,फ्रांस के विश्वविद्यालय द्वारा डाक्ट्रेट की उपाधि और महाराष्ट्र भूषण सम्मान से विभूषित ,अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विदेशों में भारत का डंका बजाने वाले, राम वंजी सुतार को 14 नवम्बर को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ,उप मुख्यमंत्री सुशील शिंदे और अजीत पवार द्वारा महाराष्ट्र भूषण सम्मान प्रदान करने पर बधाई देते हुए कहा कि, राम वंजी सुतार के हाथों में मूर्तिकला कला का जो जादू है, वह अकल्पनीय है। उन्होंने अपनी मूर्तिकला के माध्यम से विश्व की महान विभूतियों को सजीव और जीवन्त किया है और यह सब परमात्मा की अनुकम्पा से ही संभव हुआ है। भगवान उनको दीर्घायु प्रदान करें ताकि उनकी मूर्ति कला, विश्व के कौने-कौने तक पहुंच सके। **प्रधान,रामपाल शर्मा**

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा, 9 नवम्बर को कैमरी जिला करौली में आयोजित छात्रवृति वितरण समारोह , कैमरे की दृष्टि में विहंगम चित्रावली

राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा 16 नवम्बर को जयपुर आयोजित राज्य स्तरीय प्रतिभा पुरस्कार समारोह, कैमरे की दृष्टि में विहंगम चित्रावली।

INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

With its existence over three and half decades, we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

Our Management Team

Rampal Sharma

Deepak Sharma

Jagmohan Sharma

Amith Sharma

OUR STRENGTHS
- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE
- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE
- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

Some of our Valuable Clients

Flying Machine, U.S. Polo Assn., Aéropostale, Arrow, Louis Philippe, Peter England, Nautica, GAP, trueblue, GANT, Allen Solly, Van Heusen, lifestyle, max, homecentre, ZOYA, Tanishq, Taneira, Titan, Helios, fastrack, Titan eyeplus, Mia, Melorra, Centro, Birkenstock, Third Wave Coffee, Swayamvar, Shoppers Stop, Bluestone, SBeauty, Swish, Tasva, Manyavar

''जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका'' के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

पंजीकृत सं. एस.-27/1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा ''जांगिड'' - 09844026161

महामंत्री-पं.सांवरमल ''जांगिड'' - 09414003411

सम्पादक-प.रामभगत शर्मा ''जांगिड'' - 09814681741

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते है। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अरूण कुमार (अनिल जांगिड)

कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553

।। ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

01. विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट-छात्रवृति वितरण --
02. राज्य प्रतिभा सम्मान समारोह -राज०प्र०सभा०
07. संपादकीय---
09. प्रधान की कलम से -----
11. विख्यात मूर्तिकार, राम सुतार को, महाराष्ट्र भूषण
14. लादूराम जांगिड श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के-
16. विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा प्रतिभावान छात्र-
19. जांगिड समाज के महान प्रेरक , डॉ इन्द्रमणी शर्मा
21. विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज की कार्यकारणी को---
23.12 अक्टूबर को विश्वकर्मा समाज के 10वीं 12वीं-
24. आध्यात्मिक प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी के सदस्यों-
25. कोर कमेटी मीटिंग के मिनट्स---
26. हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव की सूचना--
33. प्रभु दयाल बरवाडिया प बंगाल के प्रदेशाध्यक्ष --
34. राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा 16 नवम्बर को जयपुर
36. बहरीन में भारत का सांस्कृतिक त्योहार दीपावली
37. जयपुर के 105 वर्षीय सेवनिवृत-तुलसीदास शर्मा-
39. त्रैमासिक बैठक और प्रदेशाध्यक्ष/प्रभारी मीटिंग--
40. मेरे जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य समाज के उत्थान के-
41. विश्वकर्मा टूडे न्यूज यू ट्यूब चैनल शुरुआत---
42. समय का सद्पयोग ही "जीवन की वास्तविक--
43. डॉ . हेमलता जांगिड, स्वास्थ्य विभाग हरियाणा-
44. डॉ. भव्या जांगिड हरियाणा में मेडिकल अधिकारी--
45. वासुदेव जांगिड राजस्थान प्रशासनिक सेवा में --
46. आशु जांगिड ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा की--
47. अनिकेत शर्मा राजस्थान प्रशासनिक सेवा की--
48. जयपुर के आर्यन शर्मा ने, बैचलर इन -----
49. महिसागर जिला सभा जिलाध्यक्ष पद सूचना-
50. कर्नल (मानद) पार्वती जांगिड फर्स्ट इंडिया यूथ---
51. जिलाध्यक्ष-जालौर, जोधपुर, डीग, सिरोही,----------
52. रायपुर में आयोजित त्रैमासिक मीटिंग का सार---
58. शपथ ग्रहण के बाद बने हुए प्लैटनम सदस्य---
59. मध्य प्रदेश निर्विरोध निर्वाचित जिला अध्यक्ष----
60. विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक रामप्रसाद शर्मा की-
61. श्रद्धांजलि सुमन--गुलाब देवी

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

कृष्णा इंटीरियर

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही है। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती है।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्ववानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नही हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय.....

जीवन में सफलता का मूल मंत्र, सकारात्मक दृष्टिकोण और धैर्य है।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

जीवन में एक व्यक्ति का दृष्टिकोण इस बात पर निर्भर करता है कि उसका चीजों को देखने का दृष्टिकोण और स्वाभाविक नजरिया क्या है? **जिस समय आप सकारात्मक दृष्टिकोण को आत्मसात करते हुए पूरी लगन और लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ही अपने दृष्टिकोण को विकसित करेंगे तो यह आपके लिए एक प्रेरणा स्रोत के साथ ही एक रामबाण भी सिद्ध होगा** तथा उस कार्य में सफलता हासिल होने की संभावना बहुत अधिक प्रबल हो जाएगी। इसलिए कहा गया है कि एक रचनात्मक बौद्धिक क्षमता रखने वाला व्यक्ति सदैव ही सफलता पाने की इच्छा से अभिप्रेरित रहता है। जीवन में आपने कई बार यह महसूस किया होगा कि, **जिस व्यक्ति की सोच सकारात्मक होती है वह दूसरों को हराने की इच्छा से नहीं रखता है अपितु वह अपना उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए ऐसा कार्य करना पसंद करता है, जो छोटी लकीर के साथ बड़ी लकीर खींच कर अपनी प्रतिभा का परिचय देना चाहता है।** हमें हमेशा ही यह सिखाया जाता है कि अपनी इच्छा के अनुसार कुछ करना आसान है , लेकिन खुद को रोकने के लिए अनुशासन और धैर्य चाहिए और असल में जीवन में सबसे कठिन काम है, जो हम वास्तविक रूप में चाहते हैं इसके लिए बड़ा ही साहस और हिम्मत चाहिए और इसके लिए स्वयं की कद्र करना सीखना होगा और अपनी खुशी के लिए आपको अपने ऊपर विश्वास रखना होगा और जिस समय आप सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढना चाहते हैं तो,आपको कितना भी लम्बा संघर्ष ही क्यों न करना पड़े, **लेकिन कभी निम्न स्तर पर समझौता नहीं करना चाहिए और जिस कार्य को जीवन में आप करना चाहते हैं उसके लिए जुनून के साथ-साथ सकारात्मक दृष्टिकोण भी जरूरी है।**

जीवन में सफलता का एक ही मूल मंत्र है और वह है, सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ ही, एक पागलपन, एक जुनून और एक जज्बा और आत्मविश्वास और ऐसा व्यक्ति ही सफलता के द्वार पर जल्दी पहुंचेगा , किसी भी मंजिल को पाने के लिए केवल टैलेंट, मेहनत और प्लानिंग ही काफी नहीं है, इसके लिए जरूरी है आपके अंदर छुपा हुआ सकारात्मक दृष्टिकोण और यह एक अदृश्य शक्ति, पागलपन और सकारात्मक विचार है ,जो आपको सदैव ही आगे बढ़ाने के लिए हमेशा ही अभिप्रेरित करते रहेंगे। **कई लोग परम सन्तोषी होते हैं और उनको भाग्य से जो भी जैसी भी और जिस क्वालिटी की वस्तु मिल गई,वह उसी से सन्तुष्ट रहते हैं और उसे ही अपना अन्तिम लक्ष्य समझकर खुशी-खुशी से अपना काम चला लेते हैं और ऐसे लोग सदा ही सन्तुष्ट एवं सुखी रहते हैं क्योंकि उनकी सोच सकारात्मक होती है** और उस सोच को परिलक्षित करने के लिए ही उसके हृदय पटल पर सकारात्मक दृष्टिकोण का आधिक्य होता है।

इसके विपरित कुछ लोग विपरीत मानसिकता और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाले भी होते हैं उनकी सोच नकारात्मक होने के कारण ही, उनकी सोच भी सीमित ही होती है **वह हरेक वस्तु पर अपना एकाधिकार समझते हैं और उनकी मानसिकता संकुचित होने के कारण ही ऐसा सोचते हैं कि और अपने अंहम को शांत करने के लिए अपनी मर्जी के अनुसार और बेहतर गुणवत्ता पूर्वक तरीके वाली और अभी और इसी समय ही चाहिए।** लेकिन जिस समय उसकी मनोकामना पूरी नहीं होगी तो यह स्वाभाविक ही है कि उसको निराशा ही हाथ लगेगी और वह वेदना के गर्त में डूब जाता है और अनेक बार, **नकारात्मक शक्ति से ओत-प्रोत होने के कारण ही ऐसे महानुभावों को परम संतोष नहीं हो पाता है और नकारात्मक दृष्टिकोण होने के कारण ही उसमें कुछ-न-कुछ कमियां निकालते रहते हैं** ताकि अपने

आपको सही साबित किया जा सके। मेरी व्यक्तिगत रूप से यह अवधारणा है कि ऐसे **नकारात्मक दृष्टिकोण वाले लोग ,अपने जीवन में कभी भी सुखी और संतुष्ट नहीं हो सकते हैं, क्योंकि उनके मन-मस्तिष्क पर नकारात्मक विचार हावी हो गए हैं और वह सदा ही असंतुष्ट एवं दुखी रहते हैं।"**

अपने जीवन का मूल्याकंण करने के लिए जीवन के सकारात्मक दृष्टिकोण और नकारात्मक दृष्टिकोण यानी पॉजिटिव या नेगेटिव? के बारे में अवधारणा को मूर्त रूप देने का प्रयास करें और आपके जीवन को संचालित करने वाले सकारात्मक दृष्टिकोण और नकारात्मक दृष्टिकोण का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। **जो व्यक्ति सकारात्मक दृष्टिकोण और पॉजिटिव थिंकिंग रखने वाले होते हैं वह निश्चित रूप हर परिस्थिति में धैर्य बनाए रखते हुए, अपने जीवन में सदा संतुष्ट और प्रसन्न रहते हैं। इसके विपरित अगर एक व्यक्ति का दृष्टिकोण नकारात्मक हैं और उसकी सोच नेगेटिव हैं, तो वह अपने जीवन में कभी भी सुखी और आन्दित नहीं रह पाएगा और निराशा और वेदना का दंश झेलते हुए सदा दुखी ही रहेगा।"** इस अवधारणा को मूर्त रूप देने और फलीभूत करने के लिए ही सकारात्मक दृष्टिकोण अतिआवश्यक होना चाहिए।

जीवन में कठिनाइयां, परीक्षा के लिए आती है और **विजय का अर्थ दूसरों पर विजय नहीं अपितु खुद पर विजय है और जो खुद को जीत लेता है वह सबसे शक्तिशाली होता है कठिनाइयां आपको जगाने के लिए आती है जब आप अपने हर अनुभव को शिक्षक की तरह स्वीकार करना सीख जाएंगे** इस जीवन को , हर दिन जीने के लिए ,एक नई वजह होती है, जीवन में अपने अनुभव के आधार पर सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए आगे बढ़ाने के लिए, निर्णय लेंगे और जो बोलते हैं, वही आपका संसार बनेगा, यह शब्द सृजन की शुरुआत है, आप जो बोलते हैं वही आपका संसार बनता है किसी बात को व्यक्तिगत रूप में न लें ,क्योंकि जो लोग आपके बारे में नकारात्मक सोच रखते हैं और अनावश्यक बोलते हैं ,वह उनका अपना प्रतिबिंब है, आपका नहीं , हर परिस्थिति में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करें तो, ऐसा करने से आपके अंदर एक ऐसी धारणा पैदा होगी,जहां केवल स्वीकृति होती है और सकारात्मक दृष्टिकोण के कारण ही आपको सफलता हासिल होगी।यह निर्विवाद रूप से सत्य है।

इसलिए अगर जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण होगा और धैर्य बनाए रखते हुए जीवन में आगे बढ़ने का प्रयास करेंगें तो, यह निश्चित है कि जीवन में एक व्यक्ति को आशातीत सफलता मिलेगी और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ ही धैर्य को भी आत्मसात करना होगा, क्योकि धैर्य ही एक ऐसा अनमोल गुण है जिसको आत्मसात करते हुए एक व्यक्ति हर संघर्ष को एक वरदान बना सकता है। **इसके लिए यह जरूरी कि सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ धैर्य बनाए रखते हुए हर परिस्थिति में अपने आपको, ढालते हुए आगे बढ़ने का स्तुत्य प्रयास करना होगा** और जीवन में अगर, सकारात्मक दृष्टिकोण और **धैर्य धारण कर लेंगे तो,कभी भी निराशा हाथ नहीं लगेगी और जीवन में सभी विषमताओं का अन्त हो जाएगा और सदैव ही सदा सुखी रहेंगे।** जीवन में विघ्न और बाधाएं एक व्यक्ति को कमजोर बना देती हैं और ऐसी परिस्थिति में, धैर्य और सकारात्मकता की जरूरत होती है, क्योंकि धैर्य वह आशा की किरण है, जो हमें प्रतिकूल से भी प्रतिकूल परिस्थिति से संघर्ष करने की प्रेरणा देती है।

इसलिए यह कहा जा सकता है कि जिस बात को लेकर आपको डर लगता है,उस क्षेत्र में अपना ज्ञान बढ़ाना जरूरी है और उस क्षेत्र में अपना ज्ञान बढ़ाना शुरू कर देंगे तो, आपका डर अपने आप ही भाग जाएगा, क्योंकि इस जीवन में सफलता का मार्ग भी धैर्य और सकारात्मक दृष्टिकोण से होकर ही गुजरता है।

विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

प्रधान की कलम से ---

मनुष्य का जीवन दान और पुण्य करने से सार्थक होता है और यही सर्वोत्तम धर्म है।

महासभा प्रधान,रामपाल शर्मा।

सबसे पहले मैं महासभा रुपी परिवार को हरि प्रबोधिनी एकादशी व्रत, वैष्णव तुलसी विवाह, गुरु नानक जयंती, 05 नवंबर को 179वीं जयंती इंद्रमणी शर्मा जांगिड समाज के महान प्रेरक, राष्ट्रीय प्रेस दिवस दिवस की बधाई देने के साथ ही, **मैं, समाज रत्न, विश्व विख्यात मूर्तिकार राम सुतार को महाराष्ट्र का सर्वोच्च सम्मान, महाराष्ट्र भूषण से सम्मानित होने पर बधाई और शुभकामनाएं देता हूं** और इसके साथ ही विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लादू राम जांगिड को भी हृदय के अन्तःकरण से बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ और उनके मंगलमय कार्यकाल की मनस्कामना करता हूँ। आप सभी को मालूम है कि आप सभी के सहयोग और भरोसे पर ही **महासभा ने एक महायज्ञ शुरू किया है और वह महायज्ञ है समाज में शिक्षा के प्रचार प्रसार के साथ ही समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाने का संकल्प और इस संकल्प को पूरा करने का श्रीगणेश 28 सितंबर को रायपुर छत्तीसगढ़ में हुई महासभा की त्रैमासिक बैठक में ,शिक्षा प्रकोष्ठ और आर्थिक सहायता प्रकोष्ठ स्थापित करने का निर्णय लेकर,** और जैसा कि महासभा परिवार के सदस्यों से वायदा किया गया था कि, **आपकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए ही , महासभा द्वारा इसके लिए ,एक क्यू आर कोड जारी किया जाएगा और यह संकल्प महासभा ने पूरा कर दिया है और महासभा की पत्रिका के मुख पृष्ठ पर एक क्यू आर कोड अक्टूबर की पत्रिका में लगाकर इसकी शुरुआत की गई है।** मैं, आज बड़ा भावुक हूँ कि आपने पिछले चार सालों के दौरान, मुझ पर जो भरोसा और अगाध विश्वास किया है, उसके बल पर ही और पिछले चार सालों के दौरान, समाज के लोगों के अनवरत सहयोग के कारण ही अपने संकल्प को पूरा करने का सुअवसर मिला और उसके लिए आभार व्यक्त करने के लिए मेरे पास आज शब्दों का अभाव है। **मुझे अच्छी तरह याद है कि महासभा भवन के निर्माण का संकल्प भी आपके भरोसे पर ही पूरा किया गया था और समाज को ,महासभा भवन के निर्माण के रूप में, एक ऐतिहासिक और अनमोल धरोहर समाज को सौंप दी है** ,जिससे न केवल समाज के पुरोधाओं मानिक्य और मोतियों के सपनों का साकार किया गया, **अपितु समाज के युवाओं के भविष्य की आधारशिला रखने के लिए भी देश की राष्ट्रीय राजधानी में एक प्लेट फार्म भी तैयार किया गया है।** एक समय तो मुझे ,ऐसा महसूस होने लगा था कि, महापुरुषों का, **महसभा भवन निर्माण का वह दिव्य स्वप्न शायद अधूरा ही रह जाएगा,** लेकिन समाज के उदारमना दानदाताओं और भामाशाहों ने दिल खोलकर दान दिया और भगवान का आशीर्वाद रहा, जिसके कारण,**महासभा भवन निर्माण का संकल्प पूरा हुआ और महासभा के प्रेरक महापुरुषों के सपनों को साकार किया गया।**

महासभा परिवार के भरोसे और विश्वास के बल पर ही , पुनः एक छोटा सा संकल्प लिया गया है और यह संकल्प देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के साथ जुड़ा हुआ है क्योंकि , शिक्षा के माध्यम से समाज की उन्नति और प्रगति संभव है और यह छोटा सा **एक प्रयास और संकल्प है**, शिक्षा की लौ को प्रज्ज्वलित करने के साथ-साथ ही, समाज के जरूरतमंद लोगों की विपदा और संकट की घड़ी में यथासंभव सहायता करते हुए उनको एक संबल प्रदान किया जा सके और समाज के सर्वांगीण विकास की योजना को मूर्त रूप देने के लिए के **समाज के उन जरुरतमंद लोगों की सहायता की जाए, जो मुसीबत के समय में समाज के भामाशाहों और दानदाताओं तथा महासभा की तरफ आशा भरी निगाहों से देखते हैं ताकि उनकी वेदना और कष्टों को कुछ हद तक दूर किया जा सके** और इसके लिए सबसे पहला मूल मंत्र है , समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान करके ,उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है तथा दूसरा मूल मंत्र है समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की सहायता करना। इसके लिए ही, महासभा द्वारा **शिक्षा प्रकोष्ठ और आर्थिक सहायता प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है**।

हमारे वेद - शास्त्रों और पुराणों में भी दान के महत्त्व को, इंगित किया गया है कि मनुष्य का जीवन दान और पुण्य करने से ही सार्थक होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता के 17 वें अध्याय के 20 वे श्लोक में, इसका विस्तार पूर्वक उल्लेख किया गया है कि

निस्वार्थ भाव से दान समय, देश , काल और परिस्थितियों के अनुसार देने से दान का महत्त्व और अधिक बढ़ जाता है और **दानवीर कर्ण ने भी अपना कवच और कुंडल ब्राह्मण के भेष में भगवान श्री कृष्ण को दान में दिया था** और भगवान श्री कृष्ण ने कर्ण को दानवीर की उपाधि से विभूषित किया था। लेकिन यक्ष प्रश्न यही उठता है कि जब हम ,अन्य समाज सेवी संस्थाओं को पहले से ही दान दे रहे हैं, तो फिर महासभा को दान क्यों दें। **पहले तो मैं आपकी दान भावना की सराहना करता हूँ कि आप अपने स्तर पर दान देकर विभिन्न संस्थाओं की सेवा कर रहे हैं, भगवान आपकी इस भावना को सदैव ही इसी प्रकार से बनाए रखे।**

लेकिन जहां तक महासभा को, दान देने का प्रश्न है। यह महासभा हमारा एक वृहत परिवार रुपी पौधा है और प्रदेश सभाएं , जिला सभाएं, तहसील सभाएं इसकी विभिन्न शाखाएं हैं और जब एक विशाल वटवृक्ष और शाखाएं आपस में मिलकर सामंजस्य बनाए रखती हैं तो वह पौधा अधिक फलता और पुष्पित होता है। एक इसका जवाब बड़ा ही स्टीक और तर्क संगत है कि **महासभा की शाखाएं सारे देश में फैली हुई है और इसका दायरा बड़ा ही विस्तृत है, सभी राज्यों के, देश के कौने-कौने में स्थित सीमाओं में भी इसका स्पष्ट उल्लेख किया गया है। जबकि प्रदेश स्तर पर बनाई गई समितियों और ट्रस्टों की अपनी सीमाएं हैं और वह अपनी सीमाओं का उल्लघंन नहीं कर सकती हैं, जबकि महासभा एक समुद्र के समान है और इसके द्वारा पारदर्शिता पूर्वक तरीके से कार्य करते हुए समाज के जरूरतमंद और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की सहायता की जाएगी ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके।** दानी महाराजा बलि ने,अपनी प्रतिज्ञा का पालन करते हुए भगवान के वामन अवतार ने दानी महाराज बली से तीन पग भूमि दान में मांगी थी और वामन भगवान ने दो पग में ही पृथ्वी और और पाताल को माप दिया था और तीसरे पग के लिए राजा बलि ने कहा कि मेरे सिर पर पैर रख लो , तब भगवान विष्णु ने राजा बली को दानी होने का वरदान दिया था और उसके कुल में ही भक्त प्रह्लाद पैदा हुए थे।

SCAN & PAY

UPI ID- akhilbhartiyajangidbrahminmahasabha@sbi

इस कलियुग में भी अनेक दानी और भामाशाह महापुरुष पैदा हुए हैं, जो भगवान के नाम पर अपना सब कुछ दान कर देते हैं। इंडिया फिलौंथैरेपी 2025 के अनुसार एच सी एल टैक्नोलॉजी के संस्थापक उधोगपति शिव नाडार ने एक वर्ष में 2700 करोड़ रुपए से अधिक का दान दिया है। हर रोज 7 करोड़ 2 लाख रुपए का दान दिया है।उनकी कुल नैट वर्थ 3.06 लाख करोड़ रुपए है। है। सन्त कबीर दास ने कहा है कि- **चिड़ी चोंच भर लें गई - नदी घटो ना नीर। दान दिए धन ना घटे कह गए दास कबीर।।**

मैं आपको, महासभा रुपी परिवार के सदस्यों को विनम्र प्रार्थना कर रहा हूं कि **आप अपनी श्रद्धा के अनुसार अपनी नेक कमाई में से इस कोष में दान कर सकते हैं और वह दान राशि 10 रुपए हर रोज से लेकर आपकी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार कितने रुपए तक भी हो सकता है।** आपका दिया हुआ एक-एक पैसा, उन गरीब बच्चों की शिक्षा में एक रामबाण सिद्ध होगा और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जाएगी। इसी प्रकार समाज के लोगों में ,दान देने की भावना बलवती होनी चाहिए। आप इस क्यूं आर कोड के माध्यम से हर रोज अपनी श्रद्धानुसार दान करें, क्योंकि बूंद-बूंद से ही घड़ा भरता है। **मेरा समाज के जन साधारण लोगों, दानदाताओं और भामाशाहों से करबद्ध प्रार्थना है कि समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों के सुखद भविष्य के लिए शिक्षा कल्याण कोष में अपनी श्रद्धा के अनुसार दान करके, महापुण्य के इस पुनीत कार्य रुपी महायज्ञ में यथासंभव अपनी आहुति डाले** ताकि देश के उज्ज्वल भविष्य गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों तथा समाज जरूरतमंद लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करके उनकी पीड़ा को कुछ सीमा तक कम करके महासभा द्वारा एक नया इतिहास लिखा जा सके।

☆☆☆

विख्यात मूर्तिकार, राम सुतार को शुक्रवार 14 नवंबर 2025 को महाराष्ट्र भूषण सम्मान प्रदान किया गया

उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर, नोएडा में, विश्वविख्यात मूर्तिकार राम सुतार को उनके आवास पर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने 14 नवम्बर को **महाराष्ट्र सरकार का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, महाराष्ट्र भूषण सम्मान देकर सम्मानित किया गया** । इस अवसर को द्विगुणित करने के लिए महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार तथा सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार भी उपस्थित थे । महाराष्ट्र सरकार द्वारा उनको पुरस्कार के रूप में 25 लाख रुपए की राशि और एक स्मृति चिह्न भी, प्रदान करके सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि राम वी सुथार के 100 वें, जन्मदिन पर 22 जनवरी को दिल्ली में बड़े ही उत्साह पूर्वक और सादगी पूर्ण ढंग से मनाया गया था।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि **महाराष्ट्र भूषण सम्मान** के चयन के लिए बनी समिति में एकमत से राम सुतार का नाम के सिफारिश की और वास्तव में वह इसके हकदार भी हैं, क्योंकि उन्होंने देश में ही नहीं अपितु विदेशों में महाराष्ट्र का नाम गौरवान्वित किया है। **उनकी शिल्पकला और मूर्तिकला अतुलनीय है, इसलिए उनको यह सम्मान मिलना ही चाहिए और इसीलिए महाराष्ट्र सरकार उनको यह सम्मान देने के लिए उनके घर आई है।** मुख्यमंत्री ने कहा कि राम सुतार पिछले 77 सालों से शिल्पकला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं और देश का ऐसा कोई भी राज्य नहीं है, जहां पर उन्होंने अपनी अनूठी कला को पहचान न दिलवाई हो और इतना ही नहीं, विश्व के 15 देशों में भी उन्होंने अपनी मूर्तिकला के माध्यम से वहां पर विभिन्न कलाकृतियों और स्टेचूज स्थापित करके एक अद्वितीय कीर्तिमान स्थापित किया है।

मुख्य मंत्री ने कहा कि उनके हाथों में शिल्पकला का जादू है और इस जादू को उन्होंने, अपनी उत्कृष्ट कला और कल्पना के माध्यम से, अपने चितेरे हाथों से उस कल्पना को मूर्त रूप दिया है। अद्वितीय शिल्प कला के माध्यम से ही, उस महान विभूति का, वास्तविक स्वरूप, चरित्र और चित्र स्पष्ट रूप से सामने आ जाता है। उन्होंने कहा कि आज खुशी का अवसर है, कि इस महान विश्व विख्यात कलाकार को मुझे और मेरे सहयोगी उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार के साथ राम सुथार के घर पर आकर सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। **उन्होंने कहा यह खुशी की बात है कि जिस समय उन्हें पुरस्कार दिया जा रहा है, उस समय वंजी राम सुतार ,जय-जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा माझा महाराष्ट्र, बोल रहे हैं।** राम सुतार एक मूर्धन्य शिल्पकार है और उनके मन में महाराष्ट्र और छत्रपति शिवाजी महाराज विराजमान हैं और **उनको यह, प्रतिष्ठित पुरस्कार देने से इस पुरस्कार का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है।** भगवान जिस पर अपनी

अनुकम्पा की बरसात करते हैं, उनका जीवन चरितार्थ और धन्य हो जाता है और ऐसे ही एक महान व्यक्तित्व के धनी, भारतीय संस्कृति की विरासत के पुरोधा, विनम्रता और सदाशता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति और **विश्व विख्यात मूर्तिकार राम सुतार ने 22 जनवरी को अपने जीवन के वसन्त के 100 वर्ष पूरे कर लिए हैं और इस आयु में महाराष्ट्र भूषण सम्मान जैसी अनुकरणीय उपलब्धि के लिए समस्त भारत का जांगिड-सुथार समाज उनकी राष्ट्र के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं के लिए हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता है।** जिस प्रकार से उन्होंने अपनी प्रतिभा और हुनर के बल पर देश विदेश में एक विख्यात मूर्तिकार के रूप में पहचान बनाई है, वह अनुकरणीय है। राम सुतार, एक सिद्ध हस्त कलाकार हैं, जिनके द्वारा, देश-विदेश में बनाई गई मूर्तियां, देश की विशाल अनमोल धरोहर हैं। महाराष्ट्र के धूलिया जिले के गांव गोंदूर में 22 जनवरी 1925 में माता श्रीमती सीता बाई वंजी सुतार और पिता वंजी हंसराज सुतार के घर पैदा हुए और उनकी मूर्ति कला के रूप में मर्मज्ञ के रूप में आज भी उनकी साधना अनवरत रूप से जारी है।

राम वंजी सुतार का मानना है कि **मूर्तिकला निर्माण अब मेरा पेशा नहीं अपितु एक जनून बन गया है और इसी जनून ने ही मुझे यहां तक पहुंचाया है और इस सुखद जीवन यात्रा में परम पिता परमात्मा का आशीर्वाद और असीम अनुकम्पा रही है, जिसके कारण ही मैं जीवन के इस सफर में यहां तक बढ़ पाया हूँ।** उन्होंने याद दिलाया कि वह, सन् 1959 से मूर्ति निर्माण के कार्य में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं और पिछले लगभग साढ़े 7 दशकों से मूर्तियां बनाने के साथ-साथ ही नए मूर्ति शिल्पियों का मार्गदर्शन करने के साथ ही उनको पारंगत भी किया है। **वह 34 साल की आयु में , अपने पुत्र अनिल सुतार और पत्नी प्रमिला आर सुतार के साथ दिल्ली आ गए थे और आज 66 साल बाद भी अपने गांव की मधुर स्मृतियां मेरे दिल में कोंध रही हैं।** उन्होंने मुंबई के जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स में दाखिला लिया और वहीं से ही, उनका मूर्तिकला की तरफ अधिक रुझान बढ़ा और इसी दिशा में आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प लिया। परमात्मा की प्रेरणा और गुरुदेव रामकृष्ण जोशी की सलाह और मार्गदर्शन के बाद वह दिल्ली आ गए।

उनके सुपुत्र आर्किटेक्ट और स्कलैपचर अनिल सुतार ने कहा कि , पिता जी को, सरकारी नौकरी पसंद नहीं आई और उन्होंने **पक्की सरकारी नौकरी छोड़ दी क्योंकि उनका लक्ष्य महान् था और पहली बार सन् 1961 में उन्होंने गांधीसागर बांध पर देवी चंवल की 45 फुट ऊंची मूर्ति बनाने का सुअवसर प्राप्त हुआ और उसके पश्चात उन्होंने राजधानी में संसद भवन के बाहर लगी गोविन्द वल्लभ पंत की आदमकद मूर्ति बनाई ।** उनकी कला कृतियों में भावनाओं और और संवेदनाओं का अनूठा संगम और सामंजस्य देखने को मिलता है और यही कारण है, उसकी ख्याति धीरे-धीरे फैलने लगी। उसने याद दिलाया कि , महात्मा गांधी की एक प्रतिमा तो उन्होंने सन् 1948 में ही बना दी थी और उनके द्वारा बनाई गई, महात्मा गांधी की 17 फुट ऊंची एक आदमकद प्रतिमा संसद भवन में स्थापित की गई है और यह उनकी सर्वश्रेष्ठ कृतियों में से एक है और **ध्यान मुद्रा में बनाई गई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की , इस मूर्ति का अनावरण 2 अक्टूबर 1993 को गांधी जयंती पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा द्वारा किया गया था।** इसके अतिरिक्त उन्होंने महाराजा रणजीत सिंह, महात्मा ज्योतिराव फूले, छत्रपति साहू महाराज, पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, सरदार पटेल, जय प्रकाश नारायण और छत्रपति शिवाजी महाराज की भी मूर्तियों का निर्माण भी राम सुथार द्वारा किया

गया है।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी राम सुतार ने गुजरात में, **लौह पुरुष सरदार पटेल की 182 मीटर ऊंची चर्चित प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण करके, अपने आपको विश्व के विख्यात महान मूर्तिकार शिल्पियों की कतार में शामिल कर लिया है।** ऐसा माना जाता है कि यह दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति है और इसका उद्घघाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 अक्टूबर 2018 को किया गया था इस प्रतिमा के कारण ही उनकी शिल्पकला की प्रतिष्ठा की गूंज विदेशों तक पहुंच गई है। **मूर्तियों में कला के रंग** राम सुतार ने ही , हरियाणा के कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर के तट पर वर्ष 2008 में स्थापित भगवान श्री कृष्ण की अतुलनीय प्रतिमा भी बनाई है। जिसमें, भगवान श्रीकृष्ण महाभारत युद्ध के दौरान अर्जुन को संदेश दे रहे है। यह विशाल मूर्ति अतुलनीय है। उनकी कला में पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर मिश्रण है।

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने राम सुतार को, महाराष्ट्र सरकार द्वारा महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार मिलने पर हृदय के अन्तःकरण से बधाई देते हुए कहा कि वह वास्तव में इस पुरस्कार के हकदार हैं और राम सुतार ने, जिस प्रकार से महाराष्ट्र के एक छोटे से गांव में, पैदा होकर अपनी सत्य निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए अपनी मूर्ति कला को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान दिलवाई है। उन्होंने भारत सरकार से मांग की है कि राम सुथार की उत्कट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए ही **उनको भारत रत्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाए।** भगवान उनको दीर्घायु प्रदान करें ताकि वह मूर्ति कला के क्षेत्र में समाज का और देश का नाम गौरवान्वित कर सके।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, अन्तर्राष्ट्रीय मूर्ति कलाकार राम सुतार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस द्वारा 14 सितंबर को, प्रतिष्ठित, महाराष्ट्र भूषण सम्मान प्रदान किए जाने पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उनके समर्पण भाव और उत्कट जिजीविषा का ही परिणाम है कि, वह विश्व विख्यात मूर्तिकार बन गए। उनके हाथों में, अकल्पनीय कला का जो जादू है और वह कला के माध्यम से मूर्तियों भगवान की अनुकम्पा से जीवंत रूप प्रदान करने में सक्षम हैं। मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि भगवान उनको दीर्घायु प्रदान करें ताकि उनकी कला कौने - कौने तक पहुंचती रहे।

चित्रकार सदाराम पद्म भूषण श्री राम वंजी सुतार मूर्तिकार को उनके शताब्दी सम्मान समारोह पर पेंटिंग भेंट करते हुए।
29-03-2025

इसके साथ ही , महासभा के मुख्य संरक्षक भंवरलाल कुलरिया, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा, महासभा के मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड और महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा, महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष नानूराम जांगिड ,कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा , राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, विश्व विख्यात पेंटर सदाराम शर्मा, महामंत्री महासभा सांवरमल जांगिड सहित अनेक महानुभावों ने राम सुतार को **महाराष्ट्र भूषण सम्मान** मिलने पर बधाई देते हुए उनकी दीर्घायु की मनस्कामना की है।

इस अवसर पर समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार और सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार, राज्य सभा सदस्य दीवाकर शर्मा, डॉ महेश शर्मा, अनिल सुतार की धर्म पत्नी स्वाति ए सुतार, पुत्र समीर ए सुतार, सुपुत्री सोनाली सुतार शर्मा शामिल हैं।

सम्पादक राम भगत शर्मा

लादूराम जांगिड श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए।

महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष, विनम्रता और सादगी के प्रतीक, समाज के प्रति समर्पण और निष्ठा की भावना रखने वाले, लादूराम जांगिड 9 नवम्बर को जगदीश धाम कैमरी जिला करौली में, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित छात्रवृत्ति सम्मान समारोह के बाद सर्वसम्मति से आगामी तीन वर्षों के लिए **श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए हैं।** इससे पहले वह महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा के समय में ही लगातार दूसरी बार महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष बने हैं और यह उनकी लोकप्रियता और समाज में स्वीकार्यता का सबसे बड़ा उदाहरण है। इसके साथ ही उन्होंने समाज में भामाशाह की भूमिका निभाते हुए, सामाजिक कार्यों के लिए समाज की अनेक संस्थाओं को, दिल खोलकर दान दिया है।

लादूराम जांगिड ने समाज सेवा में भी , सदैव ही अग्रणीय रहें हैं और उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाया है। श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की स्थापना 23 जुलाई 1978 को समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने गरीब और प्रतिभावान विद्यार्थियों के सपनों को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से, सोनीपत के समाज हितेषी और महान शिक्षाविद, विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति, सुमेर चन्द शर्मा द्वारा की गई थी और आज भी यह ट्रस्ट का समाज के आर्थिक रूप से कमजोर तथा प्रतिभावान विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करके गरीब बच्चों के लिए लिए एक अमृतबाण सिद्ध हो रही है और इसके द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति ग्रहण करके, समाज की हजारों , विभूतियां व्यापार , इंजीनियरिंग और सरकारी उच्चतम पदों पर पहुंची हैं। हिसार के एक छोटे से गांव सिसाय में पैदा हुए विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति आर. पी. पंवार, हरियाणा सरकार से वजीफा लेकर पढ़े और एक आई.पी.एस. अधिकारी बनकर, पश्चिम बंगाल सरकार से पुलिस महानिदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं।

ऐसे ही एक इंजीनियर, ओम प्रकाश राजोतिया, शर्मा, हुए हैं, जिन्होंने पहली बार रुस्तम ट्रैक्टर का , अपनी प्रतिभा और दक्षता से निर्माण करके, तहलका मचा दिया था। वह भी इसी **विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के वजीफे से पढ़कर सफलता के नए शिखर पर पहुंचें। इसके अतिरिक्त हजारों बच्चों ने इसका लाभ उठा कर, अपने जीवन सार्थक किया है और आज इसका लाभ विभिन्न क्षेत्रों में अनेक युवा उच्च पदों पर आसीन हो कर,अपनी सेवाएं दे रहे हैं।** मैं, आपको याद दिलाना चाहता हूं कि सोनीपत जिले के रहने वाले, **डॉ तुलसी राम शर्मा, जो अंग्रेज़ी के प्रख्यात विद्वान और साहित्यकार तथा लेखक थे, जिन्होंने चारों वेदों, गीता और रामायण का अंग्रेजी में अनुवाद किया था। वह भी तत्कालीन पंजाब सरकार से अपनी योग्यता के आधार पर, सरकारी वजीफा लेकर और इसके अतिरिक्त महासभा दिल्ली से, भी वजीफे के रूप में सहायता लेकर पढ़ें थे और प्रोफेसर बनने के बाद में ,उन्होंने वह सारा पैसा , महासभा को ब्याज सहित लौटा दिया और फिर उन्होंने अपने जीवन में अनेक अभावग्रस्त और गरीब बच्चों की सहायता की।**

लादूराम जांगिड, जिनको **श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के 15 वें अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है,** उनका जन्म ग्राम जंजीला, तहसील परबतसर , जिला नागौर में हुआ और उन्होंने अपनी कर्मभूमि देश की राजधानी दिल्ली

को बनाया है और उन्होंने अपनी जन्मभूमि का कर्ज उतारने के लिए अपनी जन्मभूमि पर भी, समाज हित में अनेक कार्य करवाए हैं। समाज सेवा की शुरुआत करने से पहले लादूराम जांगिड के मन में अपने व्यवसाय के साथ-साथ, समाज सेवा का जज्बा भी हिलौरें लेने लगा और **उन्होंने श्री विश्वकर्मा मंदिर संगम विहार दिल्ली के कोषाध्यक्ष पद को, निरन्तर दो बार शोभायमान करते हुए अपना कार्य ईमानदारी और सत्य निष्ठा से निभाया और इतना ही नहीं वह मंदिर में होने वाले सभी, सामाजिक कार्यों में, अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा और सहयोग भी देते रहे हैं** और उनकी इसी कर्तव्य परायणता और समाज सेवा को देखते हुए ही, संगम विहार क्षेत्र में रहने वाले जांगिड समाज ने , **सन् 2010 में उनको श्री विश्वकर्मा मंदिर संगम विहार के प्रधान पद का गुरुतर दायित्व सौंपा और इस पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए ही, उन्होंने अपना दायित्व निष्ठापूर्वक तरीके से निभाया और समाज को एकजुट करने का काम शुरू किया** और उनकी निस्वार्थ सेवा भाव को देखते हुए ही , दिल्ली प्रदेश के समाज के लोगों ने लादूराम जांगिड को वर्ष 2014-15 में दिल्ली प्रदेश का पहली बार अध्यक्ष बनाया और दोबारा भी उनको 3 साल के लिए दिल्ली प्रदेश सभा का अध्यक्ष बनाया गया और अपने पद पर रहते हुए ही, **अंगीरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर के 100 साल पूरे होने पर शताब्दी समारोह का भव्य आयोजन करके सभी का ध्यान आकर्षित किया और उनके मार्गदर्शन में, यह अनूठा कार्यक्रम बड़े ही भव्य तरीके से किया गया था और अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल का जीर्णोद्धार भी किया गया।**

श्री विश्वकर्मा मंदिर संगम विहार , बांकनेर के महासचिव गिरीराज जांगिड ने, लादूराम जांगिड के बारे में बातचीत करते हुए कहा कि, समाज के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा भावना, समर्पण और निष्ठा को देखते हुए ही ,महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, उनको सन् 2022 में पहली बार, महासभा के कार्यकारी प्रधान का दायित्व सौंपा और अब पुनः वर्तमान कार्यकाल के दौरान भी, उनको प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा, महासभा के कार्यकारी प्रधान का दायित्व सौंपा गया है। अब 9 नवंबर 2025 को समाज ने, उनको श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट का निर्विरोध रुप से अध्यक्ष नियुक्त करके, समाज सेवा करने का एक और महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है और आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि वह अपने इस पद की गरिमा को और अधिक समृद्ध और श्रमसाध्य बनाते हुए ,समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों की पहचान करके, **उनके जीवन में शिक्षा का प्रकाश फैलाने का कार्य करते हुए श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिखने का प्रयास करेंगे।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, लादूराम जांगिड को, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट का निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई देते हुए कहा कि समाज ने उनको एक सुनहरा अवसर प्रदान किया है ताकि वह देश के उज्ज्वल भविष्य ,समाज के गरीब और होनहार तथा प्रतिभावान छात्र -छात्राओं को न्याय संगत तरीके से छात्रवृत्ति उपलब्ध करवाने के साथ-साथ ही, उनकी यथासंभव वित्तीय सहायता करवाने का प्रयास भी भरसक करेंगे। मैं उनके स्वर्णिम कार्यकाल की बधाई देता हूँ।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा, महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा, महासभा के सलाहकार श्री गोपाल चोयल, श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान गंगादीन जांगिड ने, लादूराम जांगिड को विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट का सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनने पर अपने हृदय के अन्तःकरण से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमेंआशा है कि वह श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा, जोकि इस ट्रस्ट की 12वीं अध्यक्ष बनी थी, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट में, अपने कार्यकाल के दौरान सबसे अधिक 726 सदस्य इस परिवार में जोड़े थे और ने ऊर्जावान अध्यक्ष, लादूराम जांगिड इस रिकॉर्ड तोड़ते हुए इस ट्रस्ट को नई बुलंदियों पर पहुंचाने का स्तुत्य कार्य करेंगे, ताकि समाज के अधिक से अधिक गरीब और प्रतिभावान बच्चों के भविष्य को सुखद और उज्ज्वल बनाया जा सके। विपुल धन्यवाद।

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति देकर सम्मानित किया गया।

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट का जो पौधा आज से लगभग 47 वर्ष पहले महान शिक्षाविद और समाज सेवी सोनीपत के सुमेर चंद शर्मा ने लगाया था, वह पौधा आज एक वट वृक्ष का रूप धारण कर चुका है और इस वट वृक्ष की छाया में समाज के अनेक गरीब और प्रतिभावान छात्र छात्रवृति ग्रहण करके अपने जीवन को सार्थक बनाने में सफल रहे हैं। इस ट्रस्ट द्वारा 9 नवंबर को ग्राम कैमरी जिला राजस्थान के पवित्र जगदीश धाम एक भव्य समारोह के रूप में, आयोजित किया गया और इस अवसर पर समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने उपस्थित होकर होकर देश के इन भावी कर्णधारों छात्र छात्राओं को अपना शुभाशीष और आशीर्वाद दिया और उन सभी के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना भी की।

यह उदगार विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष, जीवटता की अद्भुत मिसाल और सरल व्यक्तित्व के धनी, सुरेश शर्मा टाइगर ,ने अपने पैतृक गांव में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। समारोह की शुरुआत भगवान विश्वकर्मा की आरती और पूजन करके की गई और राष्ट्रीय गान गाया गया। उन्होंने कहा कि आज इस समारोह में 158 बच्चों को अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश शर्मा टाईगर द्वारा प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति देकर सम्मानित किया गया है ताकि इस छात्रवृत्ति का लाभ उठाकर यह बच्चे अपना भविष्य सुखद बना सकें।

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश शर्मा टाईगर ने कहा कि विश्वकर्मा एजूकेशन ट्रस्ट समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों के लिए एक रामबाण सिद्ध हुई है और मुझे खुशी है कि मुझे इस ट्रस्ट के माध्यम से समाज सेवा करने का अवसर मिला और मैं समझता हूँ जीवन में शिक्षा ही एक ऐसा अचूक मूलमंत्र जो एक समाज के साथ साथ देश के विकास में भी अमूल्य योगदान दे रही है और मैं उन सभी विशिष्ट अतिथियों और मेरे सभी भाईयों मुकेश जांगिड, सीता राम जांगिड, महेश जांगिड और विनोद जांगिड तथा परिवार के सदस्यों कपिल जांगिड, संदीप जांगिड, दीपक जांगिड, पंकज जांगिड और वरुण जांगिड का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मुझे समाज सेवा करने के लिए अभिप्रेरित किया और मेरा उत्साह बढ़ाया और इसके साथ ही इस समारोह में उपस्थित सभी महानुभावों का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

उल्लेखनीय है कि विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए छात्रवृत्ति देकर अभिप्रेरित करती है और इस समारोह के आयोजन का सारा खर्च, विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश शर्मा टाइगर द्वारा और उसके परिवार द्वारा ही वहन किया गया है और यह यादगार समारोह सभी के हृदय पर एक अमिट छाप छोड़ने में सफल रहा है। इससे पहले 13 अक्टूबर 2022 को भी जयपुर में विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की तत्कालीन अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा द्वारा छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन करके उस समारोह का सारा खर्च वहन किया गया था।

स्थानीय विधायक घनश्याम मेयर ने जांगिड समाज की उपलब्धियों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के समारोह के माध्यम से समाज में जो क्रांति की लौ, प्रज्ज्वलित की गई है और यह एक सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि जांगिड समाज में तो जन्म से ही इंजीनियर पैदा होते हैं और भारतवर्ष के विकास में इस समाज का अमूल्य और विशेष योगदान रहा है।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार ने अपने उद्बोधन में, विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के द्वारा किए जा रहे कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि कहा कि, इस ट्रस्ट के माध्यम से समाज के गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर छात्र छात्राओं के जीवन में इस ट्रस्ट द्वारा दी जा रही छात्रवृत्ति के माध्यम से बच्चों के जीवन में जो क्रांति आई है, इसके लिए इस ट्रस्ट के कर्णधारों की सोच को सलाम है और उनका जितना भी आभार व्यक्त किया जाए वह कम है। उन्होंने कहा कि विगत 47 वर्षों से यह विश्वकर्मा

एजुकेशन ट्रस्ट समाज के उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत है और आज समाज को शिक्षा के महत्व का पता चल रहा है कि चल रहा है और हमारे समाज के बच्चों को अपना भविष्य दिखाई दे रहा है। यह शिक्षा का ही प्रताप है कि विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के माध्यम से आज हजारों नवयुवक विभिन्न क्षेत्रों में देश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवा निवृत्त अधिकारी पी आर मीणा ने विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित किए गए, इस अनोखे और भव्य कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की और आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के महामंत्री सौम्यता और सादगी के प्रतीक जगदीश प्रसाद जांगिड ने ट्रस्ट की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान अध्यक्ष सुरेश शर्मा टाइगर ने 25 दिसंबर 2022 को इस ट्रस्ट का चार्ज मिला था और उस समय विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट में एक करोड़ 78 लाख रुपए की राशि फिक्स डिपॉजिट में मिली थी। वर्तमान में कार्यकाल के दौरान 24 फरवरी 2024 को विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा 213 बच्चों को 9 लाख 43 हजार की राशि छात्रवृत्ति के रूप में दिए गए लाख और 15 नवंबर 2024 में 114 बच्चों को 9 लाख 27 हजार रुपए छात्रवृत्ति के रूप में वितरित किए गए।

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष और सादगी और सरलता के द्योतक समाज सेवा के जज्बे से परिपूर्ण बंकट लाल जांगिड ने कहा कि आज के इस समारोह में 158 बच्चों को 10 लाख 48 हजार रूपए की राशि वितरित की गई है और वर्तमान कार्यकारिणी के कार्यकाल के दौरान 225 सदस्यों को विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के परिवार में जोड़ा गया है और 12 लाख रुपए की एफ डी की राशि बनाकर ट्रस्ट को सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि हालांकि परिस्थितियों ऐसी रही कि वर्तमान कार्यकारिणी को बहुत कम समय मिला, लेकिन फिर भी आप सभी के सहयोग से इस महायज्ञ में सभी द्वारा मिलकर यथा संभव आहुति डालने का सार्थक प्रयास किया गया है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के 15वें नवनिर्वाचित अध्यक्ष लादूराम जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि समाज सेवा और शिक्षा दान ही सबसे बड़ा यज्ञ है और लादूराम जांगिड को विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की जो दायित्व सौंपा गया है और इस नई भूमिका के लिए अनन्त शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के परिवार के सदस्यों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और मुझे याद है कि इस ट्रस्ट की 12वीं अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा ने अपने कार्यकाल में 726 सदस्यों को जोड़कर एक नया इतिहास रचा था और उस समय इस ट्रस्ट के महासचिव, जो वर्तमान में महासभा के कोषाध्यक्ष हैं, अनिल शर्मा थे। जिन्होंने मिलकर, इस ट्रस्ट रुपी परिवार के सदस्यों की संख्या बढ़कर 5000 से अधिक ले जाने का काम किया था और यह सब समाज के लोगों के सहयोग और समर्थन से ही संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि लादूराम जांगिड भी इस महायज्ञ को आगे बढ़ाते हुए समाज के विद्यार्थियों के सपनों को पंख लगाने का कार्य करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेंगें।

रामपाल शर्मा ने कहा कि आज सम्मानित होने वाले बच्चों को भी मैं, अपनी तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देता हूँ और उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना भी करता हूँ और इसके साथ ही सुरेश शर्मा टाइगर को भी बधाई देता हूँ कि जिन्होंने, विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में, निस्वार्थ भाव से सेवा का कार्य करते हुए, इस कारवे को आगे बढ़ाने का कार्य किया है और प्रतिभावान विद्यार्थियों की सहायता करके, उनके लिए जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया है और मेरी मनस्कामना है कि समाज के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा की भावना सदैव ही इसी प्रकार से बनी रहे।

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के एजैण्डे के अन्तिम बिन्दु के अनुसार विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाना था और और इस चुनाव के बारे में बताया गया कि आज तक इस ट्रस्ट की यह परंपरा रही है कि कोई भी कोई भी अध्यक्ष मतदान से नहीं चुना गया है और सभी ने ,अपने विवेक, ज्ञान और बुद्धिमता का परिचय देते हुए निर्विरोध रुप से ट्रस्ट का अध्यक्ष चुनने की

परम्परा रही है और ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष उद्योगपति और भामाशाह पूर्ण चंद शर्मा को अध्यक्ष का चुनाव करने का दायित्व सौंपा गया और सुझाव दिया गया कि वह नए अध्यक्ष के नाम की विधिवत रूप से घोषणा करें।

पूरनचंद शर्मा ने विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के इतिहास के बारे में सम्यक और उचित जानकारी देते हुए कहा कि विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की अब तक यह परंपरा रही है, जहां आज तक कभी भी चुनाव नहीं हुआ है, बल्कि आपसी सोच और गहन चिंतन और मनन के बाद ही, समाज के किसी योग्य व्यक्ति का चुनाव अध्यक्ष के रूप में करने की परम्परा रही है। अपने उद्बोधन के बाद उन्होंने महासभा के कार्यकारी प्रधान लादुराम जांगिड का नाम विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के 15वें अध्यक्ष के लिए प्रस्तावित किया और इसके बाद सदन में तालिया की गड़गड़ाहट के बीच, भगवान विश्वकर्मा के गगनभेदी नारों के बीच सभी ने ताली बजाकर इस प्रस्ताव का अनुमोदन और स्वागत किया तथा फूल मालाओं से विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लादूराम जांगिड का भावभीना स्वागत किया गया और सभी के द्वारा उनके यशस्वी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गई।

सभी प्रतिष्ठित महानुभावों और मंचासीन सम्मानित अतिथियों का माला, साफा पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर, ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश शर्मा टाइगर और उसके परिवार के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया। इस समारोह में शामिल सभी अतिथियों द्वारा भी कांति प्रसाद टाइगर के परिवार का मान सम्मान करने के साथ-साथ मंच पर उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया और समारोह में उपस्थित लोगों की **अतिथि देव भव** की परंपरा का निर्वहन करते हुए, इस कार्यक्रम को यादगार बनाया गया। इस कार्यक्रम की कवरेज **विश्वकर्मा टूडे पत्रिका और विश्वकर्मा यूट्यूब चैनल के संचालक और सम्पादक** नरेश शर्मा और दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरि राम जांगिड द्वारा की गई।

मंच का बेहतरीन ढंग से संचालन, के.डी. शर्मा, वेद प्रकाश शर्मा एवं सुरेंद्र वत्स द्वारा किया गया और इन्होंने मिलकर इस कार्यक्रम की क्रमबद्धता को बनाए रखते हुए उपस्थित महानुभावों को मंत्र मुग्ध कर दिया और शांति पाठ के द्वारा इस कार्यक्रम का समापन किया गया।

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा, कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, दिल्ली प्रदेश के प्रभारी मदन लाल शर्मा, महासभा के कोषाध्यक्ष अनिल शर्मा, पहाड़गंज श्री विश्वकर्मा मंदिर के प्रधान गंगा दीन जांगिड, महामंत्री देशराज जांगिड और कोषाध्यक्ष रामकिशन जांगिड, विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के महामंत्री जगदीश प्रसाद जांगिड, कोषाध्यक्ष बंकट लाल शर्मा, विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट एवं दिल्ली प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष पूरन चंद शर्मा और कैलाश शर्मा, महासभा के पूर्व मुख्य चुनाव अधिकारी देवमणि शर्मा, चैरिटेबल शिक्षा कोष के अध्यक्ष कृष्ण आसौदा , महासभा के मिशन डेढ़ लाख के प्रभारी रामजी लाल जांगिड, महासभा के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गोपेश जांगिड और पूर्व अध्यक्ष राहुल जांगिड, जांगिड विकास समिति दादी का फाटक के अध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा, विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा, दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरि राम जांगिड, राजस्थान प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष गजानन जांगिड, राजस्थान के चुनाव अधिकारी बसंत गेपाल , प्रवीण कुमार जांगिड, सुरेश शर्मा टाइगर के भाई मुकेश जांगिड, सीता राम जांगिड, महेश जांगिड और विनोद जांगिड तथा सुपुत्र कपिल शर्मा और भतीजे, संदीप शर्मा, सौरभ शर्मा,दीपक शर्मा, पंकज शर्मा और वरुण शर्मा सहित भारी संख्या में मातृशक्ति भी उपस्थित थीं। विपुल धन्यवाद।

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के महामंत्री, जगदीश प्रसाद जांगिड

'जांगिड समाज के महान प्रेरक , डॉ इन्द्रमणी शर्मा की 5 नवम्बर को उनकी 179 वीं जयंती पर शत शत नमन'।

लेखक कैलाश कुमार शर्मा ।

इस जीवन में कुछ विभूतियां ऐसी होती हैं, जो अपने लिए नहीं जीती हैं, अपितु जो समाज और देश के लिए ही जीती हैं और जांगिड समाज के एक ऐसे ही देदीप्यमान सितारे और प्रथम प्रणेता जागृति आन्दोलन के मूल सूत्रधार और समाज की अनमोल धरोहर तथा महासभा की नींव रखने वालों में किसी का नाम आज 118 साल बाद भी बड़ी श्रद्धा से लिया जाता है, तो वह नाम है डॉ इंद्रमणी शर्मा, का जिनकी युगान्तकारी सोच ने, उनको जांगिड समाज का एक महानायक बना दिया और उनका नाम जुबान पर आते ही सिर श्रद्धा से झुक जाता है। समाज के ऐसे देदीप्यमान सितारे , सरल स्वभाव के धनी विनम्रता और सहृदयता की प्रतिमूर्ति डॉ इन्द्रमणी शर्मा का जन्म 5 नवम्बर 1846 को उत्तर प्रदेश के बरेली नगर में पंडित जोगीराम शर्मा के घर हुआ।

डॉ. इन्द्रमणि जी शर्मा, लखनऊ

असीम प्रतिभा के धनी डॉ इन्द्रमणी शर्मा ने हाईस्कूल शिक्षा के बाद आगरा के विख्यात 'थॉमसन मैडिकल स्कूल' जैसे प्रसिद्ध चिकित्सा शिक्षण संस्थान में प्रवेश लिया, जिसमें कभी विश्वविख्यात शल्यचिकित्सक 'जॉन मुर्रे' प्रथम प्रिंसिपल थे। **'प्रारम्भ में ब्रिटिश आर्मी के लिए चिकित्सकों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने वाला यह संस्थान, कालांतर में 'सरोजनी नायडु मैडिकल कॉलेज, आगरा' के नाम से विख्यात हुआ'।** होनहार छात्र इन्द्रमणी ने एक प्रशिक्षित चिकित्सक बनकर , सरकारी सेवा में नौकरी में ज्वाइन कर ली और 'डॉक्टर साहब' जैसा लोकप्रिय उपनाम इनकी एक विशिष्ट पहचान बन गया। उन्होने लखनऊ में अपना स्थाई आवास बना लिया।

डॉ इन्द्रमणी की सहृदयता और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण होने के कारण ही वह दीन दुखी, असहाय पीड़ितों के इलाज के लिए अपने वेतन से आवश्यक दवाऐं खरीदकर मरीजों को देते थे और उनके स्वभाव में यश, प्रशंसा, लोभ, लालच, क्रोध, ईर्ष्या जैसी मानवीय वृतियों का कोई स्थान नहीं था, डॉ. साहब ,कोमल मानवीय संवेदनाओं की एक ऐसी गागर के समान थे, जो मानवीय मर्यादाओं और संस्कारों के विपरीत कुछ घटित होता देखकर , उनका अन्तःकरण द्रवित हो उठता था और अंतर्वेदना से इनकी आँखें छलक उठती थी। डॉ.साहब जांगिड समाज के प्रथम व्यक्ति थे, जो स्वामी दयानन्द सरस्वती के संपर्क में आए और उनके महान व्यक्तित्व से प्रभावित होकर वह उनके एक अनुशासित अनुयायी बन गये।

'पारिवारिक पृष्ठभूमि' - डॉ. साहब के परिवार में पत्नी, पुत्र जितेंद्र मणी, महेंद्र मणी और नरेंद्र मणी तथा पुत्री गार्गी व शन्नो देवी को उच्च शिक्षा दिलाई। वह 6 अक्टूबर 1906 को सरकारी सेवा से निवृत होने के बाद डॉ. साहब को कई विकट पारिवारिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। सेवानिवृत के बाद नवंबर में ही इनकी पुत्री गार्गी की अकाल मृत्यु हो गई और तीन साल बाद उनकी पत्नी भी नवम्बर 1909 में जीवन की जंग हार गई। लेकिन डॉ साहब की हिम्मत और हौसले को सलाम है, जिन्होंने भगवान पर भरोसा रखते हुए इन झंझावातों का डट कर सामना किया और समाज सेवा में अपना जीवन समर्पित कर दिया।

'डॉ. साहब का स्वजाति प्रेम'- डॉ. साहब सभी से समान रूप से स्नेहवत् व्यवहार किया करते, **'लेकिन उस दौर में कुलीन ब्राह्मणों के एक वर्ग द्वारा जांगिड ब्राह्मण समाज को हीन दृष्टि से देखा जाता था। जिससे कई दूसरी सवर्ण जातियां भी इस समाज से जातिगत भेदभाव रखने लगी थी'**। शिक्षा की दृष्टि से डॉ. साहब, मानवोत्पत्ति के आनुवंशिक विज्ञान की गहरी समझ रखने वाले विद्वान व्यक्ति थे। इन्हें अपनी जाति की विलक्षण प्रतिभा, कला कौशल और तकनीक विद्या में निपुणता पर बड़ा गर्व था। इसलिए **'डॉ. साहब ने ऐसे वर्ग के द्वेषपूर्ण आक्षेपों और निराधार प्रचार का**

खंडन करने का बीड़ा उठा लिया और इस प्रकार के लोगों को माकूल जवाब देने के लिए शास्त्रार्थ कार्यक्रमों का आयोजन करना प्रारम्भ कर दिया। डॉ. साहब की अध्यक्षता में गठित एक 'शास्त्रार्थ प्रबंधन समिति' इस दायित्व का निर्वाह करने लगी, जिसे आशातीत सफलता मिलने लगी'।

डॉ. साहब के हृदय में, एक गहरी कसक थी कि , यह मेहनतकश व हुनरमन्द जांगिड जाति, दूसरी जातियों की तुलना में क्यों सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछड़ रही है? **'यहीं से डॉ. साहब के हृदय में स्वजाति उत्थान के संकल्प का बीजारोपण हो गया और इन्होंने स्वजाति उत्थान को अपना जीवन लक्ष्य बना लिया'।** धीरे- धीरे सामाजिक सरोकारों और समाज में परिव्याप्त कुरीतियों पर डॉ. साहब के ओजस्वी एवं विकासवादी विचारों को लोग मन्त्रमुग्ध होकर सुना करते थे और समाज में क्रांति का सूत्रपात होने लगा।

'डॉ. साहब के स्वजाति सेवा प्रकल्प उन दिनों जांगिड ब्राह्मण समाज का न ही कोई विधिवत् संगठन और न ही कोई साहित्य उपलब्ध था। डॉ. साहब भलीभांति जानते थे कि संगठन और साहित्य के बगैर स्वजाति उत्थान के लक्ष्य को पाना बहुत कठिन होगा'। समाज उत्थान की इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए ही उन्होंने 1890 में डॉ. स्वजाति पर एक तथ्यपरक **'पुस्तक लेखन के लिए पंडित पालाराम से विचार विमर्श किया और इसके फलस्वरूप ही सन् 1896 में, 'ख्याति उपदेश' शीर्षक से पं.पालाराम की प्रथम पुस्तक प्रकाशित हुई'।** सन् 1902 में, पं. बुद्धसिंह शर्मा के सहयोग से, पं.पालाराम की दूसरी पुस्तक 'जांगिड़ोत्पत्ति' प्रकाशित हुई। **'इन पुस्तकों के कुछ अंशो पर उस समय कुछ विवाद भी उत्पन्न हुआ। परन्तु साहित्यिक आधार पर यह पुस्तकें जांगिड ब्राह्मण समाज के गौरवमयी अतीत के महत्वपूर्ण विमर्श का माध्यम बन गई'।**

डॉ. साहब द्वारा जलाई गई सामाजिक जागृति की **इस मशाल के आलोक में 30 दिसम्बर 1905 को मथुरा में कई अग्रणी समाजबंधुओं ने एकत्र होकर समाजोत्थान के अभियान को और तेज गति प्रदान करने का संकल्प लिया, जिनमें बाबु गोरधनदास मथुरा वाले, पं.पालाराम रायपुर वाले और बाबू डालचन्द जहांगीराबाद वाले प्रमुख थे'।**

इस मशाल से ही 26, 27 व 28 दिसम्बर 1907 को अजमेर में केसरगंज स्थित पं. धनीराम के आवास पर दूसरी सभा के रास्ते रोशन हुए। डॉ. साहब ने 28 दिसम्बर को बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें कई महत्वपूर्ण कार्य योजनाओं पर आगे बढ़ने के कई निर्णय लिए गए। **'जांगिड ब्राह्मण पत्र के प्रकाशन, शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए पाठशालाएं खोलने आदि अनेक महत्वकांक्षी कार्य योजनाओं के सूत्रधार डॉ. साहब ही थे'।**

डॉ. साहब के प्रयासों के परिणामस्वरूप ही **'सन् 1909 में जांगिड ब्राह्मणों का विशाल जनसमूह पटिकरा में एकत्र हुआ था। उद्वारचित् समाजसेवी ठेकेदार पं.धनीराम ने अपने गांव में इस आयोजन की मेजबानी की थी'।** इन्होंने ही सर्वप्रथम पं. पालाराम, बाबु गोरधनदास, बाबु डालचन्द, पं.जयकृष्ण मणीठिया और पं.दीनदयाल शर्मा **जैसे सत्यनिष्ठ समाजबंधुओं के हृदय में स्वजाति उत्थान के संकल्प रूपी बीज को, खाद और पानी दिया और जिससे इनके निस्वार्थ सेवाभाव से प्रेरित होकर समाज के लोग आत्मीयभाव से सरोबार होकर कड़ी दर कड़ी जुड़ते चले गए और स्वजाति गौरव का ध्वज नई उँचाईयाँ छूने लगा।**

समाज का यह देदीप्यमान सितारा 19 जनवरी 1916 को चमकना बन्द हो गया और अपनी यादों को हजारों दिलों में अपना आशियाना बनाकर इस संसार को अलविदा कह गए। आज लगभग 110 वर्षों के बाद भी डॉ. इन्द्रमणी शर्मा की यादें समाज के लोगों के हृदय में सजीव और जीवन्त बनी हुई है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने डॉ इन्द्रमणी शर्मा को उनकी जयन्ती पर अपने श्रद्धासुमान अर्पित करते हुए कहा कि जांगिड समाज को जागरूक और इसके अस्तित्व और इसके गौरव की स्थापना के लिए जो संघर्ष और बलिदान किया है, उसने समाज को एक नई पहचान दिलवाई और आज यह समाज उनका हृदय से आभार व्यक्त करता और ऐसे महापुरुष को मैं महासभा रूपी परिवार की तरफ से उनकी 179 जन्म जयन्ती पर श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ।

विपुल धन्यवाद।----------

श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज की कार्यकारिणी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई

श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज नई दिल्ली में लगातार चौथी बार प्रधान बनने वाले गंगादीन जांगिड की नवगठित कार्यकारिणी और इसके साथ ही महासभा द्वारा स्थापित किए गए आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सत्यपाल वत्स की कार्यकारिणी का भी शपथग्रहण समारोह भी, एक साथ ही 22 अक्टूबर को आयोजित किया गया और भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस और अन्नकूट महोत्सव का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 10 हजार व्यक्तियों ने अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण करके भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा और उसकी टीम द्वारा 22 अक्टूबर को प्रधान गंगादीन जांगिड को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महासभा के कार्यकारी प्रधान विनम्रता और सौम्यता के द्योतक लादूराम जांगिड ने विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज की कार्यकारिणी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाने के बाद उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति गंगादीन जांगिड की कर्मठ टीम, जिस प्रकार से निष्ठापूर्वक इस मंदिर में सेवा कर रही हैं और यही उसकी लोकप्रियता का कारण है और वह लगातार चौथी बार निर्विरोध रुप से मन्दिर के प्रधान बने हैं। उन्होंने आह्वान किया कि समाज के बच्चों को बेहतर संस्कार देने के साथ ही समाज में परिव्याप्त कुरितियों को, मिलकर समाप्त करना होगा और अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर स्कूल की ऊपरी मंजिल को बना कर वहां पर बच्चों की संख्या को बढ़ाना होगा।

समारोह का श्रीगणेश, सहारनपुर के भजनोपदेशक सुखपाल विश्वकर्मा द्वारा भगवान विश्वकर्मा के सुन्दर भजनों के साथ ही दीप प्रज्वलित कर भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा-अर्चना की गई और इस अवसर पर अन्नकूट भण्डारे का आयोजन किया गया तथा विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज की स्मारिका का भी विमोचन किया गया।

भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस के अवसर पर भगवान विश्वकर्मा को नमन करते हुए महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा विश्व के महान इंजीनियर और वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने सतयुग, त्रेता और द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण और श्री राम तथा अनेक देवी-देवताओं के भव्य प्रासादों के साथ ही अनेक अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण भी किया है। मुझे खुशी है कि मैं ऐसे समाज में पैदा हुआ हूँ, जहां पैदा होने वाला प्रत्येक बच्चा जन्मजात ही इंजीनियर होता है।

पहाड़गंज मन्दिर के प्रधान गंगादीन जांगिड ने कहा कि मैं पिछले 30 सालों से समाज की सेवा में सतत प्रयत्नशील हूँ और यह समाज के लोगों का असीम प्यार और स्नेह ही है, जिन्होंने मुझे चौथी बार लगातार, विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज का प्रधान बनाकर यह सिद्ध कर कि समाज के लोग मन्दिर की उचित व्यवस्था देखना चाहते हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपने जिस प्रकार से मुझ पर विश्वास व्यक्त किया है उस विश्वास को मैं कभी भी टूटने नहीं दूंगा।

उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि आगे भी हम सभी कार्यकारिणी के सदस्य मिलकर समाज के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने हर संभव प्रयास करेंगे और इस मंदिर को और अधिक भव्य रूप प्रदान करने के लिए आपके समर्थन से ही हम निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे। भगवान विश्वकर्मा को कर्म का देवता और सृष्टि का सृजनकर्ता माना गया है और भगवान विश्वकर्मा के कर्म ही पूजा है के इस सिद्धांत को आत्मसात करते हुए इस समाज ने चरितार्थ किया है। मैं कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को पुनः बधाई देता हूं और वह सत्य निष्ठा और ईमानदारी से करते हुए इस मंदिर के प्राचीन गौरव को द्विगुणित करते हुए समाज के लोगों का आशीर्वाद हासिल करेंगे।

समारोह को संबोधित करते हुए ओ.बी.सी. मोर्चा दिल्ली के महासचिव राम खिलाड़ी यादव ने, जांगिड समाज की उन्मुक्त भाव से भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि जांगिड समाज के लोग आज भी अपने हुनर और दक्षता के माध्यम से विश्व को एक नई दिशा दे रहे हैं, क्योंकि यह जन्म से ही इंजीनियर होते हैं। यह समाज, सूई से

लेकर हवाई जहाज तक का निर्माण करता रहा है, देवताओं के हथियार, भगवान श्री कृष्ण की द्वारकापुरी, सोने की लंका, पुष्पक विमान व ब्रह्मा जी के कहने पर सृष्टि का निर्माण करने वाले भगवान विश्वकर्मा जी के वंशजों को मै अपने हृदय से नमन करता हूँ और यह अटल सत्य है कि विश्वकर्मा समाज के बगैर कोई भी देश प्रगति नहीं कर सकता है।

सुनील यादव ने विश्वास दिलाया कि भाजपा पार्टी मंदिर बनाने वाली सरकार है और इस मंदिर को किसी भी प्रकार का नुक़सान नहीं होने दिया जाएगा और अगर रेलवे कि ओर से इस मंदिर को क्षति पहुंचाने के लिए कोई कदम बढ़ाया गया तो सभी मिलकर इस तानाशाही का विरोध करेंगे। उन्होंने मंदिर कमेटी के प्रधान गंगादीन जांगिड और उसकी कार्यकारिणी की टीम की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए सुन्दर व्यवस्था करने के लिए बधाई भी दी।

महासभा के उच्च स्तरीय समिति के सदस्य पुखराज जांगिड ने अपने उद्बोधन में कहा कि गंगादीन जांगिड की टीम ने मंदिर का कायाकल्प किया है जिसमें मंदिर का गेट खुलने, वातानुकूलित कमरों का विस्तार लाईब्रेरी, एकाउंट की पार्दर्शिता शामिल है। उन्होंने गंगादीन जांगिड और उसकी टीम का, जोधपुर टीम की तरफ से आभार व्यक्त करते हुए उन सभी को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। ठेकेदार कंवर सिंह व ऋषि प्रकाश जांगिड ने भी मंदिर प्रधान गंगादीन को तलवार भेंट कर और पश्चिमी दिल्ली के जिला अध्यक्ष रामानंद शर्मा ने कविता स्वरूप सम्मान पत्र भेंट किया।

दिल्ली रामगढ़िया बोर्ड के अध्यक्ष सरदार त्रिलोचन सिंह ने कहा कि हम भगवान विश्वकर्मा के पांचों पुत्रों कि संतानें एक होकर, सभी कार्य संगठनात्मक ढांचे सहित मिलकर सरकार में अपना वर्चस्व बढ़ाएंगे, ताकि विश्वकर्मा समाज को राजनीति के क्षेत्र में भी उचित प्रतिनिधित्व मिल सके और यह समाज प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सके।

महासभा के आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सत्यपाल वत्स ने भी अपनी कार्यकारिणी को पद व गोपनीयता कि शपथ दिलवाई। उन्होंने कहा कि जीवन जीवन का कल्याण केवल आध्यात्मिकता के माध्यम से हो सकता है और जिसने जीवन में आध्यात्मिकता रुपी रस पी लिया उसके बाद उसका जीवन सार्थक हो जाता है फिर उसकी चिंता स्वयं परमात्मा करता है।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल जांगिड एवं प्रदेश कार्यकारिणी की ओर से गंगादीन जांगिड को परम सम्मान पत्र भेंट किया गया और अपने उद्बोधन में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्राचीन विश्वकर्मा मंदिर के प्रधान गंगादीन एवं पूरी टीम ईमानदारी एवं पारदर्शिता से लगातार कार्य कर रही है और यही कारण है कि समाज ने गंगादीन जांगिड को चौथी बार निर्विरोध रुप से मन्दिर का प्रधान बनाया गया है।

मंच संचालन बड़े ही मनोहारी ढ़ंग से के.डी. शर्मा ने किया और कार्यक्रम की निरंतरता को बनाए रखते हुए सभी को अभिभूत कर दिया।

इस समारोह की गरिमा में चार चांद लगाने वालों में, दिल्ली प्रदेश प्रभारी मदन लाल शर्मा, महासभा के कोषाध्यक्ष अरूण कुमार शर्मा, दिल्ली प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल और महासचिव ब्रह्मानंद शर्मा, जिला महेन्द्रगढ़ के महासचिव सीता राम जांगिड, वरिष्ठ समाजसेवी पूरन चन्द शर्मा, शिरोमणि सभा हरिद्वार के पूर्व अध्यक्ष देबूराम शर्मा, पूर्व अध्यक्ष जांगिड शिरोमणी सभा हरिद्वार, चेयरमैन जांगिड शिरोमणि सभा हरिद्वार, लीलूराम शर्मा, महासभा की उच्च स्तरीय कमेटी के सदस्य सुरेन्द्र कुमार वत्स, संपादक अ.भा.जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका, राम भगत शर्मा, महासभा के पूर्व महामंत्री चन्द्रपाल भारद्वाज, दिल्ली प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष जगदीश शर्मा, नांगलोई से राजेन्द्र जांगिड, भागीरथ जांगिड, दिल्ली प्रदेश के पूर्व महासचिव जगदीश प्रसाद जांगिड, विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश चन्द शर्मा, टाईगर, प्रवीन कुमार शर्मा, देवी सिंह ठेकेदार, श्रीचंद शर्मा, हंसराज जांगिड और कैलाश आया नगर शामिल हैं।

मन्दिर कमेटी के महासचिव, देशराज जांगिड

12 अक्टूबर को विश्वकर्मा समाज के 10वीं 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को राज्य सभा सांसद द्वारा सम्मानित किया गया

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा,प्रादेशिक सभा हरियाणा के द्वारा समाज के सहयोग से धारूहेड़ा में 12 अक्टूबर 2025 को हरियाणा प्रदेश जांगिड समाज के मेधावी व प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया और इसमें सत्र 2024-25 में सरकारी कॉलेज में एम.बी.बी.एस, आई.आई.टी. में एडमिशन और जिन विद्यार्थियों ने 10वीं और 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत या इससे अधिक अंक अर्जित करने वाले 129 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। भगवान श्री विश्वकर्मा जी की आरती पूजन के साथ समारोह का श्रीगणेश किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड ने बताया कि इसके अतिरिक्त खेल जगत में राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेताओं सहित कुल 135 प्रतिभाशालियों का सम्मान किया गया। इस समारोह की गरिमा को मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने द्विगुणित किया और अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि 17 सितंबर 2025 को रोहतक में, भगवान श्री विश्वकर्मा पूजा दिवस के अवसर पर **विश्वकर्मा महाकुंभ** कार्यक्रम का आयोजन किया गया और इस समारोह में **विश्वकर्मा समाज के लोगों ने भारी संख्या पहुंचकर , जिस एकता और सहयोग का परिचय दिया और इसके साथ ही भगवान श्री विश्वकर्मा जी का आशीर्वाद ग्रहण किया, उसके लिए मैं सभी विश्वकर्मा समाज के लोगों का आभार प्रकट करता हूं।** उन्होंने बड़े गर्व के साथ कहा कि इस भव्य कार्यक्रम में, आज बेटियों की संख्या बेटों से ज्यादा है और यही कारण है कि हमारी बेटी आज हर क्षेत्र में समाज का नाम गौरवान्वित कर रही है। उन्होंने आग्रह किया कि जब तक समाज के लोग राजनीति में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा नहीं लेंगे तब तक समाज के विकास की परिकल्पना अधूरी ही रहेगी और समाज की प्रगति का रास्ता राजनीति के माध्यम से ही निकलता है।

राज्य सभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा, धारूहेड़ा में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में 12 अक्टूबर को सम्मानित करते हुए

इस समारोह की अध्यक्षता करते हुए पी. के. एन. मोटर्स खुशखेडा, निदेशक के सतीश शर्मा ने कहा कि आधुनिक युग में शिक्षा और संस्कार ही ऐसे माध्यम हैं, जिनके माध्यम से समाज का विकास होने के साथ ही उच्च शिक्षा ग्रहण करके अधिकारी और डॉ तथा इंजीनियर बनकर समाज को आगे बढ़ाने का कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महासभा ने **एक शिक्षा कोष की स्थापना करके समाज के प्रतिभावान और होनहार गरीब बच्चों के लिए वह एक संजीवनी का कार्य करेगा।**

धारूहेड़ा के उद्योगपति महेंद्र सिंह जांगिड ने ज्योति प्रज्ज्वलित की और ध्वजारोहण की रस्म, भिवाड़ी के उद्योगपति निर्मल जांगिड पूरी की गई। प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड ने हृदय की गहराइयों से सभी का आभार व्यक्त किया और भावभीना स्वागत किया गया और **10वीं तथा 12वीं कक्षा में 90% अंक हासिल करने वाले सभी विद्यार्थियों को, एक सम्मान पत्र मोमेंटो और 2500 रुपए का चेक देकर सम्मानित किया गया और इसी क्रम में सरकारी मेडिकल कॉलेज में एम.एम.बी.एस. में दाखिला लेने वाली अंकिता जांगिड और गायत्री जांगिड को भी प्रदेश सभा द्वारा दोनों को 50-50 हजार रुपए का चेक, मोमेंट और चैक देकर सम्मानित किया गया और इसी प्रकार से खेलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समाज का नाम रोशन करने वाले तीन खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।** इस अवसर पर जिला अध्यक्षों और विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न और शाल देकर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम की शोभा को द्विगुणित करने वालों में विशिष्ट अतिथि बुराड़ी के रमेश शर्मा, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, महासभा के उच्च स्तरीय कमेटी के सदस्य ओमप्रकाश जांगिड, हरियाणा प्रदेश प्रभारी अजय कांत जांगिड, सह स्वागत अध्यक्ष करुनेस वाटिका के मालिक समाज के जियाराम शर्मा। रेवाड़ी जिला प्रधान कैलाश चंद जांगिड, धीरज शर्मा शामिल है। इस कार्यक्रम के पश्चात् हरियाणा प्रदेश सभा की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी जिला अध्यक्षों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए और प्रदेश सभा द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे इस प्रकार के कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड और जिला अध्यक्ष जिला रेवाड़ी कैलाश चंद्र जांगिड ने भी इस बैठक को सम्बोधित करते हुए शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया।

महासभा के मीडिया प्रभारी, धीरज शर्मा रेवाड़ी

आध्यात्मिक प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी के सदस्यों को शपथ दिलवाई गई

महासभा के प्रधान रामपाल द्वारा **समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए महासभा द्वारा एक आध्यात्मिक प्रकोष्ठ का गठन किया गया है और इसका अध्यक्ष वेदों के मर्मज्ञ और विद्वान सत्यपाल वत्स को बनाया गया है** और आध्यात्मिक प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह 2 2 अक्टूबर को प्राचीन विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज नई दिल्ली में आयोजित किया गया और अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के आध्यात्मिक प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी को आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सतपाल वत्स ने शपथ दिलाई। शपथ का आयोजन विश्वकर्मा पूजा दिवस और अन्नकूट महोत्सव के पावन अवसर पर किया गया। भगवान विश्वकर्मा की पूजा सृष्टि के रचयिता और देवताओं के शिल्पकार के रूप में की जाती है।

आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के सदस्यों को अध्यक्ष सत्यपाल वत्स 22 अक्टूबर को शपथ दिलवाते हुए।

अध्यक्ष सत्यपाल वत्स ने कार्यकारिणी के सदस्यों को शपथ दिलाने के उपरांत उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आध्यात्मिक प्रकोष्ठ, विश्वकर्मा मंदिर के प्रधान गंगादीन जांगिड का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने आध्यात्मिक प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने के लिए एक प्लेटफॉर्म दिया । प्राचीन विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज नई दिल्ली का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और प्राचीन धार्मिक स्थल है, जहां दूर-दूर से ही नहीं अपितु अंतर्राज्यीय श्रद्धालु भी आते हैं और भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं। इस मंदिर का इतिहास पांडवों के समय से जुड़ा हुआ है, और यह अपनी अद्वितीय वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए विख्यात है प्रसिद्ध है। सत्यपाल वत्स ने अध्यात्म का मार्ग का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका वास्तविक उद्देश्य **जीवन के उद्देश्य को पूर्ण और सार्थक बनाना है तो अध्यात्म को समझते हुए इसके वास्तविक मार्ग को अपनाना होगा तभी हम जीवन के रस का स्वाद चख पायेंगे । आइये इसके फायदे समझने का प्रयास करते है। आध्यात्मिकता मनुष्य को पतन की ओर बढ़ने से रोकती है और हमें ईश्वर के आयाम और सृष्टि के सृजन को समझने मे मदद करती है।** अध्यात्म का अर्थ होता है खुद को जानना और आनंद के स्त्रोतों को समझना, अध्यात्म का वास्तविक मूल मंत्र है प्रेम, जो दूसरों के साथ आत्मीयता, उदारता, सेवा सही सहिष्णुता और मधुरता का व्यवहार करने की प्रेरणा देता है। अध्यात्म का आधार संयम है जो की मनुष्य को शारीरिक और मानसिक बीमारियों से बचाता है। आध्यत्मिक ज्ञान मनुष्य को भौतिकता के अंधकार से दूर ले जाता है। नियमित रूप से प्रार्थना और ध्यान से मन शांत और एकाग्र रहता है। और आत्मा से परमात्मा का साक्षात्कार कराता है।

आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सतपाल वत्स ने इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किए जाने पर महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि यह आध्यात्मिक प्रकोष्ठ समाज के लोगों में आध्यात्मिकता की अलख जगाने के लिए और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करते हुए समाज में आध्यात्मिक क्रांति का शंखनाद करेगा। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने आध्यात्मिकता का रसपान कर लिया उसके जीवन में आत्मिक शक्ति और ऊर्जा का विकास होता है।

अध्यक्ष आध्यात्मिक प्रकोष्ठ

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2799/2025 दिनांक 25/10/2025

*** कोर कमेटी मीटिंग के मिनट्स ***

आज दिनांक **24/10/2025** को सायं **7 बजे** श्री रामपाल जी शर्मा, प्रधान महासभा की अध्यक्षता में **महासभा कोर कमेटी** की एक अत्यंत आवश्यक **ऑन लाइन ऑडियो मीटिंग आयोजित** की गई थी। जिसमें सभी सदस्यों से मोबाइल कांफ्रेंस काल के जरिये राजस्थान प्रदेश की विभिन्न ईकाइयों द्वारा ब्लाक सभा, तहसील सभा एवं शाखा सभा स्तर तक के चुनावों में भाग लेने के लिए बनाये गये **साधारण सदस्यों को** महासभा संविधान के अनुसार **तहसील एवं शाखा सभा के चुनावों में मतदान करने की अनुमति** देने के लिए **प्रदेश सभा राजस्थान के लिखित निवेदन** पर चर्चा करके निर्णय किया जाना प्रस्तावित था। मीटिंग के एजेंडे पर मोबाइल कांफ्रेंस काल के जरिये कोर कमेटी सदस्यों से विचार एवं सुझाव आमंत्रित किये गये :-

1. श्री मोहन लाल दायमा, नासिक 4. श्री पी. डी. शर्मा, देवास 5. श्री विद्यासागर, गुडगाँव 6. श्री सांवर मल जांगिड, गोवा
2. श्री बजरंग लाल जांगिड, दुर्ग 7. श्री पूना राम बरनेला, जोधपुर 8. श्री ओम प्रकाश शर्मा, साद नगर, दिल्ली
3. श्री बाबूलाल शर्मा, गाँधी नगर 9. श्री सुरेन्द्र वत्स, दिल्ली 10. श्री गंगा दीन जांगिड, दिल्ली 11. श्री प्रदीप शर्मा, इंदौर

महासभा महामंत्री ने कोर कमेटी के सभी सदस्यों को मोबाइल कांफ्रेंस काल के जरिये बताया की **प्रदेश सभा राजस्थान ने जयपुर जिले की तहसील सभाओं के आगामी चुनाव में** महासभा संविधान के अनुसार साधारण सदस्यों को **तहसील एवं शाखा सभा के चुनावों में मतदान करने की अनुमति** देने हेतु लिखित निवेदन किया है साथ ही उन्होंने यह भी बताया की महासभा संविधान के अनुसार चुनावों में मतदान की एकरूपता अथवा समानता लाने एवं भविष्य में कोई असंविधानिक स्थिति से बचने के लिए **साधारण सदस्यों** को समय समय पर महासभा कार्यकारिणी मीटिंगों में निर्णय लेकर **शेष सदस्यता राशी जमा करवाकर WP – बिना पत्रिका के संरक्षक सदस्य** बनने के प्रयाप्त अवसर प्रदान करने के बाद भी अधिकांश साधारण सदस्य अभी तक भी सदस्यता की उच्च श्रेणी में परिवर्तित नही हुए है।

साधारण सदस्यों को उपरोक्त वर्तमान स्थिति एवं प्रदेश सभ के निवेदन को ध्यान में रखते हुए तथा **महासभा कोर कमेटी के सभी सदस्यों ने** मोबाइल कांफ्रेंस काल के जरिये आयोजित मीटिंग **दिनांक 24/10/2025** को एक मत होकर एक ही सुझाव दिया की राजस्थान के **साधारण सदस्यों को अंतिम अवसर प्रदान करते हुए तहसील सभा / ब्लाक सभा एवं शाखा सभा स्तर के चुनावों में मतदान करने की अनुमति प्रदान की जा सकती है साथ ही राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष को यह भी** निर्देशित किया जाये की राजस्थान प्रदेश में **समस्त साधारण सदस्यों को** महासभा में (WP - बिना पत्रिका के) संरक्षक सदस्य बनने की शेष सदस्यता राशी अविलम्ब जमा करवाने के लिए अपनी अधीनस्थ सभाओं के माध्यम से प्रेरित करें साथ ही **साधारण सदस्यों की जिला सभा एवं प्रदेश सभा से प्रमाणित सूचि** भी महासभा को प्रेषित करें ताकि महासभा में उन सभी का यथोचित रिकार्ड तैयार करने के साथ ही उनको महासभा की समग्र मतदाता सूचि में शामिल किया जा सके।

अंत में महासभा प्रधान ने कोर कमेटी के सभी सदस्यों द्वारा मीटिंग के एक मात्र एजेंडे पर समाज हित में स्पष्ट एवं सारगर्भित सुझाव देने के लिए धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करने के साथ ही कोर कमेटी द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव को आगामी त्रैमासिक मीटिंग में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया।

प्रतिलिपि:- सम्माननीय समस्त कोर कमेटी सदस्यों को सूचनार्थ

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री – महासभा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919
रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

अंगिराऽसि जांगिड

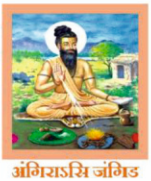

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार (अनिल जांगिड)	प्रवीण कुमार शर्मा
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	मुख्य चुनाव अधिकारी
9844026161	9414003411	9810988553	9300905141

क्र./अ.भा.जा. ब्रा.महासभा दिल्ली / प्र.अ.चु./ अधिसूचना// -2800/2025 दिनांक:-01 नवंबर 2025

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली
अंतर्गत प्रदेश सभा हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव की
"अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम''

****

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली की इंदौर (मध्य प्रदेश) में दिनांक 22 जून 2025 को आयोजित त्रैमासिक मीटिंग मे प्रदेश सभाओ के **प्रदेशाध्यक्ष** पद के चुनाव हेतु प्रस्ताव पारित कर निर्धारित दिनांक पर चुनाव कराने का निर्णय लिया गया। महासभा कार्यकारिणी के निर्णय एवं महासभा प्रधान श्री रामपाल जी शर्मा के निर्देशानुसार हरियाणा प्रदेश सभा के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव कराने हेतु **चुनाव अधिसूचना** जारी की जाती है।

चुनाव अधिसूचना के परिपेक्ष्य में हरियाणा प्रदेश सभा के प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु **चुनाव कार्यक्रम** निम्नानुसार जारी किया जाता है।

-:चुनाव कार्यक्रम:-

****

सदस्यता की अंतिम दिनांक:--	**01 दिसंबर 2025 सोमवार**
सदस्यता सूची प्रकाशन की दिनांक:--	11 दिसंबर 2025 गुरुवार
सदस्यता सूची में संशोधन की दिनांक :--	26 दिसंबर 2025 शुक्रवार
संशोधित सूची का प्रकाशन:--	31 दिसंबर 2025 बुधवार
नामांकन प्रक्रिया :-	**03 जनवरी 2026 शनिवार को नामांकन**
	04 जनवरी 2026 रविवार को नाम वापसी
चुनाव दिनांक :-	**01 फ़रवरी 2026 रविवार**

प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव में महासभा के पत्रिका रहित ₹500/- वाले सरक्षक सदस्य भी चुनाव लड़ सकेंगे। इसके अतिरिक्त "चुनाव निर्देशिका 2024" में दिये गए नियम, सूचनाएं एवं दिशा-निर्देश लागु होंगे और गुप्त मतदान प्रक्रिया द्वारा पारदर्शिता तथा निष्पक्षता से चुनाव संपन्न होंगे।।

प्रवीण कुमार शर्मा
मुख्य चुनाव अधिकारी

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919
रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

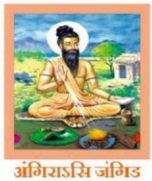

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार (अनिल जांगिड)	प्रवीण कुमार शर्मा
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	मुख्य चुनाव अधिकारी
9844026161	9414003411	9810988553	9300905141

महासभा अंतर्गत हरियाणा प्रदेश सभा के *प्रदेशाध्यक्ष* पद चुनाव 2026 हेतु

-:: नामांकन- कार्यक्रम::-

==========

(1) नामांकन स्थल:-

हरियाणा प्रदेश सभा के'' प्रदेशाध्यक्ष पद'' चुनाव हेतु नामांकन स्थल "महासभा कार्यालय,रानीखेड़ा रोड, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास, मुंडका, नई दिल्ली मे रहेगा।"

(2) नामांकन की समय सीमा:-

नामांकन की समय सीमा चुनाव दिनांक से 1 माह पूर्व रहेगी। परिस्थिति अनुसार इस समय सीमा में कमी या वृद्धि की जा सकेगी। जिस पर किसी को आपत्ति का अधिकार नहीं रहेगा।

(3) नामांकन अवधि एवं समय:-

1.अवधि -

प्रदेश सभा के प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन प्रक्रिया दो दिवसीय शनिवार एवं रविवार को होगी । प्रथम दिवस नामांकन पत्र भरे जाएंगे तथा द्वितीय दिवस नाम वापसी पश्चात प्रत्याशी घोषित होंगे।

2. दिनांक एवं समय -

प्रदेश सभा हरियाणा। के '' **प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव**'' हेतु नामांकन दिनांक एवं समय निम्नानुसार रहेगा::--

नामांकन प्रस्तुति:-	**03 जनवरी 2026 शनिवार, प्रात: 10 बजे से सांय 4 बजे तक**
नामांकन पत्रों की जांच दिनांक-	**03 जनवरी 2026 शनिवार, सायं 4 बजे से सांय 5.30 बजे तक**
प्रत्याशी सूची का प्रकाशन दिनांक-	**03 जनवरी 2026 शनिवार, सायं 6 बजे तक**
नाम वापसी दिनांक-	**04 जनवरी 2026 रविवार, प्रात: 9 बजे से दोप. 3 बजे तक**
प्रत्याशियों की घोषणा दिनांक-	**04 जनवरी 2026 रविवार, सायं 4 बजे**
चुनाव चिन्ह आवंटन दिनांक -	**04 जनवरी 2026 रविवार, सायं 5 बजे**

(4) नामांकन आवेदन पत्र का शुल्क :-

नामांकन आवेदन पत्र का शुल्क हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु ₹500/-रूपये रहेगा जो नकद या डिमांड ड्राफ्ट से जमा कराया जा सकता है।

(5) नामांकन हेतु चुनाव व्यवस्था शुल्क:-

हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को नामांकन आवेदन पत्र के साथ चुनाव व्यवस्था शुल्क 21000/- रूपये (इक्कीस हज़ार रुपए) अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के नाम से डिमांड ड्राफ्ट द्वारा जमा करना आवश्यक होगा। बिना इस शुल्क (राशि) के नामांकन आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जावेगा। चुनाव व्यवस्था शुल्क केवल डिमांड ड्राफ्ट द्वारा ही स्वीकार होगा। यह किसी भी दशा में नगद, चेक, आरटीजीएस, पेटीएम, फोनपे, गुगल पे एवं अन्य किसी भी इलेक्ट्रानिक माध्यम, आनलाईन या मोबाइल आदि से स्वीकार नहीं होगा।

(6) चुनाव व्यवस्था शुल्क वापसी योग्य नहीं:-

हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव में नामांकन आवेदन पत्र के साथ जमा किया गया चुनाव व्यवस्था शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं किया जावेगा। अतः प्रत्याशी इसका ध्यान रखते हुए ही नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करें।

(7) नामांकन आवेदन पत्र की उपलब्धता:-

हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु नामांकन आवेदन पत्र नामांकन दिनांक को निर्धारित शुल्क जमा करने पर चुनाव अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जावेगा।

(8) नामांकन दाखिल करते समय आवश्यक दस्तावेज:-

हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करते समय पूर्ण रूप से भरे हुए तथा उस पर पासपोर्ट साइज की फोटो लगाकर निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न करना अत्यंत आवश्यक है-

***नोड्यूज प्रमाण पत्र**	**(मूल प्रति)**
***शपथ पत्र**	**(मूल प्रति)**
***त्यागपत्र या घोषणा पत्र**	**(मूल प्रति)**
***पूर्व में निरंतर 2 बार से अधिक उसी पद पर नहीं रहे हैं का घोषणा पत्र**	**(मूल प्रति)**
***चुनाव व्यवस्था शुल्क राशि की रसीद**	**(प्रतिलिपि)**
***स्वयं का महासभा पहचान पत्र**	**(प्रतिलिपि)**
***स्वयं का शासकीय पहचान पत्र**	**(प्रतिलिपि)**
***प्रस्तावक एवं अनुमोदक के महासभा पहचान पत्र**	**(प्रतिलिपि)**
***प्रस्तावक एवं अनुमोदक के शासकीय पहचान पत्र**	**(प्रतिलिपि)**
***प्रत्याशी का आयु प्रमाण हेतु दस्तावेज**	**(प्रतिलिपि)**

(9) नोड्यूज प्रमाण पत्र:-

हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु नामांकन पत्र दाखिल करने वाले प्रत्याशी को महासभा के प्रधान/महामंत्री से नामांकन दिनांक से 7 दिवस पूर्व नोड्यूज प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा। नोडयूज प्रमाण पत्र नामांकन आवेदन पत्र के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा।

(10)अपने पद का त्याग पत्र:-

हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करने वाले प्रत्याशी यदि महासभा की किसी भी इकाई में किसी भी पद पर हैं तो उन्हें अपना स्वीकृत त्यागपत्र नामांकन पत्र के साथ दाखिल करना होगा। त्यागपत्र का स्वीकार होना आवश्यक है।

(11) किसी पद पर न होने की घोषणा:-

हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशी यदि महासभा से संबंधित किसी भी सभा/संस्था मे पदाधिकारी नहीं है तो उन्हें सादे कागज पर घोषित करना होगा कि ''मैं महासभा या इससे संबंधित किसी भी सभा में पदाधिकारी नहीं हूँ''। यह घोषणा नामांकन पत्र के साथ संलग्न करनी होगी।

(12) नामांकन हेतु शपथ पत्र:-

हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु नामांकन आवेदन पत्र के साथ प्रत्याशी को स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित ₹500/-रूपयें के स्टांप पेपर पर नोटरी द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। शपथ पत्र में यह उल्लेख होगा कि ''यदि मैं आवेदित पद पर निर्वाचित होता हूँ तो अपने स्वयं के 3 वर्षीय कार्यकाल उपरांत आने वाले नये प्रदेशाध्यक्ष को एक माह के भीतर प्रभार (चार्ज) सौंप दूंगा तथा मेरे कार्यकाल के दायित्वों की जवाबदारी भी मेरी ही होगी। मैं अपने कार्यकाल का दायित्व हरियाणा प्रदेश के आगामी प्रदेशाध्यक्ष को नही दूंगा।"

(13) पात्रता संबंधित नियम:-

1. हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु प्रत्याशी को महासभा का न्यूनतम (पत्रिका सहित या रहित) संरक्षक सदस्य होना आवश्यक है।
2. महासभा के पत्रिका रहित ₹500/- के सदस्य यदि चुनाव जीत जाते हैं तो उन्हें चुनाव दिनांक से एक माह के भीतर 1600/- रुपए जमा करके 2100/-रुपए का पत्रिका वाला सदस्य बनना अनिवार्य होगा
3. हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु चुनाव दिनांक से 60 दिवस पूर्व बने हुए सदस्य या चुनाव अधिसूचना/ कार्यक्रम में वर्णित सदस्य बनने की अंतिम दिनांक तक बने हुए सदस्य ही पात्र होंगे।
4. हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन दाखिल करते समय हरियाणा प्रदेश की मतदाता सूची में प्रत्याशी का नाम होना आवश्यक है।
5. हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन दिनांक को प्रत्याशी की आयु न्यूनतम 40 वर्ष या अधिक होना आवश्यक है।
6. हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु प्रत्याशी को न्यायालय द्वारा अपराधिक मामलों में दंडित,मानसिक रोग तथा लाईलाज बीमारी से ग्रसित एवं महासभा से निष्कासित नहीं होना चाहिए अन्यथा वे पात्र नहीं होगें।

(14) नामांकन से संबंधित सामान्य नियम:-

हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद के नामांकन हेतू नामांकन से संबंधित सामान्य नियम निम्नानुसार है:-

1. नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करने, नाम वापसी या किसी भी प्रकार की घोषणा आदि जारी अधिसूचना में दर्शाई गई है।
2. जारी अधिसूचना में स्थान परिवर्तन, समय परिवर्तन, समयावधि परिवर्तन आदि का संपूर्ण अधिकार महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी का रहेगा।
3. प्रस्तावक एवं अनुमोदक को महासभा का न्यूनतम (पत्रिका सहित या रहित) संरक्षक सदस्य होना आवश्यक है।
4. प्रत्याशी के प्रस्तावक एवं अनुमोदक केवल एक ही नामांकन आवेदन पत्र में हो सकेंगे। किसी अन्य नामांकन आवेदन पत्र में नहीं। ऐसा होने की स्थिति में बाद में प्राप्त होने वाले नामांकन आवेदन पत्र को रद्द कर दिया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं प्रत्याशी की होगी।
5. प्रत्याशी स्वयं किसी अन्य प्रत्याशी का प्रस्तावक एवं अनुमोदक नहीं हो सकेगे। ऐसा होने की स्थिति में प्रत्याशी का स्वयं का नामांकन आवेदन पत्र रद्द कर दिया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं प्रत्याशी की रहेगी।
6. नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करते समय प्रत्याशी को स्वयं उपस्थित रहना होगा साथ ही प्रत्याशी का एक प्रस्तावक एवं दो अनुमोदक जो कि नामांकन आवेदन पत्र में दर्शाये गये हैं उनको भी स्वयं उपस्थित रहना अनिवार्य होगा।
7. प्रत्याशी, प्रस्तावक व अनुमोदक को अपने पहचान पत्र की मूल प्रति नामांकन के समय सत्यापन हेतु दिखानी होगी। नामांकन के समय प्रत्याशी, प्रस्तावक एवं अनुमोदक को परिचय के लिए महासभा द्वारा जारी परिचय पत्र के साथ ही सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र (ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड अथवा अन्य कोई फोटो युक्त पहचान पत्र) की फोटो प्रति नामांकन पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक है। चुनाव अधिकारियो द्वारा मांगने पर मूल प्रति भी दिखाना आवश्यक है।

8. प्रत्याशी एक अथवा एक से अधिक नामांकन आवेदन पत्र दाखिल कर सकता है। एक से अधिक नामांकन आवेदन पत्र जमा होने की स्थिति में किसी भी एक सही नामांकन आवेदन पत्र को मान्यता देते हुए शेष को रद्द कर दिया जाएगा तथा जमा चुनाव व्यवस्था शुल्क वापस नहीं होगा। प्रत्याशी द्वारा यदि 1 से अधिक नामांकन आवेदन पत्र दाखिल किया जाता हैं तो प्रत्येक के साथ चुनाव व्यवस्था शुल्क एवं आवश्यक दस्तावेज पृथक-पृथक जमा करना आवश्यक होगा।
9. नामांकन प्रक्रिया में अंतिम प्रत्याशी एक ही रहने की स्थिति में चुनाव अधिकारी द्वारा उसे हरियाणा। प्रदेश सभा का प्रदेशाध्यक्ष घोषित करते हुए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जावेगी।
10. नामांकन प्रक्रिया में एक से अधिक प्रत्याशी अंतिम रहने की स्थिति में उन्हें चुनाव चिन्ह आंवटित कर दिए जाएंगे और जारी अधिसूचना के अनुसार गुप्त मतदान द्वारा चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। चुनाव चिन्ह अंग्रेजी के अलफावेट के अनुसार आंवटित होंगें।
11. हरियाणा प्रदेश सभा के प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटन के समय चुनाव अधिकारियों के समक्ष स्वयं उपस्थित रहना अनिवार्य है। यदि चुनाव चिन्ह आवंटन के समय प्रत्याशी स्वयं उपस्थित नहीं रहते हैं तो उनका नामांकन आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा और इस पर कोई तर्क वितर्क नहीं हो सकेगा। अतः चुनाव चिन्ह आवंटन के समय प्रत्याशी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे।

(15) नामांकन आवेदन पत्र रद्द होने के प्रमुख कारण:-

1. नामांकन पत्र में कोई भी सूचना अपूर्ण होने पर।
2. प्रत्याशी, प्रस्तावक एवं अनुमोदक की सदस्यता संख्या का मिलान नहीं होने पर।
3. नामांकन नियमानुसार आवश्यक दस्तावेज नहीं होने पर।
4. प्रत्याशी, प्रस्तावक एवं अनुमोदक का उस क्षेत्र की मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर।
5. प्रत्याशी द्वारा महासभा प्रधान पद पर दो कार्यकाल पूर्ण कर निरंतर तीसरी बार नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करने पर।
6. नामांकन आवेदन पत्र में गलत सूचना दर्शाए जाने पर।
7. प्रत्याशी की पात्रता नियमानुसार नहीं होने पर।
8. नामांकन आवेदन पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजों में बदलाव करने अथवा काट छांट करने पर।
9. प्रत्याशी द्वारा नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करने और सही पाए जाने के पश्चात भी यदि उसके विरुद्ध लिखित शिकायत प्रमाण सहित प्राप्त होती है तो उस स्थिति में किसी भी स्तर उसे अयोग्य घोषित किया जा सकेगा। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं प्रत्याशी की होगी। अतः प्रत्याशी सत्यता के आधार पर ही नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करें।

(16) निरंतरता का नियम:-

महासभा का कोई भी सदस्य निरंतर (लगातार) 2 बार से अधिक प्रदेशाध्यक्ष नहीं बन सकेगा। इस शर्त के परिपेक्ष में यदि हरियाणा प्रदेश का कोई सदस्य तीसरी बार निरंतर प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन करता है तो उसका नामांकन निरस्त कर दिया जाएगा। यदि कोई सदस्य हरियाणा प्रदेश सभा का तीसरी बार प्रदेशाध्यक्ष बनना चाहता है तो उसे एक सत्र का गैप (ब्रेक) देना होगा। निरंतरता का यह नियम केवल चुनाव के माध्यम से पदाधिकारी बनने वाले सदस्यों के लिए ही हैं। महासभा या इसके अंतर्गत किसी भी सभा में किसी मनोनित पदाधिकारी पर निरंतरता का नियम लागु नही होगा।

(17) मतदाता सूची संबंधित नियम:-

1. हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु निर्धारित दिनांक तक मतदाता सूची में संशोधन लिखित पत्र द्वारा एवं ईमेल पर प्राप्त शिकायत के आधार पर संभव हो सकेगा।अधिसूचना जारी होने के बाद सदस्यता स्थानांतरण का निवेदन मान्य नहीं होगा।
2. प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु मतदाता सूची का प्रकाशन चुनाव कार्यक्रम अनुसार निर्धारित दिनांक को महासभा की वेबसाइट पर किया जावेगा।
3. अंतिम संशोधित मतदाता सूची जारी होने के पश्चात किसी भी प्रकार का संशोधन एवं आपत्ति मान्य नहीं होगी और किसी भी न्यायालय में परिवाद हेतु वैद्य नहीं मानी जावेगी।
4. नामांकन के समय घोषित अंतिम सूची के प्रत्याशियों को मतदाता सूची निशुल्क दी जाएगी। मतदाता सूची केवल डिजिटल दी जावेगी।

5. इसके अतिरिक्त किसी को मतदाता सूची की आवश्यकता है तो सशुल्क रुपए 3/-प्रति पृष्ठ अनुसार महासभा कार्यालय से व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

(18) आवश्यक सूचियों का प्रकाशन:-
हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव हेतु मतदान केंद्र एवं मतदान स्थल सहित बूथ प्रभारियों की सूची पत्रिका/वेबसाईट/अन्य माध्यम से समयानुसार प्रकाशित की जावेगी।

(19) बूथ निर्धारण:-
बूथ निर्धारण नामांकन पूर्व किया जाना प्रस्तावित है लेकिन देरी होने की अवधि में बूथ अनुसार मतदाता सूची तैयार करने मे भी समय लग सकता है। मतदाता सूची बूथ अनुसार तैयार होते ही सार्वजनिक कर दी जावेगी साथ ही प्रत्याशी की मांग पर उन्हे अलग से भी दी जाएगी।

(20) मतपत्र का नमूना:-
हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव हेतु मतपत्र का नमूना महासभा की पत्रिका में प्रकाशित किया जावेगा।

(21) प्रदेशाध्यक्ष पद का कार्यकाल:-
हरियाणा प्रदेश सभा के प्रदेशाध्यक्ष पद का कार्यकाल उनके चुने जाने की दिनांक से 3 वर्ष का रहेगा।

(22) हरियाणा प्रदेश सभा। के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव में नामांकन दिनांक के बाद एवं चुनाव दिनांक के पूर्व:-

1. कोई प्रत्याशी अपना नाम किसी अन्य प्रत्याशी के पक्ष में वापस ले लेता है, तब भी मत पत्र पर उसका नाम प्रकाशित होगा। चाहे उसने चुनाव अधिकारी को इसकी सूचना दी हो या नहीं।

2. यदि चुनाव में सभी प्रत्याशी किसी एक प्रत्याशी के समर्थन में अपना नाम वापस ले लेते है या चुनाव लडना नहीं चाहते हैं तो इसकी लिखित सूचना रुपये 500/- के स्टाम्प पर नोटरी द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र के साथ संबंधित चुनाव अधिकारी को दी जावेंगीं। ऐसी परिस्थिति में चुनाव में शेष रहे एक प्रत्याशी को चुनाव से पूर्व ही निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जावेगा और चुनाव दिनांक को चुनाव नहीं होंगे। चुनाव नहीं लडने या किसी अन्य प्रत्याशी के पक्ष के नाम वापस लेनें की उपरोक्तानसुार सूचना मतदान प्रारम्भ होने के समय से 7 दिवस पूर्व देना आवश्यक होंगा अन्यथा सूचना पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

(23) चुनाव अधिसूचना:-
हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद की चुनाव अधिसूचना एक बार जारी होने के बाद विशेष परिस्थितियो को छोडकर किसी भी दशा में बीच में नहीं रोकी जा सकेगी।

(24) आदर्श आचार संहिता:-

1. हरियाणा प्रदेश सभा के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु अधिसूचना जारी होने की दिनांक से आदर्श आचार संहिता लागू मानी जावेगीं और सम्बन्धित पदाधिकारी तथा सभा द्वारा कोई नीतिगत निर्णय नहीं लिया जा सकेगा ओर ऐसा कोई कार्य नही किया जाएगा जिससे चुनाव प्रभावित होते हो या चुनाव में व्यवधान उत्पन्न होता हो।

2. सम्बन्धित पदाधिकारीयो द्वारा मुख्य चुनाव अधिकारी एवं चुनाव अधिकारीयो को सहयोग नहीं करना भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएया।

(25) हरियाणा प्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष पद के नामांकन प्रस्तुति के समय प्रत्याशी सहित अधिकतम 7 व्यक्ति ही चुनाव अधिकारीयो के समक्ष उपस्थित हो सकेंगे जिससे नामांकन स्थल पर अनावश्यक भीड़ न हो तथा शांत वातावरण बना रहे और नामांकन कार्य में व्यवधान उत्पन्न ना हो।

(26) हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशी नामांकन से पूर्व चुनाव संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश, सूचना एवं नियमो का भली भांति अवलोकन एवं अध्ययन कर लेवे।

(27) हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों की सुविधा के लिए "चुनाव निर्देशिका 2024" महासभा की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

(28) शिकायत एवं संशय:-
हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव से संबंधित शिकायत एवं संशय का निराकरण अंतिम रूप से महासभा के प्रधान एवं मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा किया जाएगा। महासभा प्रधान एवं मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया निर्णय अंतिम, सर्वसम्मत और सभी के लिए सर्वमान्य एवं बंधन कारी होगा।

(29) अन्य सूचना, दिशा- निर्देश एवं नियम:-
हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव से संबंधित उपरोक्त के अतिरिक्त तात्कालिक परिस्थितियों को देखते हुए और भी दिशानिर्देश, सूचना तथा नियम हो सकते हैं जो चुनाव प्रक्रिया के अनुक्रम में समयानुसार जारी किए जा सकेंगे। ऐसी सूचना तथा नियम भी निर्देशिका के भांति ही लागू एवं मान्य होगे।

(30) हरियाणा प्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव संपन्न कराने हेतु महासभा महामंत्री श्री सांवरमल जांगिड़ नोडल अधिकारी रहेंगे।

(31) न्याय क्षेत्र:-
हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव के संबंध में किसी भी विवादित मामले के लिये न्याय क्षेत्र दिल्ली रहेगा।

(32) समाज की प्रतिष्ठा को बनाए रखते हुए, प्रजातांत्रिक, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्षता से प्रदेश सभा हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव संपन्न कराने हेतु निम्नानुसार चुनाव अधिकारी मनोनीत किए गए हैं।

-- चुनाव अधिकारी—

श्री बसंत कुमार जी जांगिड- ब्यावर
मो. नं.9680010591

श्री कमलकिशोर जी गोठडी़वाल-ब्यावर
मो.नं.9414524982

प्रवीण कुमार शर्मा
मुख्य चुनाव अधिकारी
मो. नं.-9300905141

प्रभु दयाल बरवाडिया पश्चिम बंगाल के प्रदेशाध्यक्ष मनोनीत किए गए

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा 118 साल पुराना इतिहास है और इस महासभा रुपी परिवार के सदस्यों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और इसकी संख्या लगभग 1 लाख 10 हजार से अधिक हो गई है और महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने इस परिवार का विस्तार और इसके संगठन को मजबूत बनाने का निर्णय लिया गया है और इसके लिए मिशन डेढ़ लाख शुरू किया गया है। अपनी इस उत्कट जाजीविषा और संकल्प को दोहराते हुए ही , उन्होंने पश्चिम बंगाल में महासभा का संगठन खड़ा करते हुए, प्रधान वहां पर 11 नवम्बर को, प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व प्रभु दयाल बरवाडिया को सौंपा गया है।

महासभा के कोर कमेटी के सदस्य बजरंग लाल शर्मा ने बताया कि मुझे और सीकर के राधेश्याम मांडण को प्रधान रामपाल शर्मा ने विश्वास करते हुए, महासभा के प्रतिनिधि के रूप में इसका दायित्व सौंपा गया था और हमने इस दायित्व को, व्यक्तिगत रूप से दिलचस्पी लेते हुए इसे निभाया और इस परीक्षा में खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास किया और इस प्रकार से महासभा का विस्तार और संगठन निरन्तर बढ़ रहा है और आने वाले समय में भी, देश के कौने-कौने में महासभा का विस्तार सारे देश में किया जाएगा, और भविष्य में हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में भी प्रदेश सभाओं का गठन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रभु दयाल बरवाडिया का जन्म 27 नवम्बर 1956 में, राजस्थान के फतेहपुर शेखावाटी में हुआ और उन्होंने अपनी बी. काम. की स्नातक शिक्षा,कोलकाता विश्वविद्यालय से पास की और अपने संघर्ष, दृष्टि में स्पष्टता आचरण में सहजता और व्यवहार में उदारता और वाणी में प्रखरता का परिचय देते हुए सन् 1991 में होजरी निर्माण के क्षेत्र में पदार्पण किया और अपने पुरुषार्थ से आगे बढ़ते हुए सन् 2001 में भवन निर्माण के क्षेत्र में भी अपना भाग्य आजमाना शुरू किया और माता-पिता के आशीर्वाद से निरन्तरता और गतिमान बना हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल में समाज को जोड़ने का भी संकल्प लिया हुआ है। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि वह महासभा के द्वारा सौंपे गए दायित्व को पूरा करते हुए लोगों के विश्वास पर कोलकाता के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष जगदीश राजोतिया के साथ , मिलकर खरा उतरने का प्रयास किया जाएगा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, नव नियुक्त अध्यक्ष प्रभु दयाल बरवाडिया को बधाई देते हुए कहा कि मुझे भरोसा है कि प्रभु दयाल बरवाडिया अपने दायित्व का भलीभांति निर्वहन करते हुए लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने बजरंग लाल शर्मा और राधेश्याम मांडण की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि उन दोनों को जो भी जिम्मेदारी महासभा द्वारा सौंपी गई, उसको पूरा करते हुए, सभी के अनन्य सहयोग और समर्थन से ही प्रदेश अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है।

उन्होंने नव नियुक्त अध्यक्ष के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए इस महासभा रुपी परिवार के सदस्यों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आपके सहयोग से ही महासभा का मिशन डेढ़ लाख सदस्य का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

महासभा प्रतिनिधि ,बजरंग लाल शर्मा, दुर्ग एवं राधेश्याम मांडण, सीकर

राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा 16 नवम्बर को जयपुर में राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा ,समाज के उदीयमान और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को 16 नवम्बर 2025 को प्रदेश सभा भवन, विद्याधर नगर, जयपुर में आयोजित एक भव्य राज्य स्तरीय प्रतिभा समारोह में, समाज के कक्षा 10 और 12 में 90 प्रतिशत अंक या उससे अधिक प्राप्तांक वाले 400 के अतिरिक्त, स्नातक, स्नातकोत्तर, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, डाक्टर, इंजिनियर, पी.एच.डी, वैज्ञानिक, आर.ए.एस. और आई.इ.एस. के साथ ही कला, खेलकूद, और विभिन्न क्षेत्रों में राज्यस्तरीय उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त प्रतिभाओं का सम्मान करके उनकी प्रतिभा और दक्षता का सम्मान करने के लिए उनको सम्मानित किया गया। **समारोह का श्रीगणेश भगवान विश्वकर्मा जी की आरती और पूजन के साथ किया गया और विशिष्ट मेहमानों को पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।**

इस समारोह को यादगार बनाने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, सदाशयता और विनम्रता के द्योतक, प्रधान मंत्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. समित शर्मा ने अपने उद्बोधन में समाज और देश के उज्ज्वल भविष्य, होनहार युवाओं को प्रेरक कहानियों और गीतों के माध्यम से अपने प्रेरणादायक और मोटिवेशनल उद्बोधन के माध्यम से छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए भी, जीवन में आशातीत सफलता हासिल करने के के गुर बताते हुए कहा कि सफलता, एक विद्यार्थी के सकारात्मक दृष्टिकोण, संकल्प और धैर्य पर निर्भर करती है, सफलता का कोई शार्टकट रास्ता नहीं, इसके लिए एक कार्य योजना तैयार करके सत्य निष्ठा और ईमानदारी से परिश्रम करने से ही सफलता हासिल हो सकती है।

समारोह के मुख्य अतिथि विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार ने , पुरस्कार विजेता छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आधुनिक युग में, बच्चों को स्कूली शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास की अवधारणा को आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा की अनुकम्पा से इस समाज को तकनीकी क्षेत्र में जन्मजात विशेष योग्यता हासिल है और भगवान के द्वारा प्रदत्त इस तकनीकी ज्ञान का सदुपयोग करते हुए अपना और समाज का नाम गौरवान्वित करना चाहिए। उन्होंने समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को अपना यथा योग्य सहयोग प्रदान करें और इतना ही नहीं कमजोर आर्थिक स्थिति वाले बच्चों को गोद लेकर उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए।

न्यायाधीश साहब राम मोटियार ने बताया कि वह जयपुर आए हुए इसलिए वह समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि, प्रतिस्पर्धा के इस युग में मोटिवेशन के साथ-साथ अपने विषय का तर्क संगत अध्ययन करने से ही सफलता हासिल की जा सकती है, क्योंकि शिक्षा ही एक ऐसा सशक्त माध्यम है, जिसके माध्यम से ही ज्ञान हासिल करके युवा अपना भविष्य सुनिश्चित करने के साथ ही देश के विकास में भी अमूल्य योगदान दे सकते हैं।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार ने कहा कि प्रदेश सभा सदैव ही समाज की उदीयमान प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करती है और प्रदेश सभा द्वारा किए जा रहे, इस प्रकार के कार्यक्रमों के

सार्थक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। यह इस बात को इंगित करता है कि जांगिड-सुथार समाज के छात्र आज 99 प्रतिशत अंक प्राप्त करके अपनी अनूठी प्रतिभा का परिचय देते हुए, अपना करियर निर्माण करने के साथ ही अपना भविष्य उज्जवल बना रहे हैं। घनश्याम शर्मा ने कहा कि आज यहां पर, छात्रों को प्रमाण-पत्र, स्मृति चिह्न और प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को स्वर्ण और रजत पदक, तथा उपयोगी सामग्रियों के साथ साथ बच्चों को 11 साइकिलें भी उपहार स्वरूप प्रदान की गई हैं। उन्होंने समारोह में शामिल होकर छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए सभी का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी आशीष शर्मा ने, परीक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं को सफलता का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि , इन परीक्षाओं में कैसे सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि विषय की समझ के साथ-साथ अपने लक्ष्य रुपी इस मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही, जीवन में सफलता हासिल करने के साथ ही आगे बढ़ सकते हैं। उनके द्वारा प्रदान की इस विस्तृत जानकारी से, अनेक विद्यार्थी लाभन्वित हुए हैं और उनके मन की शंकाओं का समाधान हो गया।।

इस समारोह के अति विशिष्ट अतिथि , विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति उद्योगपति सांवर मल हर्षवाल ने भी प्रदेश सभा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि आज कृत्रिम इंटैलीजैंस का जमाना है और पुरानी मान्यताएं बदल रही हैं इस लिए शिक्षा का महत्त्व और भी बढ़ गया है।

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, महासभा के पूर्व प्रधान रविशंकर शर्मा, न्यायाधीश साहिबराम मोटियार, भाजपा प्रदेश मंत्री अजीत मांडण, महासभा के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गोपेश शर्मा, राजस्थान प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ रेणु जांगिड, महिला कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती कंचन जांगिड, पूर्व महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती नीलू शर्मा, रतन लाल खंडेला, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल, प्रदेश प्रभारी हरिनारायण जांगिड, मुख्य संरक्षक रामसहाय बगवाडा, कैलाश लोइवाल, मुख्य सलाहकार सुभाष जांगिड, विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा और दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरि राम जांगिड, मूलचंद लोवंडीवाल, वरिष्ठ मंत्री हर्ष जिठावा, सह कोषाध्यक्ष मुकेश कठवानियां, समन्वयक राहुल शर्मा, प्रवक्ता महेश जांगिड, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड, कार्यकारी अध्यक्ष सुनील जांगिड, छात्रावास प्रभारी रामशरण जांगिड, सह प्रभारी रूपेंद्र जांगिड, कार्यालय मंत्री द्वारका प्रसाद जांगिड, उद्योगपति राजेश जगतपुरा, पूरण चंद झोटवाडा, राजेश डिजाईन, चन्द्रदत्त जांगिड, मनोहर दूरदर्शन और विभिन्न जिलों से पधारे जिला अध्यक्षों में जयपुर से मुकेश झाझवाड, बाबूलाल शर्मा, दौसा से चेतन प्रकाश, मुकेश समलेटी, फलौदी जयकृष्ण सुथार, सवाई माधोपुर से खेमराज, भीलवाडा से महावीर सुथार, जालौर से छगन लाल, झुंझुनू से सुनील सिदड, हनुमानगढ़ से चंपा लाल, ब्यावर से ब्रह्मदेव, और चुरू से नीरज रोलिवाल शामिल थे।

प्रदेश सभा के इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वकर्मा टूडे यू ट्यूब न्यूज चैनल के हैड नरेश शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का अविरल और निर्बाध गति से कुशल संचालन, प्रदेश सभा के महामंत्री कैलाश शर्मा सालीवाले ने किया।

राजस्थान प्रदेश सभा के महामंत्री, कैलाश शर्मा साली वाले

बहरीन में भारत का सांस्कृतिक त्योहार दीपावली बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

राजस्थान फाऊंडेशन दूबई चैप्टर के अध्यक्ष, अमरा राम जांगिड

भारतीय सभ्यता और संस्कृति में आध्यात्मिक विरासत एक अमूल्य और अनूठी सांस्कृतिक धरोहर है और इसकी गूंज देश की सीमाओं को पार करके विदेशी धरा पर भी सुनाई देती है। भारत की सांस्कृतिक विरासत बहुत ही महान है और इसको देशवासी ही नहीं अपितु विदेशों में रह रहे भारतीय भी, अपनी जड़ों से जुड़े होने के कारण इन तीज-त्यौहारों भी बड़े ही उत्साह पूर्वक, श्रद्धाभाव तथा धूमधाम से मनाते हैं। बहरीन में भारतीय परम्परा के अनुसार दीपावली का पावन त्योहार, राजस्थान के लोगों द्वारा बड़े ही उत्साहपूर्ण और श्रद्धाभाव से मनाया गया, जिसने भारतीय और बहरीन की एकता की दीवार को और अधिक मजबूत बना दिया है।

बहरीन में दीपावली का त्योहार हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया

यह उद्गार राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड ने, बहरीन में राजस्थान के लोगों द्वारा मनाए गए, दीपावली मिलन समारोह के अवसर पर उपस्थिति लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम, लंकापति रावण पर , विजय हासिल करने के बाद अयोध्या लौटने पर मनाए जाने वाला, यह आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों से परिपूर्ण पावन पर्व दीपावली, आज केवल एक दीपोत्सव ही नहीं है अपितु यह पावन पर्व , मानवता को दीपावली के साथ-साथ आपस में मिल जुलकर एकता की भावना को विकसित करने के साथ ही भगवान श्रीराम के आदर्शों और उदात्त मूल्यों को आत्मसात करने के लिए भी अभिप्रेरित करता है। भगवान श्री राम का जीवन उदात्त संस्कारों से परिपूर्ण अनमोल धरोहर हैं।

उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर धन की अधिष्ठात्री देवी, मां महालक्ष्मी और प्रथम पूज्य श्री गणेश की पूजा करके, भारतीय अपनी आस्था और विश्वास को सुदृढ़ करते हुए इस आध्यात्मिक विरासत को एक अमूल्य धरोहर के रूप में सहेज कर रखते हैं और आज के इस आधुनिक युग में भगवान श्री राम के आदर्शों और सिद्धान्तों को आत्मसात करते हुए ही हम, अज्ञानता के अंधेरे को तिरोहित करते हुए आध्यात्मिक ज्ञान के प्रकाश को आत्मसात कर सकते हैं , इससे मानव जीवन का कल्याण होना सुनिश्चित है। भगवान श्री राम ने जहां पर, माता-पिता की आज्ञा का पालन, गुरु और शिष्य की परम्परा का निर्वहन , भाई का भाई के प्रति अनन्य स्नेह और भक्त और भक्ति का एक अनूठा उपहार इस संसार के सामने प्रस्तुत किया है, उनको धारण करके मनुष्य आधुनिक युग मानव अपने जीवन का कल्याण कर सकता है।

अमरा राम जांगिड ने कहा कि, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत के बहरीन में राजदूत, विनोद के. जैकब थे और उन्होंने भारतीय समुदाय के लोगों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से जहां भारत और बहरीन के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध काफी मजबूत होंगे और इस दिशा में , राजस्थान प्रदेश के लोगों के आपसी सहयोग और सौहार्द की आपसी भावना भी परिलक्षित होती है। उन्होंने राजस्थान के लोगों और विशेषकर राजस्थान फाउंडेशन के दुबई चैप्टर के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि यद्यपि वह पिछले 40 सालों से यहां पर रह रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपने संस्कार और संस्कृति परम्पराओं को जीवंत बनाए हुए रखा हुआ है।

राजदूत जैकब ने देशभक्ति की भावना पैदा करने वाले भारत के राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर ,भारतीय समुदाय के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि इस राष्ट्रीय गीत ने, देश के लोगों में एकता और राष्ट्रीयता की भावना और गर्व की चेतना पैदा की और लोगों में, आत्मबलिदान की भावना को पैदा किया गया। उन्होंने भारत और बहरीन की संबंधों को और प्रगाढ करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि दीपावली जैसे सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से दोनों देशों के बीच मित्रता और आपसी सम्बन्ध और अधिक सुदृढ़ होते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी मिलकर भगवान श्री राम के आदर्शों और मूल्यों को सहेज कर रखते हुए ही , दीपावली का यह त्योहार मनाए इसी में, हमारे जीवन की सार्थकता है। इस अवसर पर भारी संख्या में मातृशक्ति और राजस्थानी लोगों ने उपस्थित हो कर इस दीपावली समारोह की गरिमा को चार चांद लगा दिए। विपुल धन्यवाद।----------

जयपुर के 105 वर्षीय सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, तुलसी राम शर्मा का जीवन आध्यात्मिकता की प्रतिमूर्ति।

आध्यात्मिकता, सामाजिक समरसता और धार्मिक विचारों की प्रतिमूर्ति, दो शती के युग दृष्टा, और भक्ति और साधना के अटल साधक, सहिष्णुता और संयम तथा उदात्त संस्कारों से परिपूर्ण, महान गौ भक्त और राष्ट्र भक्त, भगवान श्री कृष्ण द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता में दिए गए कर्म योग और भक्ति योग के अनन्य साधक और 105 वर्ष की आयु में भी भक्ति और आध्यात्मिकता के संस्कारों से ओतप्रोत, मानव कल्याण की भावना के अमर चितेरे, सदाशयता की प्रतिमूर्ति तुलसी राम का जीवन विविधताओं से भरा हुआ एक विशाल समुद्र है, जिसमें आध्यात्मिकता की लहरें और मानवीय संवेदनाए उठकर, मानव जीवन के कल्याण का रास्ता प्रशस्त कर रही हैं। उनका मानना है इस जीवन को आत्म मंथन एवं आध्यात्मिकता से ही सार्थक और सफल बनाया जा सकता है।

श्री तुलसी राम शर्मा

मैं समझता हूं कि उनकी इस दीर्घायु का राज़, उनकी भगवान के प्रति अगाध भक्ति, श्रद्धा समर्पण और निष्ठा की अटूट भावना है और यही कारण है कि 105 वर्ष की आयु होने पर भी, वह अपनी दिनचर्या भगवान के नाम सुमरिन से शुरू करते हैं और जो भगवान की भक्ति और नाम सुमिरन से ही समाप्त होती है। उनका मानना है कि यह जीवन हीरे के समान अनमोल है और जीवन में **जन्म और मृत्यु हमारे हाथ में नहीं है और यह सब विधाता का खेल है और उसकी लीला है, जिसको आज तक कोई भी सन्त महात्मा और ऋषि मुनि समझ नहीं पाए हैं।** राम कथा सुनने पर क्या लाभ होते हैं, यह बात रामचरितमानस में बड़े ही स्पष्ट ढंग से लिखी गई है। मै **जिमि कथा सुनी भव मोचनि। सो प्रसंग सुनु सुमुखि सुलोचनि।**

भगवान शिव कहते है कि मैंने जिस प्रकार, जन्म मृत्यु से छुड़ाने वाली वह कथा सुनी है, हे! सुमुखी सुलोचनी, वह प्रसंग सुनो। यहां, जन्म मृत्यु से छुड़ाने वाली एक गहरी बात का उल्लेख किया गया है । **दरअसल, मनुष्य का जन्म और मृत्यु जीवन की दो ऐसी उलझने हैं या रहस्य है, जिनके बारे में आज तक अच्छे अच्छे संत महात्मा और परम भक्त भी इसके बारे में सही और संतोष ढ़ंग से आकलन प्रस्तुत नहीं कर सकें हैं** और आज तक यह एक यक्ष प्रश्न बना हुआ है कि हम क्यों पैदा हुए हैं और मृत्यु के बाद हमारा क्या होगा यह बात अनेक ग्रन्थों में लिखी हुई है। **परन्तु इस जिज्ञासा का हल करने के लिए बड़े-बड़े विद्वान, दार्शनिक और महात्मा इसमें उलझ कर रह गए हैं।** इसलिए भगवान पर भरोसा बनाए रखते हुए अपने जीवन का रसास्वादन लें और सत्य यही है कि **जो राम रची राखा सो होई।** भगवान ने जो भाग्य में लिखा है वही होगा। यह सब विधाता के हाथ में हैं।

एक साक्षात्कार में, तुलसी राम शर्मा ने कहा कि **परहित सरिस धर्म नहिं भाई** उन्होंने कहा कि मेरा समाज और मानवता को यही संदेश है कि एक सामाजिक प्राणी को दूसरों का हित सर्वोपरि समझते हुए ही कार्य करना चाहिए। दूसरे लोगों से प्रेम करें, जिसके द्वारा सहजता से आप किसी का दिल जीत सकते हैं। उन्होंने बेबाक तरीके से कहा कि भगवान ने जो हमें जो सर्वोत्तम जीवन दिया है उसका लक्ष्य यही है कि आपके व्यवहार के कारण किसी को भी दुख और पीड़ा नहीं होनी चाहिए और जो भी व्यक्ति दूसरों के हितों का ध्यान रखकर कार्य करता है वही सच्चा महात्मा और संत है। यह रामायण की चौपाई हमेशा याद रखनी चाहिए कि **परहित सरिस धर्म नहिं भाई** और इस

अवधारणा को ध्यान में रखते हुए ही, पर हित को ध्यान रखते हुए ही कार्य करें और इससे भगवान भी प्रसन्न होते हैं और अपना अंत:करण भी शुद्ध होता है। इसलिए दूसरों की पीड़ा और कष्टों के निराकरण को ध्यान में रखते हुए ही, हमेशा कार्य करें, जिससे मानसिक शांति सुकुन भी मिलेगा।

तुलसी राम शर्मा ने कहा- हम महापुरुषों और भगवान श्री राम व भगवान श्री कृष्ण जैसे अवतारों के उच्च चरित्र का मनन चिंतन इसलिए करते हैं ताकि उन्होंने मानव मात्र के कल्याण के लिए जो रास्ता प्रशस्त किया है, उस पर चलते हुए हम अपने जीवन को सार्थक बना सकें । उन्होंने स्वीकार किया कि **भला एक साधारण प्राणी अपने जीवन परिचय से रुबरू कराकर समाज का क्या भला कर सकता है?** फिर भी एक नई दिशा देने के प्रति सुसंस्कृत सादगी पूर्ण जीवन को आत्मसात करने के उद्देश्य से यह एक विचारणीय विषय अवश्य बन जाता है। इसीलिए मैं अपना कुछ ब्यौरा प्रस्तुत कर रहा हूं।

परमपिता परमेश्वर की असीम कृपा से उनका जन्म भारतवर्ष जैसी दिव्य धरा पर और वह भी मारवाड़ की शुष्क सात्विक धरा पर, सूर्य नगरी जोधपुर में कला कौशल में पारंगत, जांगिड परिवार में लकड़ी के ठेकेदार पिता कल्याण दास बरड़वा के घर, माता श्रीमती भूरि बाई की कोख से 17 सितम्बर 1920 (भाद्रपद शुक्ल पंचमी संवत् 1977 ऋषि पंचमी) के शुभ दिन हुआ। इनकी प्राथमिक शिक्षा जोधपुर में ही हुई और सन् 1941 में स्नातक की कक्षा भी जसवन्त कॉलेज, जोधपुर से पास की और सन् 1943 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की। सन् 1939 में तुलसी राम शर्मा का विवाह श्रीमती शांति देवी से हुआ और उन्होंने अपने जीवन साथी से मिलकर अपने बच्चों को बेहतर संस्कार दिए और उन्होंने अपने अपने क्षेत्र में सफलता हासिल की।

कानून की पढ़ाई के बाद वकालत शुरू की और सन् 1946 में पहली बार राजस्थान न्यायिक सेवा की परीक्षा दी और प्रभु की असीम कृपा से वह अपने पहले ही प्रयास में सफल हुए और इस दौरान उन्होंने अनेक पदों पर कार्य किया और पदोन्नति के बाद वह **सिविल जज** बन गए । संयोगवश जून 1965 में उनका स्थानांतरण जयपुर नगर के स्माल काजिज कोर्ट एण्ड सिविल जज के पद पर हो गया और सन् 1966 में उनकी नियुक्ति राजकीय सचिवालय में हो गई और कुछ समय तक वह ''असिस्टेंट लीगल ड्राफ्टमैन" के पद पर आसीन रहे तथा उसके पश्चात उनकी पदोन्नति ''डिप्टी सेक्रेटरी एण्ड डिप्टी लीगल ड्राफ्टमैन" के पद पर हो गई और सन् 1971 में वह अपर ''ए.डी.जे" धौलपुर बने और नवम्बर 1971 में प्रमोशन हुआ और वह भरतपुर में **जिला एवं सत्र न्यायाधीश** बने और उसके बाद अप्रैल 1973 में वह जयपुर के **जिला एवं सत्र न्यायाधीश बन गए और एक प्रकार यह उनके जीवन एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी** और इसी क्रम में उनकी अन्तिम पोस्टिंग अलवर में **जिला एवं सेशन जज"** के पद पर हुई और 31 मार्च 1976 को 55 वर्ष की आयु में सेवानिवृत हो गए। इस प्रकार अपने 31 वर्षों के कार्यकाल के दौरान अपना कार्य सत्य निष्ठा और ईमानदारी से कार्य किया और इनके समर्पण भाव की सर्वत्र भूरि-भूरि प्रशंसा भी हुई।

तुलसी राम शर्मा की, सामाजिक कार्य क्षेत्र, जयपुर के प्रबुद्ध समाज सेवी माधोदास शर्मा ने उनको शाखा सभा का अध्यक्ष बनाया था और उसके पश्चात वह समाज से निरंतर जुड़े रहे तथा **सन् 1989 में तुलसी राम शर्मा ने अपने तीनों भाईयों के साथ मिलकर अपनी मां के नाम पर भूरि बाई के नाम पर एक ट्रस्ट स्थापित किया ताकि इस ट्रस्ट के माध्यम से समाज में शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सके और यह ट्रस्ट इस परिवार के द्वारा लगभग 20 वर्षों तक चलाया तथा समाज के सैकड़ों प्रतिभावान छात्रों को छात्रवृति देकर, उच्च शिक्षा के**

लिए रास्ता प्रशस्त किया।

सेवा निवृत्ति के पश्चात् तुलसी राम के जीवन का उद्देश्य ही बदल गया और अपने दादा की दैनिक दिनचर्या, रुद्राक्ष माला से जप, नित्य गीता पाठ करते हुए आध्यात्मिकता के मार्ग पर निकल पड़े, 17 सितंबर 2025 को उन्होंने अपने जीवन के 105 बसन्त पूरे कर लिए हैं और उनके पास आध्यात्मिकता का खज़ाना है। यह जीवन बड़ा ही दुर्लभ है। कहा भी है कि- **बड़े भाग मानुष तन पावा। सुर दुर्लभ सब ग्रंथन गावा ।।** मानव की दिव्यता एवं अमरत्व की ओर भी संदेश हमारे सद्ग्रंथ इस प्रकार दे रहे है- **ईश्वर अंश जीव अविनासी, चेतन अमल सहज सुख रासी।** मानव को प्रभु ने वह शक्ति दी है जिससे वह आध्यात्मिक क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए गंतव्य स्थान को प्राप्त कर सकता है और तभी जन्म-मृत्यु श्रृंखला से मुक्ति प्राप्त कर सकता है। **आपने 17 सितंबर 2025 को 106वां जन्मदिवस बड़े ही सादगी के साथ मनाया, मनुष्य प्राणी के लिए इसमें अधिक ईश्वर का क्या उपहार हो सकता है।**

उनको जन्म दिन की बधाई देने विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सम्पादक नरेश शर्मा और विश्वकर्मा टूडे यूट्यूब चैनल की एंकर दीपिका शर्मा बधाई देने पहुंचे, उन्होंने तुलसी राम शर्मा का इन्टरव्यू भी लिया और उनकी दीर्घायु की मनस्कामना की ताकि वह समाज का इसी प्रकार से मार्गदर्शन करते रहें।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, भी 105 बसन्त देखने वाले, पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश तुलसी राम शर्मा को, उनके जन्मदिवस पर बधाई देते हुए कहा है कि **जिस प्रकार से आध्यात्मिकता से परिपूर्ण उनका जीवन है वह भाग्यशाली लोगों को ही मिलता है। भगवान उनको दीर्घायु प्रदान करें ताकि वह अपने अमृत वचनों के माध्यम से मानवता की सेवा करते रहें।**

विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सम्पादक, नरेश शर्मा

महासभा कार्यकारिणी की आगामी त्रैमासिक बैठक नडियाद (गुजरात) व प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रभारियों की बैठक की सूचना

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के सम्माननीय समस्त प्रदेशाध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को सूचित किया जाता है कि महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आगामी त्रैमासिक मीटिंग श्री रामपाल शर्मा, प्रधान महासभा की अध्यक्षता में प्रदेश सभा गुजरात के सौजन्य से प्रदेश सभा गुजरात की नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के साथ **दिनांक 07 दिसम्बर, 2025 रविवार को प्रातः 9.30 बजे से आविष्कार पार्टी लॉन्स एंड बैंक्वेट, फतेहपुरा हाई स्कूल के पास, नडियाद (गुजरात)** एवं **प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रभारियों** की बैठक दिनांक **06-11-2025 सायं 5 बजे से 8:30** तक उपरोक्त पते पर आयोजित की जायेगी। अतः महासभा के समस्त पधाधिकारीगण एवं समस्त प्रदेश अध्यक्ष / प्रदेश प्रभारी ससम्मान सादर आमंत्रित हैं, कृपया बैठक में समय पर पधार कर समाज हित में अपने बहुमूल्य विचारों, सुझावों से महासभा को नई दिशा देने में अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करते हुए सहयोग प्रदान करें।

नोट :- मीटिंग का एजेंडा एवं लोकेशन, महासभा कार्यकारिणी ग्रुप्स के माध्यम से आपकी सूचनार्थ शीघ्र ही पर प्रेषित कर दी जायेगी।

सम्पर्क सूत्र -श्री राजेंद्र कुमार जांगिड-प्रदेश अध्यक्ष - गुजरात- 9712929486 ,
श्री मानाराम सुथार-प्रदेश मंत्री प्रदेश सभा- 9909311411,
श्री नेमी चंद सुथार- जिला अध्यक्ष खेडा- 9879022539,
श्री पप्पू राम सुथार-कोषाध्यक्ष प्रदेश सभा- 9909254735

महामंत्री महासभा

मेरे जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य समाज के उत्थान के लिए कार्य करना है,

राज्य सभा सांसद, विनम्रता और सादगी के प्रतीक, राज्य सभा में समाज की आवाज बुलंद करने वाले , लोकप्रिय सांसद रामचन्द्र जांगड़ा ने कहा कि जांगिड समाज ने, विश्व में अपनी प्रतिभा और दक्षता के बल पर एक विशेष पहचान बनाई है और मुझे खुशी है कि विश्वकर्मा समाज के लोगों ने अपनी प्रतिभा का परचम देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी फहराया है। कुलरिया परिवार द्वारा भारत के नए संसद भवन की नई इमारत में किया गया इंटीरियर डिजाइन और साज -सज्जा ,इसका जीवंत और सजीव प्रमाण है।

सांसद रामचन्द्र जांगड़ा,मध्य प्रदेश के देवास में, विश्वकर्मा मंदिर में जांगिड समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के एक भव्य कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने सबसे पहले भगवान विश्वकर्मा के मन्दिर में पूजा- अर्चना की और श्री विश्वकर्मा मंदिर में आयोजित संगीतमय सुंदरकांड को ध्यान से सुना और श्रद्धालुओं को अपने जीवन में भगवान श्री राम के आदर्शों और उनके द्वारा स्थापित मानवीय मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि इससे एक भक्त की मनोकामना पूरी होगी और जीवन सार्थक होगा। इस सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन, दिलीप आसलिया परिवार सिंगावदा वालों ने किया था और इस अवसर पर अभिषेक आसलिया के पुत्र नक्षत्र आसलिया का जन्म दिन भी मनाया गया। सांसद ने कहा कि मैं हमेशा ही समाज उत्थान के लिए कार्य करता हूं और राज्यसभा में भी समय समय पर सामाजिक उत्थान के मुद्दों को कई बार उठा चुका हूं और जिसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश के लोगों के साथ अपना भावात्मक रिश्ते का उल्लेख करते हुए कहा कि जब-जब भी मुझे अपने समाज के लोगों और प्रबुद्ध जनों के दर्शन करने की उत्कट अभिलाषा होती है तो,मैं अपने आप को रोक नहीं पाता हूं और इसके साथ ही मध्य प्रदेश का दौरा होने पर , मै देवास पहुंचकर , भगवान विश्वकर्मा के मन्दिर में दर्शन लाभ के लिए अवश्य ही पहुंचता हूं।

मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने सांसद रामचन्द्र जांगड़ा का प्रदेश सभा की तरफ से स्वागत करते हुए कहा की, आज आपके देवास आगमन से समस्त जांगिड समाज आपको, अपने मध्य पाकर गौरवान्वित महसूस कर रहा है। देवास में आपका हार्दिक अभिनंदन और पलक पांवड़े बिछाकर स्वागत है। उन्होंने कहा कि सांसद महोदय, समाज की ज्वलन्त समस्याओ के समाधान के लिए निरन्तर प्रयास करते रहते है और इसके साथ ही देश की सबसे बड़ी पंचायत और लोकतंत्र का मन्दिर और सर्वोच्च संस्था, राज्य सभा में भी ,एक प्रखर वक्ता, के रूप में अपनी बुलन्द आवाज के साथ तर्क पूर्ण तरीके से अपनी बात रखते हैं और आपके तर्क संगत और विवेक पूर्ण बहस को देखकर,समाज गद -गद हो जाता है। इन्होंने अपना जीवन समाज उत्थान के लिए समर्पित कर दिया है तथा जिस प्रकार से ईमानदारी और कुशलतापूर्वक तरीके से सांसद द्वारा समाज का नेतृत्व किया जा रहा है उससे जांगिड समाज का नाम गौरवान्वित हुआ है। पिछड़ा वर्ग महापंचायत के प्रदेश अध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में, विश्वकर्मा समाज का कोई भी विधायक और सांसद नहीं हैं लेकिन राज्यसभा सदस्य जांगड़ा का सान्निध्य और मार्गदर्शन हमें सदैव ही मिलता रहा है। विश्वकर्मा वंशज जिला देवास के अध्यक्ष पी.डी. शर्मा तथा मंदिर प्रबंधन समिति अध्यक्ष राकेश शर्मा के नेतृत्व में सांसद रामचन्द्र जांगड़ा का भव्य स्वागत किया गया। इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग पंचायत के अध्यक्ष एवं विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड के पूर्व सदस्य राजेश विश्वकर्मा चकल्दी, विश्वकर्मा जनसंगठन के प्रदेश अध्यक्ष मनोज विश्वकर्मा ग्वालियर, संगठन मंत्री छगनलाल विश्वकर्मा पिपलोदिया, कोषाध्यक्ष राधेश्याम पांचाल, प्रचार मंत्री विष्णु विश्वकर्मा राजोदा, कारपेंटर शिवनारायण और ओमप्रकाश, विजय शर्मा, राजीव शर्मा, हुकुमचंद शर्मा और मातृशक्ति भी शामिल हैं।

मध्यप्रदेश अध्यक्ष, प्रभु दयाल बरनेला।

'विश्वकर्मा टूडे न्यूज यू ट्यूब चैनल 7 नवम्बर से बिजेनस टाइम कार्यक्रम की शुरुआत'

महासभा प्रधान ,रामपाल शर्मा

उदीयमान पत्रकार, सूक्ष्म विश्लेष्क, आधुनिक सोच और सद व्यवहार जैसे गुणों से परिपूर्ण और सामाजिक मूल्यों के पैरोकार, विनम्रता और सादगी के द्योतक, विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सम्पादक और विश्वकर्मा न्यूज चैनल के हैड नरेश शर्मा , अब किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने जिस प्रकार से अपने पिता आर. पी. शर्मा द्वारा लगाए गए इस पौधे को पुष्पित और पल्लवित किया है उसे विश्वकर्मा टूडे पत्रिका की गरिमा को चार चांद लग गए हैं। इस पत्रिका द्वारा गरिमा पूर्ण ढंग से 10 वर्ष की अवधि पूरी होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं और इसकी लोकप्रियता निरन्तर बढ़ रही है।

विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सम्पादक और विश्वकर्मा न्यूज चैनल के हैड नरेश शर्मा

नरेश शर्मा द्वारा अपने पिता की विरासत को न, केवल आगे बढ़ाने का कार्य किया है अपितु **इस पत्रिका के साथ-साथ विश्वकर्मा न्यूज यूट्यूब चैनल की शुरुआत करके समाज में सामाजिक, राजनैतिक, स्वस्थ्य सम्बंधी और उद्योग और व्यापार संबंधी जानकारी देने के साथ ही समाज में चेतना का शंखनाद किया है** और वह अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने का दायित्व बखुबी निभा रहे हैं तथा उनके सपनों को साकार करने की दिशा में अग्रसर हैं और उनकी 5वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 7 नवम्बर 2025 को नरेश शर्मा ने **बिजनेस टाइम कार्यक्रम** की शुरुआत के साथ ही, अपने दायित्व को पूर्ण करते हुए उनके प्रति सच्चा और आत्मीय सम्मान परिलक्षित किया है।

रामपाल शर्मा ने, इस नए कार्यक्रम **बिजनेस टाइम** के श्री गणेश के अवसर पर बधाई देते हुए कहा कि इससे जहां, समाज के व्यावसायिक विकास को एक नई दिशा मिलेगी, वहीं इस कार्यक्रम के माध्यम से **समाज के व्यवसायों को आर्थिक दृष्टि से सशक्त और समृद्ध बनाने के साथ ही, ऐसे उत्पादों की देश-विदेश में विशेष पहचान हो सकगी और आपसी सहयोग से उन्नति के नए आयाम स्थापित होंगे।** आज के इस सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल युग में, हर व्यक्ति के पास मोबाइल, कंप्यूटर या लैपटॉप उपलब्ध है, जिससे वह घर बैठे ही किसी भी व्यवसाय की विस्तृत जानकारी हासिल करने के साथ ही, उन व्यवसायियों से भी सीधे संपर्क करना संभव है। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल युग में **बिजनेस टाइम** समाज के व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम बन सकता है । इस कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के प्रत्येक व्यवसाय के बारे में विस्तृत और सर्वांगीण जानकारी दी जाती है - कौन व्यक्ति व्यवसाय संभाल रहा है, व्यवसाय कहाँ स्थित है, कौन-कौन से उत्पाद या सेवाएं उपलब्ध हैं। नरेश शर्मा का यह प्रयास वास्तव में, समाज के आर्थिक उत्थान और विकास के साथ-साथ उनके गहरे समर्पण का परिचायक भी है। उन्होंने अपने पिता के सपनों को पंख लगाने के लिए **"बिजनेस टाइम"** कार्यक्रम आरंभ कर समाज सेवा में एक अद्भुत और अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिससे उनका नाम सदैव ही स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा।

प्रधान ने कहा कि अब समाज का भी यह सर्वोच्च दायित्व बनता है कि नरेश शर्मा द्वारा किए गए उत्कृष्ट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए उनका मनोबल बढ़ाने का स्तुत्य प्रयास करें, जिससे उनके द्वारा समाज हित में पहले से चलाए जा रहे कार्यक्रम, सामाजिक धरोहर, खास मुलाकात और स्वास्थ्यम विशेष बहुत ही लोकप्रिय हैं और समाज बंधुओं द्वारा किए गए, अनवरत सहयोग से उनको एक नई ऊर्जा मिलेगी। आप सभी इस समाजोन्मुखी अभियान में अपना भरसक सहयोग प्रदान करें। यह छोटा-सा प्रयास न केवल नरेश शर्मा का ,मनोबल बढ़ाएगा, बल्कि आर. पी. शर्मा के सपनों को भी साकार करने में भरपूर रुप से सहायक होगा।

मैं पुनः नरेश शर्मा को बधाई देता हूं। विपुल धन्यवाद।

समय का सद्पयोग ही "जीवन की वास्तविक प्रगति का राज" है....

आधुनिक युग में केवल वही व्यक्ति जीवन में आशातीत सफलता हासिल करेगा, **जो समय के साथ चलते हुए और समय को भगवान का अमूल्य उपहार समझते हुए, उसकी कद्र करना जानता है कि समय ही जीवन की प्रगति का राज हैं।** जिसने समय के रहते हुए ही, समय को पहचान लिया है तथा समय की कद्र करते हुए,समय का सदुपयोग करना भलीभांति सीख लिया है, वह इस दुनिया की भाग दौड़ में कभी भी पीछे नहीं रहता है अपितु सबसे आगे और अव्वल ही रहा है । सफलता का एक ही मूल मंत्र है और वह है, **समय की पहचान** जिसने भी इस कार्ययोजना पर कार्य करते हुए आगे बढ़ने का स्तुत्य प्रयास किया है, **सफलता उसका गहना बनती है और वह अपना लक्ष्य भी हासिल कर लेता है और यह बात कुछ हद तक सत्य भी है।**

कवि दलीचंद जांगिड

प्रबुद्ध ज्ञानीजनों की मान्यता है कि धनुष से निकला हुआ तीर और बीता हुआ समय वापिस लौट कर कभी भी वापस नहीं आता है । इसलिए यह परमावश्यक है कि **भगवान ने आपको जो अमूल्य समय दिया है उसका तर्क पूर्ण और विश्वसनीय तरीके से सदुपयोग करें, अन्यथा फिर पछतावा करने से कोई लाभ नहीं होगा, जब चिड़िया चुग गई खेत।** इसलिए मन से इस अवधारणा का सदैव के लिए परित्याग करदे कि आज नहीं तो कल,समय को कोई भी पकड़ नहीं पाया है, लेकिन, **जिसने समय की अहमियत और उपयोगिता को पहचान लिया है ,तो वह निश्चित रुप से ही अपने निर्धारित लक्ष्यों को हासिल कर सकता है, वरना गुजरा हुआ जमाना फिर लौटकर कभी भी नहीं आता है और यह बात हमेशा ही सदा ध्यान में रखनी चाहिए।**

एक बुद्धिमान व्यक्ति का मानना है कि जो भी व्यक्ति समय की कद्र करता है, समय भी उसे ही महत्व देता है। **इसलिए जो समय रहते ही, इस बहूमूल्य समय रुपी कीमती हीरे को पहचान लेता है, तो फिर उसको कभी भी पश्चाताप की अग्नि में नहीं जलना पड़ेगा।** अगर एक बार समय की डोर आपके हाथ से छूट गई तो, उसको पकड़ना मुश्किल ही नहीं अपितु असंभव भी हो जाएगा। बहुत से लोग अपनी जिंदगी में इसलिए भी पीछे रह जाते है, क्योंकि उन्होने समय को बड़े ही हल्के में लिया। **लेकिन इसके विपरित जो इंसान हर पल का सही और बुद्धिमता पूर्ण तरीके से सदुपयोग करता है और वही जीवन में आशातीत सफलता और प्रगति हासिल कर करता है।**

मैं अपने अनुभव के आधार पर सभी महानुभावों को **यह सुझाव देना चाहता हूं कि, अपने काम में कभी भी टाल-मटोल मत करना, बिना काम की फालतू की गप-शप में समय व्यतित करना, प्रात:काल में देरी से उठना और आज का काम कल पर टालना और सोशल मीडिया के माध्यम से अनावश्यक रूप घंटों की बरबादी करना, किसी भी कार्य को करने का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं करना, यह सभी आदतें ऐसी हैं, जो तुम्हारा भविष्य चुरा रही हैं। इसलिए कहा गया है कि समय की कद्र करना खुद की कद्र करने जैसा ही है। आज तुम समय की इज्जत करोंगे, तो कल समय तुम्हें इज्जत देगा।**

इस बात को तो अंग्रेजों ने भी बहुत ही अच्छी तरह से पहचाना है, और वह कहते है कि टाईम ईज मनी यानि की समय एक प्रकार से अमूल्य धन के समान है। इसलिए समय का सही उपयोग करने से धन में भी बढ़ोतरी होती है और भविष्य भी उज्ज्वल होता है। **इसीलिए वर्तमान समय का सही सदुपयोग ही जीवन प्रगति का वास्तविक राज है।**

☆☆☆

दलीचंद जांगिड सातारा , महाराष्ट्र

डॉ. हेमलता जांगिड , स्वास्थ्य विभाग हरियाणा में मेडिकल अधिकारी बनीं

जीवन में परिश्रम और आत्मविश्वास तथा दृढ़ संकल्प ही सफलता के ऐसे मूल मंत्र हैं जो कभी भी व्यर्थ में नहीं जाते हैं और वास्तव में यही उस सफलता की आधारशिला भी रखते हैं और यह मानना है डॉ. हेमलता जांगिड का, जो हाल ही में, हरियाणा सरकार में मेडिकल अधिकारी के पद पर चयनित हुई है। अपने आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से वह अपने लक्ष्य में सफल भी हुई है। डॉक्टर हेमलता जांगिड ने, जो पहली बार नीट की परीक्षा में असफल होने से निराश हो गई थी, लेकिन उसके माता-पिता और भाईयों ने उसका हौसला बढ़ाया और जिसके कारण ही उसने वह नीट की परीक्षा पास की और सन् 2018 में एम.बी.बी.एस. में दाखिला लिया और आज, एक सफल डॉक्टर बनकर वह हरियाणा सरकार में, मेडिकल अधिकारी के पद पर जुलाना में कार्यरत है।

अपनी सफलता की कहानी का उल्लेख करते हुए, डॉ. हेमलता जांगिड ने कहा कि उनके पिता दिल्ली पुलिस में सहायक निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं और और उनकी माँ एक सुघड़ ग्रहणी है और उनकी मां भी, अपने जीवन में डॉक्टर बनना चाहती थी, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया और उसके डॉ. बनने के सपनों को नज़र लग गई। लेकिन उसने अपनी विद्वत्ता और योग्यता को अपने बच्चों में डालकर और अभिप्रेरित करके, मेरे बड़े भाई को पी.जी., डॉक्टर बनाया तथा मेरा छोटा भाई सौरभ जांगिड पी.एच.डी. कर रहा है और मुझे भी डॉ. बनाकर अपने सपनों को मूर्त रूप दिया है। मैं समझती हूँ कि यह सब मेरी माँ का परिश्रम और साधना ही है, जिसने अपने अधूरे सपने को, अपने सभी बच्चों को डॉ. बनाकर पूरा किया है और इसके साथ मेरे देवता स्वरूप पिता ने भी अपनी जरूरतों पर अंकुश लगाकर और पैसा उधार लेकर अपने बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करवाई है।

डॉ. हेमलता ने कहा कि, उनका जन्म 21 जनवरी 1998 में गांव भदानी, जिला झज्जर में पिता कृष्ण कुमार जांगिड और माँ श्रीमती शकुंतला देवी जांगिड के घर हुआ । डॉ. हेमलता ने, अपनी प्रारम्भिक शिक्षा, शिक्षा भारती वरिष्ठ विद्यालय रोहतक, से हासिल की और उसके बाद सन् 2015 में पहली बार नीट यू.जी. का पेपर दिया, लेकिन दुर्भाग्यवश मैं, असफल रही लेकिन मेरे माता-पिता और बड़े भाई, डॉ. अरविन्द जांगिड ने मुझे ढांढस बंधाया और प्रोत्साहित किया और मैंने सन् 2017 में दोबारा नीट यू.जी. की परीक्षा दी और इसमें मुझे सफलता मिली और मेरा, भगत फूल सिंह मेडिकल कॉलेज गोहाना में, एम.बी.बी.एस. में दाखिला मिल गया।

डॉ. हेमलता जांगिड ने सन् 2024 में अपनी एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई पूरी की और उसके पश्चात पोस्ट ग्रेजुएशन में दाखिला लेने के लिए तैयारी शुरू कर दी तथा दिसंबर 2024 में हरियाणा मेडिकल सिविल सर्विसेज के लिए मेडिकल अधिकारियों के पदों के लिए विज्ञापन निकला और अगस्त 2025 में, उनका चयन मेडिकल अधिकारी के पद पर हुआ है और उन्होंने अपना पदभार जुलाना, जींद में ग्रहण किया है और वह पी.जी. परीक्षा की तैयारी कर रही है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने डॉ. हेमलता जांगिड के मेडिकल अधिकारी बनने पर बधाई देते हुए कहा कि, यह उसकी उत्कट जिजीविषा और आत्मविश्वास का ही परिणाम है कि, उसने अपनी मेहनत और पुरुषार्थ से अपने माता-पिता के सपनों को साकार किया है। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

☆☆☆

सम्पादक, राम भगत शर्मा

डॉ. भव्या जांगिड हरियाणा में मेडीकल अधिकारी बनीं

अपनी मेहनत पुरुषार्थ और संकल्प तथा इच्छा शक्ति के बल पर जीवन में अनेक बाधाओं के बाद, डॉ. बनी, भव्या जांगिड का मानना है कि जीवन में ईमानदारी से काम करना, हर व्यक्ति के प्रति संवेदनशील रहना और जीवन में प्रत्येक क्षण कुछ न कुछ नया सीखते रहना ही, उनकी सफलता का मूल मंत्र है और उन्होंने इस मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही, डॉ. का यह पेशा चुना है।

मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण **डॉ. भव्या जांगिड ने कहा कि मैं चाहती तो भारतीय प्रशासनिक सेवा और हरियाणा सिविल सर्विस की तैयारी करके एक बड़ी अधिकारी बनने के लिए प्रयास कर सकती थी, लेकिन मेरा उद्देश्य मानवता की सेवा करना है और इसके माध्यम से समाज के गरीब लोगों की जो बड़े बड़े शहरों में पैसे के अभाव में अपना ईलाज नहीं करवा सकते हैं उन गरीब लोगों का ईलाज करके उसे जो सुकून मिलता है और उनकी जो दुआएं और आशीर्वाद मिलता हैं, वह पैसे से कहीं अधिक मूल्यवान हैं और मेरे माता-पिता ने भी मुझे यही संस्कार दिए हैं।**

डॉक्टर भव्या जांगिड का जन्म, पिता विनोद जांगिड और माता श्रीमती मीना रानी जांगिड के घर हुआ और उसके माता-पिता दोनों ही हरियाणा शिक्षा विभाग में अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। डॉ. भव्या ने बताया कि उन्होंने सन् 2015 में, शिक्षा भारती स्कूल रोहतक से 10वीं कक्षा और इसके पश्चात वर्ष 2017 में मदर खज़ानी कॉन्वेंट स्कूल दिल्ली से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की और वर्ष 2018 में नीट यू.जी. की परीक्षा उत्तीर्ण की और उसके बाद चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के, संबद्ध कॉलेज से एम.बी.बी.एस. की 2024 में डिग्री हासिल की फिर, हरियाणा सिविल मेडिकल सविसेज की परीक्षा दी और सितम्बर 2025 से वह एम.ओ., के पद पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मदीना, जिला रोहतक में अपनी सेवाएँ दे रही है।

उन्होंने कहा कि मेरे राष्ट्र निर्माता, अध्यापक माता-पिता ने मुझे बेहतरीन संस्कार दिए हैं और जीवन में हमेशा ही, सच्चाई, मेहनत, ईमानदारी से कार्य करना सिखाया। **वह भविष्य में, एक ऐसी डॉक्टर बनना चाहती है जो, न केवल इलाज करें बल्कि निराशा के गर्त में डूबे हुए मरीजों को एक उम्मीद की किरण भी दे। मेरे लिए डॉक्टर होना, सेवा, समर्पण और आशीर्वाद तीनों का एक मधुर संगम है और इस संगम का पालन मैं, जीवन भर सत्य निष्ठा और ईमानदारी से करना चाहती हूँ।** उन्होंने कहा कि **डॉक्टर बनना मेरे लिए सिर्फ़ एक सपना नहीं है, बल्कि एक संकल्प था ताकि समाज के गरीब लोगों के जीवन में अपनी संवेदनशीलता के माध्यम से उनको अभिभूत करके उनको राहत देते हुए उनके विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास किया जाए और मैं मानती हूँ कि सफलता को असली पहचान तब मिलती है, जिस समय हमारा ज्ञान किसी के दैविक, दैहिक और मानसिक दर्द और पीडा़ को कम करे।** मेरे जीवन का सिद्धांत बड़ा ही सरल है, ईमानदारी से अपना कर्म करना, हर व्यक्ति के प्रति संवेदनशील रहना और नए-नए आविष्कार सीखना शामिल है। उनका छोटा भाई यजत जांगिड भी राजस्थान से एम.बी.बी.एस. कर रहा है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, भव्या जांगिड को मेडिकल अधिकारी बनने पर बधाई देते हुए कहा है कि डॉक्टर को भगवान का रूप माना जाता है और जिस प्रकार से उसके माता-पिता ने उसको, जो संस्कार दिए हैं, उसे ऐसा प्रतीत होता है कि वह समाज के गरीब वर्ग के लोगों की सेवा करते हुए उनकी अपेक्षाओं पर खरे उतरते हुए आशीर्वाद हासिल करेगी। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं। विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

जयकिशन राजोतिया, रोहतक

वासुदेव जांगिड राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए

वासुदेव जांगिड राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बने।

जीवन में जो व्यक्ति अपने संकल्प और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए अपने लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करता है, उसके लिए यह जरूरी नहीं की उसको पहले प्रयास में ही सफलता मिल जाए, लेकिन यह निश्चित है कि असफलता की दीवार पर ही सफलता की नींव रखी जा सकती है और ऐसा ही मानना है, अलवर राजस्थान के रहने वाले और 15 अक्टूबर को घोषित किए गए, राजस्थान प्रशासनिक सेवा के परीक्षा परिणाम में **201वां** रैंक हासिल करने वाले **वासुदेव जांगिड** का, जिन्होंने अपना लक्ष्य निर्धारित करते हुए सफलता का वरण किया है।

वासुदेव जांगिड का जन्म पिता देवसहाय जांगिड और माता श्रीमती मीरा जांगिड के घर सन् 1997 में अलवर में हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा **राजकीय संस्कृत विद्यालय अलवर** में हुई और सन् 2017 में उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी टेक की डिग्री हासिल की और सन् 2021 में पहली बार आर.ए.एस. की परीक्षा दी और 448 ए, रैंक हासिल किया था और वर्तमान में वह, राजस्थान सरकार के सहकारी विभाग में सहकारी निरीक्षक के पद पर कार्य कर रहे हैं। वासुदेव के पिता प्रधानाचार्य, देवी सहाय जांगिड ने कहा कि वासुदेव की पढ़ने में बचपन से ही अभिरुचि रही है और उनको **10 वीं कक्षा में, संस्कृत विभाग में मेरिट में स्थान प्राप्त करने पर, झुंझुनूं के तत्कालीन भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, जिला कलेक्टर जोगाराम जांगिड, द्वारा सम्मानित किया गया था।** वासुदेव कहते हैं कि **वह क्षण मेरे लिए एक प्रेरणा स्रोत बन गया और मैंने मन में यह संकल्प लिया कि भविष्य में, मुझे भी एक प्रशासनिक अधिकारी बनना है।** अपने इस लक्ष्य को संकल्प में मूर्त रूप देते हुए ही उन्होंने राजस्थान प्रशासनिक सेवा की परीक्षा की तैयारी की यात्रा शुरू हुई।

वासुदेव ने अपनी सफलता के पीछे उनके पिता देवीसहाय जांगिड और मां श्रीमती मीरा जांगिड का अमूल्य योगदान बताते हुए कहा कि, माता-पिता ने मुझे बेहतर संस्कार और शिक्षा प्रदान करके यहां तक पहुंचाने का काम किया है। पिता ने मुझे जीवन में मेहनत और शिक्षा का महत्त्व सिखलाया और उन्होंने खुद पढ़ाया और मां ने इस यज्ञ में धैर्य और संस्कारों का घी डालकर आगे बढ़ना सिखलाया है। वह अपने जीवन का **आदर्श सरलता, सादगी और विनम्रता के प्रतीक, भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ समित शर्मा को मानते है और कहते हैं कि मैंने उनसे जीवन में ,सीखा है कि सफलता केवल पद प्राप्त करने में नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में है और इन रामबाण वाक्यों को आत्मसात करते हुए ही, मैंने अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का निरंतर प्रयास करता रहूँगा।**

उन्होंने कहा कि आर ए एस 2023 परीक्षा का परिणाम 15 अक्टूबर को घोषित हुआ है जिसमें **201वीं रैंक** हासिल हुई है। इस सफलता में मेरे बड़े भाई कनिष्ठ लेखाकार आशुतोष जांगिड का भी बहुत बड़ा योगदान रहा है। जिनके मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग से यह सपना साकार हुआ। क्योंकि वह स्वयं भी आर ए एस की तैयारी कर रहे हैं उनका धैर्य और समर्पण ही मेरे लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आर ए एस 2024 की परीक्षा पास की है और आशा है कि वह इस परीक्षा में अवश्य ही सफलता हासिल करेंगे। इसके साथ ही मेरे ताऊ ओमप्रकाश जांगिड, मेरी बहन **मानसी जांगिड** और **गुरुजनों** का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने हर कदम पर मार्गदर्शन किया। अंत में, आर ए एस के भावी कर्णधारों को मैं, यही कहना चाहता हूं कि वह अपने **जीवन का लक्ष्य निश्चित करें,** और उसे प्राप्त करने के लिए **अथक परिश्रम और धैर्य के साथ आगे बढ़े इससे जीवन में सफलता अवश्य ही हासिल होगी।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने ,वासुदेव जांगिड के, आर. ए. एस. अधिकारी बनने पर बधाई देते हुए कहा कि **जीवन में सफलता हासिल करने के लिए उन्होंने ,पुरुषार्थ और संकल्प के साथ आगे बढ़ने का लक्ष्य निर्धारित किया जिससे यह सफलता हासिल हुई।** मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं और आशा करता हूँ कि वह भविष्य में भी समाज का नाम इसी प्रकार से गौरवान्वित करते रहेंगे।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष, घनश्याम शर्मा

आशु जांगिड ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित हुई

आशु जांगिड आर.ए.एस. अधिकारी बनीं।

जीवन में कोई भी लक्ष्य हासिल करना कठिन नहीं होता है, कठिन है तो केवल मजबूत इरादे, कठिन साधना और आत्मविश्वास के साथ-साथ अदम्य जिजीविषा और इच्छा शक्ति का होना और अपनी अथक साधना और आत्मविश्वास के साथ,आशु जांगिड ने अपना लक्ष्य निर्धारित करके आत्मविश्वास की दीवार पर चढ़कर सफलता हासिल करने का प्रयास किया और उसे सफलता हासिल हुई। यह मानना है राजस्थान के जयपुर की रहने वाली आशु जांगिड का, जिन्होंने वर्ष 2023 में आयोजित राजस्थान प्रशासनिक सेवा में **324 रैंक** हासिल करके, न केवल अपने अभिभावकों का अपितु समाज और प्रदेश का नाम भी गौरवान्वित किया है। उनका जन्म जयपुर में पिता दिनेश कुमार जांगिड और माता श्रीमती ननीता जांगिड के घर हुआ और उन्होंने 10वीं और 12वीं शिक्षा महेश्वरी बालिका विश्वविद्यालय जयपुर से पास की और अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए कामर्स में स्नातक और फिर 2024 में लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर की डिग्री राजस्थान विश्वविद्यालय से हासिल की है। उन्होंने पहली बार सन् 2021 में आर.ए.एस. की परीक्षा दी, पहले प्रयास में असफल रही लेकिन मैंने अपनी कमजोरियों को पहचानते हुए उन पर पूरा ध्यान दिया और पूरा ध्यान केंद्रित किया और दूसरे प्रयास में मेहनत रंग लाई और आर.ए.एस. 2023 में 314 वीं रैंक हासिल करके सफलता पाई है।

उन्होंने कहा कि परीक्षा तैयारी करते समय सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाए रखी ताकि पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित किया जा सके। उन्होंने कहा कि मेरा अगला लक्ष्य भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाना है और मैंने पहले से ही,आर.ए.एस. के साथ-साथ ही यूपीएससी की तैयारी करनी शुरू की हुई है और इसका लाभ भी मुझे राजस्थान प्रशासनिक में मिला है। माता-पिता ने जहां मुझे बेहतर संस्कार दिए, वहीं इसके साथ ही हमेशा ही मुझे अपनी मर्जी के अनुसार आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित भी किया।

आशु जांगिड के पिता, दिनेश कुमार जांगिड ने बताया कि आशु जांगिड की जिज्ञासा हमेशा ही नई-नई चीजें जानने के लिए रहती थी और यही जिज्ञासा उसको राजस्थान प्रशासनिक सेवा के दरवाजे पर ले आई। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ तैयारी करते हुए सैल्फ स्टडी करके, इच्छा शक्ति के साथ बिना किसी कोचिंग क्लास के यह परीक्षा पास की है। मुझे अपनी बेटी पर गर्व है कि उसने सीमित साधनों के बावजूद भी अपना लक्ष्य निर्धारित किया और अपने सपनों की उड़ान को पूरा करने के लिए उसने अथक प्रयास, मेहनत और कठिन पुरुषार्थ किया और इसका फल भी उसको हासिल हुआ है।

उनकी मां श्रीमती ननीता जांगिड ने कहा कि मेरी बेटी का जज्बा और जुनून शुरू से ही लाजबाव और उल्लेखनीय रहा है और यही कारण है कि वह अपना लक्ष्य हासिल करने में सफल रही है। हालांकि पहले प्रयास में वह असफल रही। लेकिन सफलता का रास्ता असफलता से होकर ही जाता है और इसका सजीव और जीवन्त उदाहरण, आशु जांगिड है। आशु ने अपने प्रेरणा स्रोत के बारे में कहा कि, दादा रत्न लाल जांगिड, दादी श्रीमती छोटी देवी जांगिड, माता-पिता, चाचा जितेन्द्र जांगिड, चाची सुनिता जांगिड सहित पूरा परिवार है, जिन्होंने मेरा हमेशा हौसला बढ़ाया और कदम-कदम पर साथ दिया।

आर.ए.एस. की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को सफलता के लिए मूल मंत्र बताते हुए, उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया बहुत लम्बी है, लेकिन इसके लिए धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखना बहुत ही जरूरी है। सफलता हासिल करने के लिए हार और विफलता से कभी भी डरना नहीं चाहिए क्योंकि सफलता का रास्ता असफलता से होकर ही जाता है। इसके साथ ही अपने नोट्स तैयार करें और प्री और मेन परीक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने समय का सदुपयोग करें।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, आशु जांगिड को राजस्थान प्रशासनिक सेवा की अधिकारी बनने पर बधाई देते हुए कहा कि मेहनत और पुरुषार्थ ऐसे दो मूल मंत्र हैं, जो सफलता के लिए रास्ता प्रशस्त करते हैं और आशु जांगिड ने अपनी असीम प्रतिभा का परिचय देते हुए ही इस कठिन परीक्षा में सफलता हासिल करके माता-पिता के साथ ही समाज का नाम गौरवान्वित किया है। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

अनिकेत शर्मा राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए

जीवन में सफलता का एक ही मूल मंत्र है और वह है,अपना लक्ष्य निर्धारित करके उसको हासिल करने के लिए एक जुनून और जिजीविषा के साथ काम करना और इसी फार्मूले को अपना गंतव्य समझ कर पुरुषार्थ और मेहनत और जज्बे के साथ अपना संकल्प पूरा किया है, हिण्डोन के रहने वाले अनिकेत शर्मा ने , जिन्होंने अपने सपनों को राजस्थान प्रशासनिक सेवा वर्ष 2023 में **326 वां** रैंक प्राप्त करके , हिंडौन क्षेत्र मे अपने परिवार के साथ समाज को भी गौरवान्वित किया है। वह माता श्रीमती मंजू लता शर्मा और पिता कृष्ण कुमार शर्मा के घर में 11 सितंबर 1999 को हिण्डोन सिटी में पैदा हुए। इनके पिता कृष्ण कुमार शर्मा राजकीय सेवा में अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। अनिकेत ने अपनी मां श्रीमती मंजू लता शर्मा, दादी सरबती देवी शर्मा और दादा रोशन लाल शर्मा से बेहतर संस्कार ग्रहण किए और जिसका परिणाम यह हुआ कि अनिकेत ने माता-पिता और दादा-दादी द्वारा दिए गए , उदात्त संस्कारों को आत्मसात करते हुए ही , कड़ी मेहनत एवं लगन और पुरुषार्थ से कार्य करते हुए ही अपना लक्ष्य हासिल किया है।

अनिकेत शर्मा राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बने।

अनिकेत शर्मा के पिता कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि, अनिकेत बचपन से ही तीक्ष्ण बुद्धि का विद्यार्थी रहा है और उन्होंने अपनी 10वीं कक्षा केशव विद्या मन्दिर हिण्डोन से 95 प्रतिशत अंक हासिल करके और 12 वीं कक्षा में लगभग 90 प्रतिशत अंक हासिल करके अपनी प्रतिभा का परिचय दिया और वह भगवान पर अगाध भरोसा और विश्वास रखता है और यही कारण है कि उसको दिए गए बेहतर संस्कार और ईश्वर भक्ति के साथ-साथ ही उसने कड़ी मेहनत और पुरुषार्थ करते हुए ही यह आशातीत सफलता हासिल की है। अनिकेत ने प्रारंभिक शिक्षा, हिंडौन से पूर्ण करके, दिल्ली टैक्नोलॉजीकल विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में सन् 2021 में बी. टेक. की डिग्री हासिल की और जीवन में उच्च अधिकारी बनने का निर्णय लिया और तैयारी शुरू कर दी।

अनिकेत शर्मा ने कहा कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान ही, उन्होंने अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया था और उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करके, इस दिशा में कार्य करना प्रारंभ किया और पहली बार उन्होंने सन् 2021 में आर. ए.एस. की परीक्षा दी, लेकिन अन्त में, निराशा ही हाथ लगी और फिर अपनी कमियों पर ध्यान देते हुए, द्वितीय प्रयास में यह सफलता प्राप्त हासिल की है और राजस्थान प्रशासनिक सेवा में सन् 2023 में आयोजित परीक्षा का परिणाम जो 15 अक्टूबर को घोषित हुआ है, में 326 वां रैंक हासिल करके अपने अभिभावकों और समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

अनिकेत शर्मा कहा कि, उनका प्रमुख लक्ष्य समाज में, शिक्षा के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ, प्रशासन में अपेक्षित सुधार, महिला शिक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में काम करने का मुख्य उद्देश्य रहेगा। उन्होंने कहा कि यह मेरी आखरी मंजिल नहीं है और वह भारतीय प्रशासनिक सेवा में भी अपना भाग्य आजमाना चाहते हैं और इसके लिए भी उन्होंने साथ-साथ तैयारी शुरु कर दी है। आर.ए.एस. की परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं को सफलता का मूल मंत्र बताते हुए, कहा कि इसके लिए तीनों चरण, प्री,मेन और साक्षात्कार तीनों पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है और इसके साथ ही संयमित दिनचर्या को आत्मसात करते हुए सारा सिलेबस कवर करने के लिए स्मार्ट स्टडी फार्मूला अपनाएं और तैयारी के समय बेसिक बुक्स पढ़नी चाहिए तभी सफलता मिलेगी और 9 से 12वीं तक की किताबें अच्छी तरह पढ़कर, सब्जेक्ट वाइज कई टेस्ट पेपर सॉल्व करें और सेल्फ मॉक टेस्ट पर फोकस करें , तो आपको इसमें सफलता अवश्य ही मिलेगी।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, अनिकेत शर्मा के राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयन होने पर बधाई देते हुए कहा कि, उन्होंने अपना लक्ष्य निर्धारित करके उस पर जुनून और तन्मयता पूर्ण तरीके से कार्य किया तभी सफलता हासिल हुई है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि भविष्य में भी वह अपने सपनों को साकार करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा की परीक्षा पास करके अपने माता-पिता का नाम गौरवान्वित करेगा। मैं उसके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

सम्पादक विश्वकर्मा टूडे, नरेश शर्मा

जयपुर के आर्यन शर्मा ने,बैचलर इन आर्किटैक्चर 2025 में, स्वर्ण पदक हासिल किया

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने 11 अक्टूबर को आर्यन को स्वर्ण पदक लेकर सम्मानित किया गया

जीवन में, जो व्यक्ति चुनौतियों का सामना साहस, हिम्मत और धैर्य पूर्वक तथा समर्पण भाव से करते हुए तथा अपने निर्धारित लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का कार्य करता रहता है, वह अपने उद्देश्य में एक दिन अवश्य ही सफलता हासिल कर लेता है और ऐसे ही, बहुआयामी प्रतिभा के धनी हैं, जयपुर के रहने वाले आर्यन शर्मा, जिन्होंने न केवल आर्किटेक्चर में डिग्री हासिल की है, अपितु पेंटिंग और तैराकी में भी राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अनेक पुरस्कार जीते कर, न केवल अपनी दक्षता और प्रतिभा का परिचय दिया है, अपितु दूसरे युवक-युवाओं के लिए भी एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है कि किस प्रकार से एक युवा, अपनी पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी सामंजस्य बनाए रखते हुए जीवन में आशातीत सफलता हासिल कर सकतें हैं।

आर्यन शर्मा का जन्म, पिता दीपक शर्मा और माता रितू शर्मा के घर 13 जून 2002 को पैदा हुए। इनके पिता ने सन् 2014 में, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग राजस्थान से एक्सियन के पद से, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर अपनी मै0 थाटस कंसल्टेंसी कम्पनी शुरू की है। आर्यन की प्रारम्भिक शिक्षा, भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम में हुई और उसके बाद जून 2025 में बैचलर इन आर्किटैक्चर में डिग्री हासिल की तथा पढ़ाई के साथ-साथ पेंटिंग और तैराकी में भी अपना भाग्य आजमाते हुए,नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

आर्यन शर्मा के दादा, राजस्थान उच्च न्यायालय में एडवोकेट और विनम्रता प्रतिमूर्ति आर.डी.शर्मा ने बताया कि आर्यन शुरू से पढ़ाई में अव्वल रहे है और माता-पिता ने उसको बेहतर संस्कार दिए है और यही कारण है कि वह अपना हर लक्ष्य साधने में सफल रहे है। आर्यन को 11 अक्टूबर को वर्ष 2025 में बैचलर इन आर्किटैक्चर में स्वर्ण पदक हासिल करने पर मालवीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर द्वारा आयोजित 19वें दीक्षांत समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा गोल्ड मेडल देकर कर सम्मानित किया गया।

आर्यन शर्मा के पिता दीपक शर्मा ने बताया कि, आर्यन ने तैराकी में राष्ट्रीय और राज्य स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपने खाते में 165 मेडल और प्रशस्ति जोड़े हैं। पेंटिंग प्रतियोगिताओं में भी आर्यन को अनेक राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अनेक पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। **आर्यन की टीचर के शब्दों में आर्यन का स्कूल स्तर पर पेंटिंग कम्पटिशन में भाग लेना ही, अवार्ड प्राप्त करने की गारंटी है।** इसी क्रम में आर्यन ने वर्ष 2019 में मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर में, बी. आर्किटेक्ट में प्रवेश लेने के पश्चात भी अनेक विषयों में भाग लेकर प्रशस्ति पत्र प्राप्त किए हैं, जिनमें मुख्य प्रतियोगिताओं में ओरिएंटेशन अवार्ड लगभग, फील्ड ऐप्लकैशन एंड कंट्रीब्यूशन अवार्ड, नेशनल एवं राज्य स्तर खेलकूद प्रतियोगिता अवार्ड शामिल है।

तैराकी की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उसकी मां श्रीमती रितू शर्मा ने बताया कि आर्यन ने लगभग 8 साल की उम्र से ही स्विमिंग सीखना शुरू कर दिया था और 8वीं कक्षा में आर्यन ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया था और इस वर्ष 2025 में भी आर्यन को राजस्थान सरकार की तरफ से बेस्ट स्विमर का अवार्ड मिला है। इसके अतिरिक्त आर्यन को सीबीएसई वेस्ट जोन में भी स्विमिंग के लिए रजत पदक भी मिला है। स्विमिंग के अलावा आर्यन को, पेंटिंग में भी अनेक स्टेट एवं नेशनल लेवल पर पुरस्कार हासिल किए है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने विलक्षण प्रतिभा के धनी, आर्यन शर्मा को उसकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि उसने जिस प्रकार से अपनी दक्षता और प्रतिभा के बल पर **स्वर्ण पदक** और तैराकी तथा चित्रकारी में भी अनेक पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्राप्त किए है, भविष्य में भी उसी प्रकार से आर्किटेक्चर के क्षेत्र में भी नए-नए अनुसंधान करके समाज का नाम गौरवान्वित करेगा।

मैं आर्यन के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा (प्रदेश सभा गुजरात)
महीसागर ज़िला सभा जिलाध्यक्ष पद हेतु अधिसूचना,दिनांक-28 - 10- 2025

आदरणीय महीसागर ज़िले के सभी महासभा सदस्यों को सूचित किया जाता है कि महीसागर ज़िला सभा में अब तक महासभा का जिला अध्यक्ष पद रिक्त है। प्रदेश सभा के अध्यक्ष महोदय द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि महीसागर ज़िला सभा के जिलाध्यक्ष का चुनाव आयोजित किया जाए। अतः अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के संविधान के प्रावधानों के अंतर्गत, प्रदेश सभा गुजरात द्वारा महीसागर ज़िलाध्यक्ष चुनाव हेतु यह अधिसूचना जारी की जाती है। संबंधित प्रक्रिया एवं तिथियों की सूचना नीचे दी गई हैं।

क्र.सं.	जिला	सदस्यता मान्य	नामांकन तिथि	नामांकन का स्थान	मतदान तिथि (यदि आवश्यक हुआ तो)
1	महीसागर	07 नवम्बर 2025(शुक्रवार)	19 नवम्बर 2025(रविवार)	श्री विश्वकर्मा फर्नीचर आयुष हॉस्पीटल, के सामने, लुणावाडा, महीसागर	14 दिसम्बर 2025 (रविवार)

नियुक्त चुनाव अधिकारी- श्री मुकेश कुमार हिमतनगर फ़ोन-9662882773**स्थानीय प्रभारी-** श्री महावीर जी जांगिड लुणावाड़ा फोन, 7096791400 **समय निर्धारण व सूचनाएं :** नामांकन आवेदन : निर्धारित तिथि को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक, नामांकन पत्र जांच निर्धारित तिथि को दोपहर 1 बजे से 2:30 बजे तक नामांकन पत्र वापसी : निर्धारित तिथि को दोपहर 2:30 से 3:30 बजे तक, प्रत्याशियों की घोषणा : 4 बजे बाद मतदान (यदि आवश्यक हुआ तो) मतदान के लिए निर्धारित तिथि को प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे। मतगगणना एंव चुनाव परिणामः उसी दिन मतदान के पश्चात, वहीं मतदान स्थल पर।

नोटः निर्विरोध निर्वाचित होने वाले जिला अध्यक्ष को चुनाव अधिकारी द्वारा उसी समय शपथ दिला दी जाएगी।

महामंत्री गुजरात प्रदेश सभा- मानाराम सुथार, प्रदेश चुनाव अधिकारी-बनवारी लाल जांगिड

हिमांशु जांगिड चार्टिड अकाउंटैंट बने।

जीवन में परिश्रम और पुरुषार्थ के साथ , अगर आत्मविश्वास की चाबी भी हाथ लग जाए तो, उस युवा को जीवन में सफलता हासिल करने से कोई भी नहीं रोक सकता है और इसका ज्वलंत उदाहरण है , उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव खानपुर में पैदा हुए हिमांशु जांगिड, जिन्होंने अपनी असीम प्रतिभा और आत्मविश्वास के बल पर, चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में, अपने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल करके, अपने माता-पिता के साथ साथ समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है और इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। हिमांशु जांगिड के पिता, विनम्र स्वभाव और सादगी के प्रतीक , संजय कुमार जांगिड ने कहा कि हिमांशु ने शुरू से ही चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का संकल्प लिया था और इसी संकल्प को पूरा करने के लिए ही, उसने उसी के हिसाब से तैयारी शुरू कर दी और और हाल ही चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ है और अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली परीक्षा में, हिमांशु ने अपने पहले प्रयास में ही चार्टर्ड अकाउंटेंट बनकर अपनी प्रतिभा को सिद्ध कर दिया है। उनका जन्म 19 जुलाई 2002 को माता श्रीमती उमेश जांगिड और पिता संजय कुमार के घर गांव खानपुर, जनपद मेरठ में हुआ। हिमांशु जांगिड के दादा भोपाल जांगिड ने बताया कि उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट की अन्तिम परीक्षा में 600 अंकों में से 344 अंक हासिल करके , न केवल अपने माता-पिता का नाम गौरवान्वित किया है अपितु वह ,जानी ब्लॉक के पहले चार्टर्ड अकाउंटेंट बने हैं।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने, हिमांशु जांगिड को चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने पर महासभा परिवार की तरफ से हार्दिक बधाई देते हुए कहा है कि वह अपने प्रोफेशन में अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से काम करते हुए अपने दायित्व का भलीभांति निर्वहन करते हुए ख्याति अर्जित करेंगे। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

महासभा के उपप्रधान, हरपाल शर्मा।

कर्नल (मानद) पार्वती जांगिड ने फर्स्ट इण्डिया यूथ आइकॉन अवार्ड जीता।

दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास से लबरेज, सिस्टर आफ सोल्जर के नाम से विख्यात, महिलाओं को सशक्तिकरण का सकारात्मक संदेश देने वाली, पाकिस्तान बॉर्डर पर बसे लोगों में आत्मविश्वास और देशभक्ति का भावना जागृत करने वाली पार्वती जांगिड, आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। पिता का साया बचपन में ही , सिर से उठने के बाद भी उसकी देश सेवा की भावना को कुंद नहीं पड़ी और ऐसी होनहार बेटियों को दिल से सलाम है। उन्होंने पहले भी अनेक पुरस्कार जीते हैं, जिनमें **अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 9 मार्च 2025 को, हार्वर्ड द्वारा विश्व की 100 विख्यात महिलाओं में तीसरा स्थान मिला और यह असाधारण उपलब्धि अपने नाम दर्ज करवाने वाली सबसे कम उम्र की महिला बन गई है।** अक्टूबर 2025 में भी उनको फर्स्ट इण्डिया यूथ आइकॉन अवार्ड देकर सम्मानित किया गया है।

फर्स्ट इंडिया न्यूज़ द्वारा आयोजित यूथ आइकॉन आफ द मंथ के विजेता की घोषणा की गई थी और इस बार यह सम्मान राजस्थान की जानी-मानी युवा प्रेरक और महिला अधिकारों की अग्रदूत कर्नल (मानद) पार्वती जांगिड-सुथार को दिया गया है। ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा को बढ़ावा देने वाली पार्वती जांगिड,आज करोड़ों युवाओं और महिलाओं के लिए एक अटूट प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

पार्वती जांगिड-सुथार की यह दिव्य साहसिक यात्रा युवाओं को यह सन्देश देती है कि, साहस और दृढ़ संकल्प और सम्यक दृष्टि के साथ आगे बढ़ने से, असम्भव कार्य भी संभव हो सकता है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत बनने के साथ ही उन उदीयमान युवाओं के लिए एक आशा की किरण बन सकता है। उन्होंने एक ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर संयुक्त राष्ट्र, शार्क शिखर सम्मलेन और ब्रिक्स यूथ फोरम जैसे वैश्विक मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है जो उसकी अद्वितीय प्रतिभा का द्योतक है।

देश के जवानों की सच्ची बहन पार्वती जांगिड- सुथार **अब तक लगभग पांच लाख जवानों को अपने हाथों से बनाए हुए और प्यार और स्नेह की निशानी रक्षा सूत्र बाँध चुकी हैं।** इतना ही नहीं वह, अब तक सैंकड़ों जवानों को अवसाद की विकट परिस्थितियों से बाहर निकाल चुकी है और मैं गर्व से कह सकता हूँ कि वह भारत की एकमात्र ऐसी सिविलियन है, जिन्हे **हमारे सुरक्षा बलों ने ''सिस्टर ऑफ सोल्जर्स'' की उपाधि देकर विभूषित और सम्मानित किया है।** पार्वती को अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं । अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के अवसर पर हार्वर्ड 100 की विश्व की 100 असाधारण महिलाओं की सूची जारी की गई थी और **उस सूची में पार्वती जांगिड को वैश्विक स्तर पर तीसरी रैंक मिली, जो उनकी असाधारण प्रतिभा का द्योतक है और इतना ही पार्वती जांगिड इस लिस्ट में शामिल होने वाली दुनिया की सबसे युवा महिला है।** इसके अतिरिक्त **बलोची दस्तकार अवार्ड** पार्वती जांगिड को हाल ही में बलोचिस्तान देश ने अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान ''बलोची दस्तार'' प्रदान करके सम्मानित किया है। इसी प्रकार , दी रिपब्लिक आफ वुमन, के प्रेसिडेंटियल चुनाव में 120 से अधिक देशों की महिलाओं को पीछे छोड़ते हुए ब्यूटी आन अर्थ टाईटल अपने नाम करते हुए **''द रिपब्लिक आफ वुमन'' की प्रथम अध्यक्षा बनने का गौरव सुश्री पार्वती जांगिड-सुथार को प्राप्त हुआ है। उनको राष्ट्रीय चाणक्य अवार्ड, वीमेन प्राइड अवार्ड, विश्वकर्मा रत्न, भारत गौरव, सुरक्षा बलों के 100 से ज्यादा कमेंडेशन प्रमाण पत्रों सहित कई उच्च कोटि के अलंकरण और सम्मान प्राप्त हुए हैं** और इस उपलब्धि का श्रेय वह अपने शुभचिंतकों और सेना के उन अधिकारियों और जवानों को देती हैं, जिन्होंने उसको बहन का प्यार दिया और हमेशा अपनी बहन की रक्षा करने का वचन दिया है। वह नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है और उनका सिद्धांत बेहद स्पष्ट और सशक्त है। सशक्त महिला ही सशक्त राष्ट्र की नींव रख सकती है। हिमालय की बेटी जिनकी प्रतिबद्धता स्वयं पर्वतराज हिमालय की तरह दृढ़ एवं महान है। पश्चिमी राजस्थान के भारत-पाकिस्तान सीमावर्ती क्षेत्र के गांव गागरिया, बाड़मेर में जन्मी सुश्री पार्वती जांगिड-सुथार, भारत की युवा संसद की प्रतिभाशाली अध्यक्ष तथा राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत महिला हैं और वह विगत 16 वर्षों से दीपावली व रक्षाबंधन के पर्व को भारत रक्षा पर्व के रूप में सुदूर दुर्गम बॉर्डर हो या समुद्री तट की सीमाएं फौजी भाइयों-बहनों के साथ मनाती आ रही हैं। उनको हृदय से सलाम है। फर्स्ट इंडिया न्यूज़ के सीईओ एवं मैनेजिंग एडिटर पवन अरोड़ा ने कहा कि फस्ट इंडिया, पार्वती जैसे प्रेरक युवाओं की कहानी को हर घर तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि फर्स्ट इंडिया यूथ आइकॉन अवार्ड पार्वती को प्रदान करके, अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है और उनकी यह उपलब्धियां पूरे समाज के लिए एक अद्भुत प्रेरणा का विषय है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, पार्वती जांगिड-सुथार को उसकी, अविस्मरणीय उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि, उन्होंने अपना सारा जीवन देश भक्ति और सैनिकों की सेवा में समर्पित कर दिया है और वह एक सशक्त नारी की ज्वलंत मिसाल है।भविष्य में भी देश की सेना के जवानों में, देश भक्ति की लौ को प्रज्ज्वलित करते हुए समाज की प्रतिष्ठा को चार चांद लगाने का काम करेगी। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

डॉ. मोहन सुथार

चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद
जालौर,जोधपुर,डीग,सिरोही,जैसलमेर,ब्यावर,बालोतरा,फलौदी

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, जिला सभा जालौर, जोधपुर, डीग, सिरोही, जैसलमेर, ब्यावर, बालोतरा, फलौदी का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। अतः चुनाव करवाए जाने अपेक्षित है। इन जिलों के चुनाव के लिए प्रदेश सभा, राजस्थान के मुख्य चुनाव प्रभारी बसन्त कुमार जांगिड ने जालौर, जोधपुर, डीग, सिरोही, जैसलमेर, ब्यावर, बालोतरा, फलौदी जिला अध्यक्ष पद के चुनाव की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए चुनाव अधिसूचना जारी की जा चुकी है। जारी अधिसूचना के अन्तर्गत जालौर, जोधपुर, डीग, सिरोही, जैसलमेर, ब्यावर, बालोतरा, फलौदी जिलों का चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा :-

क्र.सं.	जिला	सदस्यता मान्य	नामांकन तिथि	नामांकन का स्थान	मतदान तिथि	चुनाव अधिकारी
1	जालौर	14 नवम्बर 2025(शुक्रवार)	30 नवम्बर 2025(रविवार)	श्री विश्वकर्मा मंदिर, सायला, जालौर	14 दिसम्बर 2025 (रविवार)	जगदीश प्रसाद 9982925854
2	जोधपुर	14 नवम्बर 2025(शुक्रवार)	30 नवम्बर 2025(रविवार)	श्री विश्वकर्मा मंदिर, जालौरी गेट, जोधपुर	14 दिसम्बर 2025 (रविवार)	महेश कुमार 9462006515
3	डीग	14 नवम्बर 2025(शुक्रवार)	30 नवम्बर 2025(रविवार)	मुकंदी मैरिज होम कच्चा तालाब, डीग	14 दिसम्बर 2025 (रविवार)	कमल किशोर 9414524982
4	सिरोही	21 नवम्बर 2025(शुक्रवार)	07 दिसम्बर 2025(रविवार)	जांगिड छात्रावास, मांउट आबू रोड, आबू रोड, सिरोही	21 दिसम्बर 2025(रविवार)	मोहन लाल 9460289549
5	जैसलमेर	21 नवम्बर 2025(शुक्रवार)	07 दिसम्बर 2025(रविवार)	श्री विश्वकर्मा मंदिर, सुथारपाड़ा जैसलमेर	21 दिसम्बर 2025(रविवार)	महेश कुमार 9462006515
6	ब्यावर	21 नवम्बर 2025(शुक्रवार)	07 दिसम्बर 2025(रविवार)	श्री विश्वकर्मा भवन मेवाडी गेट-ब्यावर	21 दिसम्बर 2025(रविवार)	रामदेव जांगिड 9950243274
7	बालोतरा	28 नवम्बर 2025(शुक्रवार)	14 दिसम्बर 2025(रविवार)	श्री विश्वकर्मा छात्रावास, खेडरोड, बालोतरा	28 दिसम्बर 2025(रविवार)	ओम प्रकाश 9829125351
8	फलौदी	28 नवम्बर 2025(शुक्रवार)	14 दिसम्बर 2025(रविवार)	श्री विश्वकर्मा छात्रावास, लक्ष्मीपुरा, फलौदी	28 दिसम्बर 2025(रविवार)	महेश कुमार 9462006515

सदस्यता अभियान की अंतिम तिथि तक बने प्लेटिनम, गोल्ड, रजत, विशेष सम्पोषक, संरक्षक(पत्रिका सहित व पत्रिका रहित) एवं महिला संरक्षक सदस्य ही मतदान हेतु पात्र होगें जिसकी सूची महासभा कार्यालय से प्राप्त होगी। मतदाता सूची में संशोधन मतदान तिथि से 10 दिन पूर्व लिखित आपत्ति प्राप्त होने पर किया जा सकेगा। संशोधित सूची के अनुसार ही मतदान प्रक्रिया सम्पन्न होगी।

बसंत कुमार जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी,मो-9680010591

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

अंगिराऽसि जांगिड

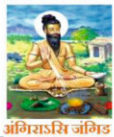

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2809/2025 **दिनांक 15/11/2025**

*** रायपुर में आयोजित त्रैमासिक मीटिंग का सार ***

अखिल भारतीय जांगिड ब्राहमण महासभा दिल्ली कार्यकारिणी की तृतीय त्रैमासिक मीटिंग का आयोजन छतीसगढ़ की राजधानी एवं प्रसिद्ध औधोगिक शहर रायपुर **की पावन धरा** पर **प्रदेश सभा - छतीसगढ़** के तत्वाधान में दिनांक **28 सितम्बर, 2025,** रविवार को प्रातः 9.30 बजे से **श्री सालासर बालाजी धाम, अग्रसेन धाम के पास, रायपुर** में किया गया । त्रैमासिक मीटिंग महासभा के **मुख्य संरक्षक श्रीमान भंवर लाल कुलरिया एवं महासभा उच्च स्तरीय कमेटी के अध्यक्ष श्री कैलाश चंद बरनेला** के मुख्य अतिथ्य एवं महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई ।

सर्व प्रथम महासभा प्रधान एवं अनेक विशिष्ट अतिथियों द्वारा "**श्री सालासर बालाजी धाम** " के परिसर में झण्डारोहण किया गया तत्पश्चात समारोह का श्रीगणेश दीप प्रज्ज्वलन,भगवान विश्वकर्मा जी की श्रद्धाभाव से पूजा -अर्चना एवं आरती के साथ हुआ । उसके बाद पिछले तीन माह की अवधि में सद्गति को प्राप्त हुये समाज के विभिन्न भामाशाहों, पदाधिकारियों एवं महासभा सदस्यों के लिए दो मिनट का सामूहिक मौन रखते हुए परम् पिता परमेश्वर से उनकी पुण्यात्मा को चिर शांति, मोक्ष प्रदान करने एवं अपने निज श्री चरणों में स्थान प्रदान करने हेतु प्रार्थना करने के उपरांत राष्ट्रीय गान के साथ विधिवत बैठक की शुरुआत की गई ।

महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड ने कार्यकारिणी की त्रैमासिक बैठक में निर्धारित एजेंडे पर सकारात्मक विचार विमर्श करने से पहले उपस्थित समस्त मंचासीन मुख्य अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित समस्त प्रदेश अध्यक्षों, कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, कोर कमेटी, उच्च स्तरीय कमेटी, अनुशासन समिति एवं भवन संचालन कमेटी के सदस्यों सहित मातृशक्ति एवं युवा शक्ति, मिडिया प्रभारियों, समाज के भामाशाहों एवं प्रबुद्ध समाज बन्धुओं का छतीसगढ़ की राजधानी, रायपुर शहर की पावन धरा को नमन करते हुए पधारे हुए सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया ।

समस्त आगंतुक अतिथियों के स्वागत- सत्कार के बाद महामंत्री ने महासभा प्रधान की अनुमति से कार्यकारिणी की तृतीय त्रैमासिक मीटिंग के लिए निर्धारित एजेंडे को बिन्दु वार प्रस्तुत करते हुए सदन में विचार विमर्श एवं अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया :-

एजेण्डा नं 1- इंदौर त्रैमासिक मीटिंग दिनांक 22/06/2025 को लिए गये निर्णयों का अनुमोदन::--

महामंत्री ने मीटिंग एजेंडे की शुरुआत करते हुए कहा कि इंदौर में दिनांक 22 जून, 2025 को कार्यकारिणी की दूसरी मीटिंग में लिए गये निर्णयों का कार्यवृत महासभा द्वारा पत्रांक **:- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2644/2025 दिनांक 25/07/2025** के तहत जारी किये जा चुका है जिसको महासभा की मासिक पत्रिका माह **अगस्त -2025 के अंक में पेज नम्बर 55 से 59** पर भी प्रकाशित किये जा चुका । अत: उक्त मीटिंग के कार्यवृत का पुनः वाचन नही करके महासभा पत्रिका में प्रकाशित कार्यवृत को पढ़ा हुआ मानकर सदन में उपस्थित कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारीयों एवं प्रदेशाध्यक्षों तथा प्रदेश प्रभारियों से इंदौर मीटिंग में लिए गये निर्णयों का अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया गया। **जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों द्वारा करतल ध्वनी के साथ उक्त निर्णयों का अनुमोदन किया ।**

एजेण्डा नं 2- महासभा कोर कमेटी मीटिंग दिनांक 02/07/2025 एवं 30/08/2025 को लिए गये निर्णयों का अनुमोदन करने बाबत::--

महासभा कार्यकारिणी की पिछली मीटिंग इंदौर में **दिनांक 22 जून, 2025** को आयोजन के उपरांत पिछले तीन माह में महासभा कोर कमेटी की दो ऑन लाइन ऑडियो मीटिंग की गई जिसमें एक **दिनांक 02/07/2025** को आयोजित की गई इस मीटिंग मे लिए गये निर्णयों का कार्यवृत महासभा **पत्रांक 2629/2025 दिनांक 12/07/2025** के तहत जारी करने के साथ ही महासभा की मासिक पत्रिका **माह जुलाई, 2025 के पेज नम्बर 39 से 40** पर प्रकाशित किया जा चुका है तथा दूसरी मीटिंग **दिनांक 30/08/2025** को आयोजित की गई इसमे लिए गये निर्णयों का कार्यवृत महासभा **पत्रांक 2698/2025 दिनांक 01/09/2025** के तहत जारी करने साथ ही महासभा की मासिक पत्रिका **माह सितम्बर, 2025 के पेज नम्बर 30 से 31** पर प्रकाशित किया जा चुका है ।

अत: उक्त दोनों मीटिंग के कार्यवृत का पुनः वाचन नही करके महासभा पत्रिका में प्रकाशित कार्यवृत को पढ़ा हुआ मानकर सदन में उपस्थित कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारीयों एवं प्रदेशाध्यक्षों तथा प्रदेश प्रभारियों से महासभा कोर कमेटी द्वारा लिए गये निर्णयों का अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया गया जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने एक स्वर में अनुमोदित है बोलते हुए कोर कमेटी द्वारा लिए गये निर्णयों का अनुमोदन किया ।

एजेण्डा नं 3- महासभा के नवनिर्मित भवन को संचालित करने हेतु संचालन कमेटी का गठन एवं कार्यालय प्रभारी के पद पर मनोनयन का अनुमोदन करने बाबत::--

महामंत्री ने बताया कि पिछले काफी समय से यह मामला विचाराधीन था कि महासभा के नवनिर्मित भवन को संचालित करने हेतु एक संचालन कमेटी का गठन किया जाये एवं महासभा में एक कार्यालय प्रभारी के पद पर मनोनयन किया जाये । इंदौर में सम्पन्न मीटिंग में उक्त कमेटी गठन बाबत महासभा प्रधान रामपाल शर्मा एवं कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड को अधिकृत किया था तथा उक्त निर्णय की अनुपालना में महासभा प्रधान एवं कार्यकारी प्रधान ने **महासभा पत्रांक 2680/2025 दिनांक 25/08/2025 के तहत भवन को संचालित करने हेतु श्री देवी सिंह ठेकेदार यमुनापार - दिल्ली** की अध्यक्षता में एक पांच सदस्यीय संचालन कमेटी का गठन किया गया जिसके चार सदस्य निम्नानुसार है :-

1. श्री रमेश चंद शर्मा कृष्णाविहार- दिल्ली
2. श्री जगदीशराय जांगड़ा नांगलोई-दिल्ली
3. श्री बंकट लाल शर्मा संगमविहार -दिल्ली
4. श्री दामोदर जांगिड फरीदपुरी-दिल्ली

इसके साथ ही **महासभा पत्रांक 2679/2025 दिनांक 25/08/2025 के तहत महासभा कार्यालय में प्रभारी के पद पर श्री ऋषि प्रकाश जांगिड पपरावत-दिल्ली** को मनोनीत किया गया है। उक्त कमेटी का गठन एवं कार्यालय प्रभारी के पद पर मनोनयन करने बाबत महासभा प्रधान एवं कार्यकारी प्रधान द्वारा लिए गये निर्णयों से अवगत करवाने के साथ ही महामंत्री ने सम्पूर्ण सदन से उक्त नियुक्तियों का अनुमोदन करने का निवेदन किया । जिसका सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने उक्त दोनों ही निर्णयों का स्वागत करते हुए एक स्वर में अनुमोदन किया ।

एजेण्डा नं 4- महासभा अधीनस्थ इकाइयों में प्रकोष्ठ गठन करने सम्बन्धी दिशा निर्देशों का अनुमोदन करने बाबत:--

एजेण्डा नं 5- महासभा अधीनस्थ इकाइयों के नाम, पदाधिकारियों के पदनाम सम्बन्धी दिशा निर्देशों का अनुमोदन करने बाबत ::--

एजेण्डा नं 6- महासभा अधीनस्थ इकाइयों के समारोहों में पदाधिकारियों का वरिष्ठता क्रम (प्रोटोकोल) , समारोह के बेनर एवं निमंत्रण कार्ड प्रिंट करवाने सम्बन्धी दिशा निर्देशों का अनुमोदन करने बाबत::-

एजेण्डा नं 7- महासभा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के वार्षिक लक्ष्य एवं दायित्व सम्बन्धी दिशा - निर्देशों का अनुमोदन करने बाबत :-

एजेण्डा नं 8- महासभा अधीन कार्यरत प्रदेश सभा एवं जिला सभा को उनके अधीन कार्यरत इकाईयों के विरुद्ध संवैधानिक अनियमितता की शिकायत प्राप्ति पर कार्यकारिणी को भंग करने संबंधी दिशा - निर्देशों का अनुमोदन करने बाबत ::-

महामंत्री ने बताया कि महासभा संविधान - 2013 में महासभा एवं उसकी अधीनस्थ इकाइयों के दैनिक कार्य संचालन के सम्बन्ध में काफी नियमों का स्पष्ट उल्लेख नही होने के कारण विभिन्न संवैधानिक समस्याओ के संज्ञान में आते ही उनके निराकारण के लिए महासभा को तत्काल विभिन्न दिशा निर्देश जारी करने पड़ते है। इसी सन्दर्भ में महासभा द्वारा उक्त एजेंडा बिंदु 4 से 8 तक के तहत दिशा निर्देश भी दिनांक 30/07/2025 से 10/09/2025 तक जारी करते हुए सोशल मिडिया पर भी वायरल किये गये थे जिनका महासभा के अंतर्गत कार्यरत समस्त इकाइयों के अध्यक्षों द्वारा एवं महासभा की वर्तमान कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों तथा विभिन्न कमेटियों के सदस्यों द्वारा पालन किया जाना अति आवश्यक हैं । साथ ही महासभा द्वारा जारी उक्त दिशा निर्देशों को आप सभी पदाधिकारियों ने **सोशल मिडिया पर** या महासभा की मासिक पत्रिका **माह अगस्त-2025 के पेज नम्बर 50 से 53 एवं माह सितम्बर-2025 के पेज नम्बर 16** पर प्रकाशित होने पर पढ़ लिए होंगें ।

मीटिंग के **एजेंडा क्रमांक 4 से लेकर क्रमांक 8 तक** के महासभा द्वारा जारी समस्त दिशा -निर्देशों पर बारी बारी से चर्चा एवं विचार विमर्श करने के उपरांत महामंत्री ने मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों से उक्त दिशा- निर्देशों का अनुमोदन करने हेतु निवेदन करते हुए स्पष्ट किया कि महासभा कार्य संचालन के दौरान जैसे- जैसे कुछ समस्याए / दिक्कतें संज्ञान में आती है उन्ही को ध्यान में रखते हुए महासभा संविधान के तहत आपसी विचार विमर्श करने के उपरांत ही उक्त समस्त दिशा निर्देश जारी किये गये है फिर भी यह दिशा- निर्देश अंतिम नही है। महासभा के किसी भी पदाधिकारी को यदि इन दिशा निर्देशों के सम्बन्ध में और भी कोई तर्क संगत अच्छा सुझाव / सलाह ध्यान में आये तो अवश्य महासभा को अवगत करवाने का कष्ट करें ताकि समाज हित में उक्त सुझावों को पूर्व में जारी निर्देशों को आवश्यक संशोधन के साथ पुनः जारी करने के साथही भविष्य में होने वाले संविधान संशोधन के एजेंडे में भी शामिल किये जा सकें । **तदुपरांत बैठक में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने उक्त सभी दिशा निर्देशों का स्वागत करते हुए हाथ खड़े करके पूर्ण समर्थन के साथ अनुमोदन किया ।**

एजेण्डा नं 9- महासभा एवं महासभा के अधीन प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव में नामांकन के पश्चात यदि प्रत्याशी एवं समाज बन्धु सर्वसम्मती से एकमत होकर चाहे तो नाम वापसी का कार्य उसी दिन करवाकर प्रत्याशी की घोषणा करने बाबत अनुमोदन::--

उक्त बिंदु पर महासभा महामंत्री ने सभी को अवगत कराया कि महासभा **चुनाव निर्देशिका-2024** के नियमों एवं निर्देशों के अनुसार महासभा प्रधान एवं प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु **दो दिवसीय नामांकन प्रक्रिया** के तहत प्रथम दिन को नामांकन पत्र प्रस्तुत करना एवं दुसरा दिन नाम वापसी के लिए निर्धारित है । परंतु पिछली चुनाव अधिसूचना के अनुसार चार प्रदेशों के चुनाव प्रक्रिया के दौरान उतराखंड, छत्तीसगढ़ एवं गुजरात प्रदेश चुनाव अधिकारीयों के माध्यम से यह संज्ञान में आया है कि नामांकन के दिन प्रत्याशियों की अंतिम सूची प्रकाशित होने के उपरांत वहाँ चुनाव में भाग लेने वाले समस्त उम्मीदवार एवं उपस्थित समाज बंधुओं ने यह मांग उठाई कि दो दिवसीय चुनाव नामांकन प्रक्रिया को घटाकर एक ही दिन में सम्पन्न किया जाना चाहिए ।

उपरोक्त मांग पर **मुख्य चुनाव अधिकारी** ने वरिष्ठ पदाधिकारियों से विचार विमर्श करके यह निर्णय दिया कि यदि चुनाव में भाग लेने वाले समस्त प्रत्याशीगण नामांकन प्रस्तुत करने की दिनांक को ही **किसी एक प्रत्याशी के पक्ष में नाम वापस लेना चाहते हैं और नामांकन निर्विरोध हो रहा हो** तो **प्रत्याशीगण एवं उपस्थित समाज बधुं संयुक्त रूप से हस्ताक्षर करके आवेदन देने** पर चुनाव अधिकारी प्रथम दिवस पर ही नामांकन प्रक्रिया समाप्त कर सकेंगे । इस निर्णय के परिपेक्ष्य में उतराखंड, गुजरात एवं छत्तीसगढ़ में निर्विरोध नामांकन हुआ और एक ही दिन में चुनाव नामांकन प्रक्रिया पूर्ण कर दी गई ।

महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी **प्रवीण कुमार शर्मा ने दो दिवसीय चुनाव प्रक्रिया** को एक ही दिन में सम्पन्न करवाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उक्त उल्लेखित प्रक्रिया को अगले चार प्रदेशाध्यक्षों की चुनाव अधिसूचना मे शामिल किया जिसे महासभा पत्रिका **माह सितम्बर 2025 के अंक के पेज नम्बर 18 पर विशेष नियम** के तहत प्रकाशित किया गया है। जिसको आप सभी सदस्यों ने भली भांति पढ़ लिया होगा ।

महामंत्री ने कहा यदि सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीगण वर्तमान **चुनाव निर्देशिका-2024** मे दो **दिवसीय नामांकन प्रक्रिया को उक्त उल्लिखित शर्तों** के साथ संशोधन से सहमत हो तो अनुमोदन करने का निवेदन किया गया। **जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने दो दिवसीय चुनाव नामांकन प्रक्रिया के उक्त संशोधन का हाथ उठाकर एक स्वर में अनुमोदन किया।**

एजेंडा नम्बर - 10. महासभा या किसी भी ईकाई में प्रधान / अध्यक्ष के पद पर निरंतर चुनाव लड़ने के सम्बन्ध में महासभा संविधान का विशेष नियम 12 के उपनियम 6 एवं चुनाव निर्देशिका 2024 के नियम 15 के उपनियम 6 के अनुसार स्पष्टीकरण बाबत चर्चा:-

उक्त विषय पर महामंत्री ने बताया कि महासभा संविधान -2013 के **विशेष नियम 12 के उपनियम 6 एवं चुनाव निर्देशिका - 2024 के नियम 15 के उपनियम 6** के अनुसार महासभा का कोई भी सदस्य महासभा के प्रधान, प्रदेश सभा के प्रदेशाध्यक्ष, जिला सभा के जिलाध्यक्ष, तहसील तथा शाखा सभा के अध्यक्ष, चुनाव प्रक्रिया द्वारा निरन्तर 2 बार से अधिक निर्वाचित नहीं हो सकते । यदि कोई सदस्य तीसरी बार निरंतर उसी पद पर नामांकन करता है तो उसका नामांकन निरस्त कर दिया जाएगा। यदि कोई सदस्य उसी पद पर तीसरी बार आना चाहता है तो उसे एक सत्र का गेप (ब्रेक) देना होगा, क्योंकि महासभा संविधान में मनोनीत प्रधान / अध्यक्ष एवं कार्यकारी / कार्यवाहक प्रधान / अध्यक्ष की नियुक्ति बाबत कोई स्पष्ट उल्लेख नहो होने और भविष्य में उक्त पदों के सम्बन्ध में कभी भी कोई संवेधानिक / क़ानूनी दिक्कत नही आये इसलिए **यह भी स्पष्ट करना उचित होगा कि निरंतरता का यह नियम केवल चुनाव के माध्यम से पदाधिकारी बनने वाले सदस्यों के लिए ही हैं** । यदि महासभा या इसके अंतर्गत किसी भी सभा में कोई मनोनित पदाधिकारी **जैसे कार्यवाहक / कार्यकारी प्रधान / अध्यक्ष / महामंत्री / जिला मंत्री / मंत्री एवं कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया जाता है तो उन पर निरंतरता का उक्त नियम लागु नही होगा**

महासभा प्रधान एवं इसके अंतर्गत सभी इकाइयों के चुनाव सम्पन्न करवाने हेतु महासभा मीटिंगों में सर्वसम्मति से अनुमोदित महासभा की **चुनाव निर्देशिका - 2024** उपलब्ध है। अत: यदि आप समस्त पदाधिकारी सहमत हो तो महासभा चुनाव निर्देशिका - 2024 के **नियम 15 के उप नियम 6 में** यह स्पष्ट कर दिया जाये कि आज के बाद महासभा संविधान का **विशेष नियम 12 के उपनियम 6 एवं चुनाव निर्देशिका 2024 के नियम 15 के उपनियम 6 सिर्फ निर्वाचित पदों के लिए ही लागु होगा तथा किसी भी प्रकार के मनोनीत पदों पर लागु नही होगा । जिस पर समस्त उपस्थित पदाधिकारियों ने चुनाव निर्देशिका - 2024 एवं महासभा संविधान में चुनाव प्रक्रिया से सम्बन्धित उक्त नियम को स्पष्ट करके संशोधित करने का हाथ उठाकर सर्वसम्मति से अनुमोदन किया।**

एजेंडा नम्बर - 11. महासभा या अधीनस्थ किसी भी ईकाई में मनोनीत पदाधिकारी जैसे कार्यकरी प्रधान / अध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रदेश मंत्री, जिला मंत्री तथा कोषाध्यक्ष के लिए मनोनयन अवधि संबंधी नियम स्पष्ट करने बाबत चर्चा :-

उक्त बिंदु पर महासभा महामंत्री ने बताया कि (1) **चुनाव निर्देशिका 2024 के नियम 15 के उप नियम 1, 2 और 3** में स्पष्ट उल्लेख है कि महासभा के प्रधान, प्रदेशाध्यक्ष तथा जिलाध्यक्ष एवं निचली इकाई के अध्यक्ष द्वारा त्यागपत्र देने, मृत्यु हो जाने या सभा भंग हो जाने पर तदर्थ समिति का गठन होगा जिसमें एक सदस्य समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया जाएगा। नए चुनाव होने तक यह समिति उस पद का कार्य देखेगी। परंतु त्यागपत्र, मृत्यु या सभा भंग हो जाने के 6 माह के भीतर उस पद के चुनाव कराने आवश्यक होंगे । उपरोक्त बिंदु एक में दिए गए कारणों के अतिरिक्त महासभा या महासभा की किसी भी ईकाई में कोई भी मनोनीत पदाधिकारी जैसे कार्यकारी प्रधान, महामंत्री, कोषाध्यक्ष या कोई अन्य पदाधिकारी अधिकतम 3 वर्ष या मनोनीत करने वाले पदाधिकारी का कार्यकाल दोनों में जो पहले हो के साथ ही समाप्त हो जाएगा।

यहां यह स्पष्ट करना उचित होगा कि **महासभा के महामंत्री / प्रदेश सभा के प्रदेश मंत्री / जिला सभा के जिला मंत्री एवं तहसील या शाखा सभा के मंत्री तथा सभी सभाओं के कोषाध्यक्ष** नए चुनाव संपन्न हो जाने तक अपने पद पर बने रहेंगे क्योंकि निर्वाचन प्रक्रिया में **अनापति प्रमाण पत्र / अदेय प्रमाण पत्र जारी** करने तथा हिसाब किताब को अंतिम रूप देने के संबंध में इनकी आवश्यकता बनी रहती है । इसलिए नव निर्वाचित कार्यकारिणी को पुराने कार्यकाल का चार्ज देने के साथ ही यह दोनों पद भी समाप्त हो जाएंगे ।

महासभा **चुनाव निर्देशिका-2024 के नियम 15 के उपनियम 1, 2, 3** में उक्त निर्देशों का स्पष्ट रूप से उल्लेख कर दिया जाये इसके लिए महामंत्री ने सदन मे उपस्थित समस्त पदाधिकारियों से अनुमोदन के लिए निवेदन किया जिस पर सदन में उपस्थित **समस्त पदाधिकारियों ने अपने -अपने हाथ खड़े करके पूर्ण समर्थन के साथ कार्यकाल / मनोनयन अवधि / चुनाव से सम्बन्धित उक्त स्पष्टीकरणों का अनुमोदन किया ।**

एजेंडा नंबर 12 महासभा मे आर्थिक सहायता प्रकोष्ठ का गठन करने पर चर्चा:-

महामंत्री ने इस बिंदु पर चर्चा करते हुए सभी को अवगत कराया कि पिछले काफी समय से विभिन्न प्रदेशों में रह रहे महासभा के सदस्य गण बार- बार प्रधान जी के संज्ञान में ला रहे हैं कि महासभा द्वारा समाज की विधवा महिलाओं, आर्थिक रूप से कमजोर एवं बेसहारा परिवारों, असामयिक दुर्घटनाओं में पीड़ित परिवारों तथा लाइलाज बीमारियों से ग्रसित समाज बंधुओं के लिए आर्थिक सहायता करने के लिए महासभा में एक अलग से **आर्थिक सहायता प्रकोष्ठ का गठन** होना चाहिए। इस विषय पर महासभा प्रधान जी ने तुरंत संज्ञान लेते हुए महासभा में आर्थिक सहायता प्रकोष्ठ का गठन करने के साथ ही **महासभा में पूर्व में गठित शिक्षा कल्याण प्रकोष्ठ को भी पुनर्गठित करने** का भी निर्णय लिया । उक्त दोनों ही प्रस्ताव आज के समय में अति आवश्यक एवं समाज विकास एवं समाज उत्थान में सर्वोपरी महत्व रखते है। उक्त प्रस्तावों के अनुमोदन के लिए सदन से निवेदन किया गया **जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने तालियों की गडगड़ाहट के साथ प्रधानजी द्वारा लिए गए उक्त दोनों ही निर्णयों का स्वागत करते हुए एक स्वर में अनुमोदन किया । साथ ही विभिन्न प्रदेश अध्यक्षों ने अपने अपने उदबोधन में अधिक से अधिक आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने का भी आश्वासन दिया। ।**

एजेंडा नंबर 13 अन्य विषय प्रधान जी की अनुमति से (1) चुनाव नामांकन के दिन चुनाव चिन्ह आवंटन के समय चुनाव में भाग लेने वाले प्रत्याक्षी का व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने सम्बन्धी नियम स्पष्ट करने बाबत चर्चा :-

इस बारे मे महामंत्री ने बताया कि पिछले कार्यकाल के दौरान विभिन्न प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव नामांकन के समय चुनाव प्रत्याशियों के व्यक्तिगत उपस्थित नही होने के कारण चुनाव को निर्विरोध सम्पन्न करवाने के प्रयास सफल नही हो पाये थे, जिस वजह से महासभा प्रधान के चुनाव के समय मुख्य चुनाव मंडल द्वारा यह निर्णय कर चुनाव नामांकन के दिन चुनाव चिन्ह आवंटन के समय चुनाव प्रत्याशी का व्यक्तिगत उपस्थित होने सम्बन्धी निर्देश नामांकन फॉर्म में ही उल्लेख करना शुरू कर दिया था जिसके कारण महासभा के काफी चुनावों को निर्विरोध सम्पन्न करवाने में अच्छे परिणाम भी प्राप्त हुए है ।

प्रधान जी के आदेशानुसार यह मामला एजेंडा बिंदु में रखते हुए महामंत्री ने समस्त पदाधिकारी से निवेदन किया कि यदि आप सभी सहमत हो तो महासभा **चुनाव निर्देशिका - 2024** के नियमों यह स्पष्ट उल्लेख कर दिया जाये कि चुनाव नामांकन के दिन चुनाव चिन्ह आवंटन के समय चुनाव में भाग लेने वाले प्रत्याशी का व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना अति आवश्यक होगा । महामंत्री ने सभी पदाधिकारियों से चुनाव प्रक्रिया से सम्बन्धित उक्त संशोधन का अनुमोदन करने का विनम्र अनुरोध किया ताकि महासभा एवं अधीनस्थ सभाओं के ज्यादा से ज्यादा चुनाव निर्विरोध सम्पन्न करवाने में सफलता मिल सके । **जिस पर सदन मे उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने उक्त प्रस्ताव का एक स्वर में स्वागत करते हुए अनुमोदन किया ।**

अन्त में महामंत्री सांवरमल जागिड ने महासभा त्रैमासिक मीटिंग एवं प्रादेशिक सभा के शपथ ग्रहण समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से पधारे हुए विशिष्ट अतिथियों एवं इस त्रैमासिक बैठक की शोभा को चार चांद लगाने वालों में विशेष रूप से महासभा के पूर्व प्रधान कैलाशचंद बरनेला, श्रीगोपाल चोयल मुख्य सलाहकार, श्रीमती सविता जांगिड अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, नानु राम जांगिड प्रदेशाध्यक्ष महराष्ट्र, भोला राम शर्मा प्रदेशाध्यक्ष छतीसगढ़, घनश्याम शर्मा प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान, ख़ुशी राम जांगिड प्रदेशाध्यक्ष हरियाणा, प्रभु दयाल बरनेला प्रदेशाध्यक्ष मध्य प्रदेश, राजेंद्र कुमार शर्मा प्रदेशाध्यक्ष गुजरात, कैलाश शर्मा उच्चस्तरीय कमेटी, नरेन्द्र कुमार शर्मा प्रदेशाध्यक्ष उतराखंड, रमेश चंद शर्मा प्रदेश प्रभारी उतराखंड, मदन लाल जांगिड प्रदेश प्रभारी दिल्ली, चंपा लाल जांगिड प्रदेश प्रभारी महराष्ट्र, रमेश शर्मा प्रदेश प्रभारी दक्षिण भारत, संतलाल जांगिड वरिष्ठ उपप्रधान, ओम प्रकाश शर्मा दिल्ली, गंगादीन जांगिड,

विध्यासागर जांगिड गुडगाँव, बजरंग लाल शर्मा कोर कमेटी सदस्य, द्वारका प्रसाद शर्मा वापी, कैलाश चंद जांगिड दिल्ली, कैलाश शर्मा सूरत, पतराम शर्मा गुडगाँव, ओम प्रकाश जांगिड हिसार उच्यस्तरीय कमेटी, जगदीश प्रसाद खंडेलवाल कार्यकारी अध्यक्ष दिल्ली, सतीश जांगिड पूर्व प्रदेशाध्यक्ष छतीसगढ़, धर्म चंद शर्मा प्रदेश प्रभारी छतीसगढ़, मोहन लाल जांगिड प्रदेशप्रभारी गुजरात, ऋषि प्रकाश जांगिड कार्यालय प्रभारी महासभा, जांगिड रत्न से सम्मांनित शंकर लाल लदोया, हरियाणा प्रभारी अजय जांगिड, मिशन डेढ़ लाख प्रभारी रामजी लाल जांगिड, कोर कमेटी के सदस्य, सीकर जिला सभा के जिला मंत्री राधेश्याम मांडण के मार्गदशन में 25 सदस्यों की टीम, जोधपुर से उच्च स्तरीय समिति के सदस्य पुखराज जांगिड और उसकी 10 सदस्यों की कर्मठ टीम, महासभा के मिडिया प्रभारी दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरिराम जांगिड और महेश जांगिड सहित देश के कौने कौने से आए महासभा के समस्त पदाधिकारियों, भामाशाहों, प्लेटिनम सदस्यों, महासभा की समस्त कमेटियों के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित मातृ शक्ति,युवा शक्ति एवं सभा कक्ष में उपस्थित आदरणीय प्रबुद्ध समाज बंधुओं का समारोह को सफल बनाने के लिए दिल की असीम गहराइयों से धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया ।

साथ ही महामंत्री ने रायपुर में शानदार आयोजन और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए प्रदेश सभा छतीसगढ़ के अध्यक्ष भोला राम शर्मा और उनकी ऊर्जा से भरपूर टीम, युवा प्रकोष्ठ, प्रदेश प्रभारी धर्म चंद शर्मा, प्रदेश महामंत्री, प्रदेश युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष रमेश बरनेला, प्रदेश कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, एवं रायपुर के समस्त कार्यकर्ताओं की टीम को उनके अथक प्रयासों से महासभा की त्रैमासिक बैठक एवं शपथ ग्रहण समारोह को भव्यता प्रदान करने के लिए आगंतुक समाज बन्धुओं की शानदार मेहमान नवाजी के लिए,शानदार ट्रांसपोर्ट व्यवस्था, ठहरने की उत्तम व्यवस्था,स्वादिष्ट भोजन प्रसादी एवं बहुत ही सुंदर, सुव्यस्थित और शानदार आयोजन करने के साथ साथ भरपूर सहयोग और समर्थन देने की अनूठी मिशाल कायम करने के लिए महासभा दिल्ली की और से कोटि- कोटि आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही विशेष तौर से प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं उनकी सम्पूर्ण महिला टीम को भी आकर्षक, भव्य एवं एकता का संदेश देते हुए सामूहिक कलश यात्रा आयोजित करने के लिए बहुत बहुत बधाई एवं आभार तथा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उन्होने भगवान श्री विश्वकर्मा जी से समाज के सामाजिक उत्थान एवं विकास तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगल कामना के साथ ही प्रधान जी की आज्ञा से त्रैमासिक मीटिंग के समापन की घोषणा के उपरांत एक बार पुन: सभी मेहमानों और प्रदेश सभा छतीसगढ़ का हार्दिक आभार और कृतज्ञता सहित, विपुल धन्यवाद दिया।

महासभा की त्रैमासिक मीटिंग का मंच संचालन बड़े ही बेहतरीन ढंग एवं कुशलतापूर्वक तरीके से करने के लिए महासभा कोर कमेटी के सदस्य बजरंग लाल शर्मा दुर्ग एवं सीकर जिला सभा के मंत्री राधेश्याम मांडण **का भी महामंत्री ने महासभा दिल्ली** की और से कोटि कोटि आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आप सभी ने त्रैमासिक मीटिंग एजेंडे के सभी प्रस्तावों पर समुचित निर्णय करवाने में मेरा सक्रिय साथ दिया एवं समारोह की गरिमा एवं क्रमबद्धता को बनाए रखा।

प्रतिलिपि :-
समस्त प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, महासभा पदाधिकारीगणों,
महासभा की विभिन्न कमेटियों एवं समितियों के सदस्यों को सूचनार्थ
एवं महासभा द्वारा जारी निर्देशों एवं निर्णयों का पालना सुनिश्चित करने हेतु

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री – महासभा

शपथ ग्रहण समारोह के बाद बने हुए एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य की सूची

श्री देवेन्द्र शर्मा, उदयपुर, राजस्थान

श्री नरोत्तम लाल जांगिड, फरीदाबाद, हरियाणा

श्री हजारी लाल शर्मा, जयपुर, राज0

श्री भागीरथ मल जांगिड, जयपुर, राज0

श्री मदनलाल शर्मा, रायपुर छ0ग0

श्री पतराम शर्मा, गुरूग्राम, हरियाणा

श्री बजरंग शर्मा, दुर्ग, छत्तीसगढ़

श्री विरदी चन्द शर्मा, रायपुर, छत्तीसगढ़

श्री ओमप्रकाश जांगिड, रायपुर छत्तीसगढ़

श्री संतलाल शर्मा, बैंगलुरू, कर्नाटक

श्री जगन नाथ जांगिड, रेवाड़ी, हरियाणा

श्री राजकुमार जांगिड, सीकर, राज0

श्री गोपालदास शर्मा, रायपुर, छ0ग0

श्री विनोद कुमार शर्मा, रायपुर, छ0ग0

श्री राधेश्याम शर्मा, जयपुर, राज0

वर चाहिए

1. Wanted a suitable match for Jangid Brahmin girl in Delhi D.O.B- 18/05/1996, Birth time 10:55 PM, Ht-5'1", Birth Place- Village Hassangarh, Rohtak, Haryana. Education Bsc, B.Ed, MSc Chemistry,C.T.E.T.. Teacher by profession in private school Delhi. **Gotra Self**-Kalonia, **Mother**-Baiday, **Grandmother**-Khandelwal, **Maternal Grandmother**-Kagtaan. Contact:- Mr. Parshant - 9728008171.

2. Wanted a suitable match for Jangid Brahmin girl in Delhi D.O.B- 06/05/2001, Birth time 07:05 AM, Ht-5'1", Birth Place- Swai Madhopur, Rajasthan, . Education: BA, B.Ed, Computer RSCIT & Accounts (Tally/Busy). **Gotra Self**- Bahrawadiya, Mother-Pachriya, **Grandmother**-Palwad,Godhdiwal, **Maternal** Grandmother- Bukariya. Contact:- Mr. Devendra Kumar Jangid - 9413153268, 9413719477.

वधु चाहिए

1. जांगिड ब्राह्मण परिवार में सुंदर सुशील गृह कार्य में दक्ष मध्यम परिवार से विवाह के लिए कन्या चाहिए, सूरत (गुजरात) में परिवार सेटल्ड है, लड़का (पुत्र) वर्तमान में इनफ़ोसिस पुणे में सॉफ्टवेर इन्जिनियर है, उम्र- 27 वर्ष, जन्म -09.10.1997. दहेज़ बंधन नहीं, रुचिकर परिवार अन्य जानकारी और गौत्र के लिए कृपया संपर्क करें, आर.के. शर्मा (सीनियर इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, सूरत) फ़ोन - 7778061060

मध्य प्रदेश निर्विरोध निर्वाचित जिला अध्यक्ष

यशवंत चतुर्वेदी
अध्यक्ष जिला सभा नीमच म.प्र.

गोपाल शर्मा
अध्यक्ष जिला सभा शिवनी म.प्र.

मुकेश शर्मा
अध्यक्ष जिला सभा धार म.प्र.

त्रिलोक शर्मा
अध्यक्ष जिला सभा शाजापुर म.प्र.

अरुण कुमार
अध्यक्ष जिला सभा बालाघाट म.प्र.

मिश्री लाल विश्वकर्मा
अध्यक्ष जिला सभा सीहोर म.प्र.

जय कुमार जांगिड
अध्यक्ष जिला सभा ग्वालियर म.प्र.

अनिल तिवारी
अध्यक्ष जिला सभा मंदसोर म.प्र.

सुमेर सिंह जांगिड
अध्यक्ष जिला सभा खंडवा म.प्र.

बनवारी लाल
अध्यक्ष जिला सभा कटनी म.प्र.

बनवारी लाल जांगिड
अध्यक्ष जिला सभा जबलपुर म.प्र.

योगेश शर्मा
अध्यक्ष जिला सभा इंदौर म.प्र.

राजीव शर्मा
अध्यक्ष जिला सभा देवास म.प्र.

राधेश्याम बोदलिया
अध्यक्ष जिला सभा रतलाम म.प्र.

जय गौतम
अध्यक्ष जिला सभा टीकमगढ़ म.प्र.

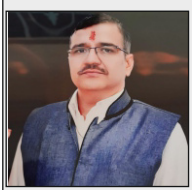

ओम प्रकाश जांगिड
अध्यक्ष जिला सभा शहडोल म.प्र.

हरीश जांगिड
अध्यक्ष जिला सभा भोपाल म.प्र.

मनोज शर्मा
अध्यक्ष जिला सभा बड़वानी म.प्र.

किशन लाल
अध्यक्ष जिला सभा खरगोन म.प्र.

प्रेम नारायण शर्मा
अध्यक्ष जिला सभा उज्जैन म.प्र.

आत्मा राम
अध्यक्ष जिला सभा झाबुआ म.प्र.

मुकेश जांगिड
अध्यक्ष जिला सभा बुरहानपुर म.प्र.

सुरेश शर्मा
अध्यक्ष जिला सभा विदिशा म.प्र.
मनोनीत

घनश्याम जांगिड
अध्यक्ष जिला सभा सागर म.प्र.
मनोनीत

रामस्वरूप विश्वकर्मा
अध्यक्ष जिला सभा हरदा म.प्र.
कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मनोनीत

विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक रामप्रसाद शर्मा की 7 नवम्बर को उनकी 5 वीं पुण्यतिथि पर शत शत नमन।

महासभा प्रधान ,रामपाल शर्मा

जो व्यक्ति अपने जीवन में संकल्प की अवधारणा को मूर्त रूप देने के लिए एक कार्ययोजना के साथ अपने, आत्मविश्वास और जज्बे के साथ आगे बढ़ने का कार्य करता है, उसको जीवन में आशातीत सफलता अवश्य ही हासिल होती है और अपने जीवन में यह सिद्ध करके दिखलाया विनम्रता और सौम्यता के प्रतीक बहुआयामी प्रतिभा के धनी और विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सम्पादक रहे, राम प्रसाद शर्मा ने , उनका जन्म 2 सितंबर 1950 को गांव पराना , जिला टोंक में माता श्रीमती मूली देवी और पिता रामकरण जांगिड के घर हुआ और जिसने अपने परिवार का नाम ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्वकर्मा समाज का नाम भी गौरवान्वित किया और उन्होंने एक कर्मठ समाज सेवी के रूप में अपनी एक विशेष पहचान बनाई। समाज हित के महत्त्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से उन्होंने पत्रकारिता का अपने प्रमुख पेशे के रूप में चुनाव किया और सफलता हासिल की।

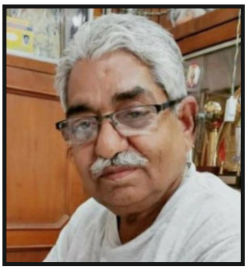

प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि आर पी शर्मा ने, समाज की नब्ज पहचानते हुए ही विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के कलेवर और कन्टैन्ट में आशातीत अभिवृद्धि करते हुए इसे न केवल पाठकों के लिए हृदयग्राही और लोकप्रिय बनाया, अपितु इसके माध्यम से समाज में जागृति का शंखनाद भी किया, जिससे समाज में एक विशेष चेतना जागृत हुई है। लोगों के असीम प्यार और आशीर्वाद का प्रतिफल यह हुआ कि, आज विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के पाठकों की संख्या में निरंतर अभिवृद्धि हो रही है और यह बढ़कर हजारों तक पहुंच गई है और जयपुर से विश्वकर्मा टूडे मासिक पत्रिका का आज भी सफलतम प्रकाशन उसी प्रकार से उनके सुपुत्र नरेश शर्मा द्वारा किया जा रहा है, जो पत्रिका रुपी पौधा रामप्रसाद शर्मा ने लगाया था वह आज बड़ा होकर ,एक वट वृक्ष का रुप धारण कर चुका है और इस पत्रिका को इस मुकाम तक पहुंचने में उनके संघर्षशील पुरुषार्थ ने, समय-समय पर इस पत्रिका में नए-नएआयामों को जन्म दिया। प्रधान ने कहा कि भगवान श्री विश्वकर्मा एवं ब्रह्मऋषि अंगिरा के बारे में समाज के लोगों को महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराने तथा समाज की मूलभूत वैवाहिक,सामाजिक,शैक्षणिक और रोजगार तथा व्यवसाय से सम्बंधित जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए ही,सबसे पहले उनके द्वारा सन् 2004 में एक वैबसाइट शुरू की गई और समाज की यह प्रथम वेबसाइट www.jangidbrahmin samaj.com शुरू करते हुए उन्होंने , समाज में सूचना क्रान्ति का आगाज किया और इस वेबसाइट की लोकप्रियता का आलम यह हुआ कि अब तक इस बैबसाइट को लगभग 5 लाख से अधिक लोग विजिट कर चुके हैं और इतना ही नहीं अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की वेबसाइट www.abjbmahasabha.com भी आर पी शर्मा के द्वारा ही तैयार की गई है , जिसका विगत कई वर्षों से महासभा द्वारा समुचित लाभ उठाया जा रहा है। राम प्रसाद शर्मा की साहित्य में गहन अभिरुचि थी और अपनी इस इच्छा को मूर्त रूप देने के लिए ही , उन्होंने एक पत्रिका निकालने का दृढ़ निश्चय किया था ताकि पत्रकारिता के माध्यम से समाज में परिव्याप्त कुरितियों के निराकरण के लिए समाज को जागृत किया जा सके और इस संकल्प को पूरा करने के लिए ही, मासिक पत्रिका विश्वकर्मा टूडे के संपादन का कार्य करने का निश्चय किया और विश्वकर्मा टूडे पत्रिका का रजिस्ट्रेशन करवाया गया और यह आज भी यह पत्रिका 16 मई 2011 से निरन्तर समाज के दर्पण के रूप में कार्य कर रही है और आज इस पत्रिका की संख्या 3500 से भी अधिक पहुंच चुकी है तथा सभी राज्यों में अपनी एक विशेष पहचान बना चुकी है और इसको आनलाइन किया गया है ताकि देश विदेश के पाठक भी इसका लाभ उठा सके। वह 2008 में प्रकाशित हुई ,महासभा के शताब्दी समारोह की स्मारिका के सम्पादक मण्डल के साथ , प्रदेश सभा राजस्थान द्वारा प्रकाशित प्रादेशिक दर्शन स्मारिका एवं विश्वकर्मा एजूकेशन ट्रस्ट की स्मारिका के सम्पादक मण्डल में शामिल रहे और वह 3 वर्षों तक विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की पत्रिका 'बन्धुत्व संदेश' सम्पादक भी रहे। आर पी शर्मा की 5 वीं पुण्यतिथि 7 नम्बर पर अपने भावभीने श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में , महासभा के मुख्य संरक्षक भंवरलाल कुलरिया, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा, महासभा के मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड, महामंत्री सांवरमल जांगिड और राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा भी शामिल हैं।

☆☆☆

माँ के चले जाने से बड़ा दुख कोई नहीं- श्रीरामपाल शर्मा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय मुख्य चुनाव अधिकारी श्री प्रवीण जी शर्मा नीमच की मातुश्री श्रीमती गुलाबदेवी शर्मा के निधन पर श्रद्धांजलि देने के लिए अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय प्रधान श्री रामपाल जी शर्मा बेंगलुरु नीमच स्थित उनके निवास स्थान पर पहुंचे। महासभा के राष्ट्रीय प्रधान श्रीरामपालजी शर्मा ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मां के चले जाने से बड़ा कोई दुख इस संसार मे नहीं हो सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि माँ का जाना एक ऐसी क्षति है जिसकी पूर्ति किसी भी कीमत पर नहीं हो सकती। माँ ने ही हमे जीवन और संस्कार दिए हैं, और उसके बिना जीवन अधूरा सा लगता है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

इस अवसर पर महासभा को बुलंदियों तक पहुंचाने वाले महासभा के पूर्व प्रधान श्री कैलाश चंद जी बरनेला इंदौर , महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सांवरमल जी जांगिड सीकर, महासभा के मुख्य सलाहकार श्री श्री गोपाल जी चोयल अजमेर, जांगिड ब्राह्मण महासभा के मध्य प्रदेश के अध्यक्ष श्री प्रभुदयाल जी बरनेला इंदौर, श्री हंसराज जी जांगिड जिला अध्यक्ष उदयपुर, महासभा उप प्रधान श्री सीताराम जी जांगिड सीकर आदि ने भी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जांगिड ब्राह्मण प्रदेश सभा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम जी पवार जयपुर, राजस्थान के मुख्य चुनाव प्रभारी श्री बसंत जी शर्मा ब्यावर, श्री अजय जी शर्मा इंदौर, श्री गजानंद जी जांगिड कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान, श्री प्रेम प्रकाश जी जांगिड उप प्रधान महासभा, श्री गौरी शंकर जी जांगिड उप प्रधान महासभा, श्री राहुल जी जांगिड पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ महासभा, श्री रामजीलाल जी जांगिड प्रभारी मिशन डेढ़ लाख महासभा, श्री कमल किशोर जी जांगिड ब्यावर एवं प्रदेश सभा राजस्थान की चुनावी टीम ने भी नीमच पहुंचकर अपने भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर महासभा उच्च स्तरीय समिति के श्री सुरेश जी शर्मा नीमच महासभा उपप्रधान श्री राकेश शर्मा नीमच विशेष रूप से उपस्थित थे। महासभा के शोक संदेश का वाचन महासभा महामंत्री श्री सांवरमल जांगिड ने एवं प्रदेश सभा मध्य प्रदेश के शोक संदेश का वाचन प्रदेशाध्यक्ष श्री प्रभु दयाल बरनेला ने किया।

श्रीमती गुलाबदेवी शर्मा स्व.जगदीश चंद्र शर्मा (जागीरदार जी) की धर्मपत्नी एवं स्व.लक्ष्मी नारायण जी शर्मा, स्व. त्रिलोकचंद जी शर्मा एवम नंद किशोर शर्मा (उप प्रधान महासभा) की भाभी जी, घनश्याम शर्मा, सुरेश शर्मा, कमल शर्मा, उमेश शर्मा, पंकज शर्मा, मनोज शर्मा, गोपाल शर्मा, नितिन शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, प्रवीन कुमार शर्मा की ताई जी तथा हेमंत शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, मयंक शर्मा, मनन शर्मा की दादीजी, युवीन शर्मा की परदादी जी तथा प्रवीण शर्मा, स्व.यशवंत शर्मा एवम धर्मेंद्र शर्मा की पूजनीय माताजी थी। तीसरे की बैठक (उठावने) पर अनेक संस्थाओं को दी गई सहयोग राशि के क्रम में

महासभा को इक्कीस सौ रुपए प्रदान किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिकों, समाजजनों, रिश्तेदारों आदि ने शामिल होकर दिवंगत आत्मा के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। हम सभी महासभा की ओर से परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि **स्व. श्रीमती गुलाब देवी शर्मा** की पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में उचित स्थान दे और शोकाकुल परिवार को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हम सभी आपके समस्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

॥ॐशान्ति, ॐशान्ति, ॐशान्ति॥

रामपाल शर्मा
प्रधान महासभा

सांवरमल जांगिड
महामंत्री महासभा

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

HYUNDAI
25
YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL SHARMA
(CHOYAL)

FOUNDER

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road Call : 9099978327	**Satellite** Call : 9099978334
Parimal Garden Call : 9099978328	**Naroda** Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MG
MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Registered With The Registrar of
News Papers For INDIA,
Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26
of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 November 2025
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)